राष्ट्रपिता

चेतना संदेश

उत्तिष्ठित जागृत

तैलिक समाज दिग्दर्शक

राष्ट्र गौरव

मुख्य पृष्ठ- भोपाल, म0प्र0 में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन

समाज की दशा एवं दिशा का व्यवहारिक आंकलन एवं मार्गदर्शक के रूप में रचनात्मक पहल

E-mail : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
Website : www.tailik.org.

If undelivered please return to :
Shubham Theatre Building
Cantt. Road, Kaiserbagh, Lucknow-01
0522-2628182, 9451403835

राष्ट्र गौरव
झारखण्ड गौरव
समाज गौरव
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत
सभी क्षेत्रवासियों
को नव वर्ष मकरसंक्रांति
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!
सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता
प्रदेश उपाध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा.उ.प्र.
पूर्व प्रत्याशी विधान सभा- 331 तमकुहीराज कुशीनगर, उ०प्र०
मोबाइल : 9437586011, 9935237911
e-mail : spguptastulsolution@gmail.com

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

द्वारा प्रकाशित पत्रिका

चेतना संदेश

उत्तिष्ठित जागृत

मुख्य संरक्षक,संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष :

गांधी रामनरायन साहू (पूर्व सांसद)

मोबाइल– 09695130007

संरक्षक मण्डल :

डॉ0उमेश नंदलाल शाहू

नागपुर– # 09422114433

श्रीमती मानसी साहू, एडवोकेट (सुप्रीमकोर्ट)

दिल्ली– # 09868149873

मेवा लाल साहू

ग्वालियर– # 08959136930

अरविंद गांधी, एडवोकेट

बलिया, उ.प्र. – # 09415813210

प्रवीण कारपोले गाण्डला तेली

हैदराबाद – # 09390100002

एस.गोकुल राज

त्रिपुरा, तमिलनाडू– # 09344698098

ललित राठौर

रूद्रपुर, उत्तराखण्ड – # 09690455226

प्रधान सम्पादक :

जितेन्द्र माथुर

लखनऊ– # 09936241320

सम्पादक :

रमाशंकर तेली, एडवोकेट

लखनऊ– # 09451403835

सह–सम्पादक :

गांधी शिवसागर साहू

लखनऊ– # 09452572336

विधिक–सलाहकार :

मनोज साहू, एडवोकेट

लखनऊ– # 09450750386

परामर्शदाता समिति :

मोहनलाल गुप्ता

लखनऊ– # 09415576867

जैकिशन साहू

गाज़ीपुर – # 09415241047

गांधी राम औतार साहू

लखनऊ – # 09451236399

श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू

फतेहपुर,(उ.प्र.) – # 07309155011

प्राक्कथन

'चेतना संदेश' पत्रिका के माध्यम से चेतना उभरने लगी है। समाज के बन्धु कुछ करने के लिए प्रेरित हैं। 'जनवाणी शीर्षक के अन्तर्गत प्राप्त पत्रों का व्यौरा पढ़ने के बाद अनुभूति होने लगी है कि समाज कुम्भकर्णी नींद तोड़ रहा है। तूफानी डगर में समाजोत्थान की किश्ती तेज बहाव वाले दरिया में गतिमान हो चली है। बस आवश्यकता होगी कुशल कर्णधारों खेबनहारों की जो तूफान का रूख समझ सकें, दरिया की गहराई जान सकें, तेज धारा में इस किस्ती को संभाल सकें। बस समझिये, हम आगे और आगे ही बढ़ते चलेगे।

समाजोत्थान जन समूह को ललकारने, झकझोरने, बटोरने और अपने अनुयायी बनाने की कला से होता है। इसी के सहारे प्रारम्भ मे छोटा ही सही हम एक कारवाँ खड़ा कर सकते हैं। इसलिए स्व समाज में ऐसे जुझारूओं की तलाश करनी होगी जो जातीय प्रेरणा से परिपूर्ण होकर अग्रपंक्तियों में आवें, पीछे मुड़कर न देखें, निराशा के भाव माथे की सिकुडन न बनें और कंटिकाकीर्ण लम्बे सफर पर चलें बढें। हम सभी को कटु व कठोर अनुभूति है कि स्वसमाज अशिक्षा उपेक्षा, उदासीनता, पिछड़ापन, विघटन, निष्प्रेरणा, स्वार्थ पर्ता रूढ़िवादिता, निर्धनता आदि जैसे रोगों से ग्रसित है। विकसोन्मुख चरण थमे हुये हैं। निष्ठायें भ्रमित हैं। अंहकार, अहम की भाव भूमिका उन्नति के मार्ग में आड़े आती है। सभी ओर प्रातः से रात्रि तक का जीवन जीने का वही यंत्रवत जीवनक्रम दृष्टिगोचर होता है। ऐसे में अब नितांत आवश्यकता है कि आँखें खोलकर अंगड़ाई लेकर उठ खडे हों। इस स्वाभिमान की जंग में हमे विजयी होना है। वाक्पटु नेताओं ने कुछ न कुछ अन्यथा बोलकर हमारी संवेदनशील त्वचा पर सुईयाँ चुभोई हैं। अब तो शूल प्रहार भी होने लगे। कोई भी न्यायिक, सामाजिक व्यक्तित्व नही दिखाई देता है जो समान विकास संहिता के आधार पर हमें भी भागीदारी प्रदान करे।

परन्तु अब हमें ही करना होगा। पीड़ित दुखी बन्धुओं को गले लगाकर आत्मीयता, संघर्ष रूपी मरहम से उन्हें शान्त्वना देनी होगी। एक और एक ग्यारह के भाव से जन-जन मे जातीय भावना फूँकते हुये हम समाज चेतना के पूज्य बने।

–गांधी रामनरायन साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक

प्रकाशक : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

कार्यालय :

शुभम थियेटर बिल्डिंग,कैण्ट रोड़, कैसरबाग लखनऊ–226001

फोन : 0522–2628182, वेब साईट : www.tailik.org.

ई–मेल : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

मुद्रक : एक्स्ट्रीम एडवारटाइजिंग, लखनऊ

फोन : 0522–4000788, मो. +919839075611

अंक- 14वाँ

सहयोग राशि : ₹ 25/-

अनुक्रमणिका

न.	लेख का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	कल्पनाओं को साकार भी करें....	3
2.	आशावान बनें...	3
3.	सम्पादक की कलम से....	4
4.	रामनरायन साहू भाषण राज्य सभा...	5
5.	उठो जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक रूको मत....	6
6.	हमारा जीवन उन्नतिशील कैसे बने?	7–8
7.	सर्वोत्म विचार...	8
8.	भातीय तैलिक साहू राठौर महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, भोपाल...	9–11
9.	'खुदी' को बुलन्द करें...	13
10.	हमारा सामाजिक उत्थान...	15
11.	राष्ट्र प्रेम...	17
12.	साहू समाज के संगठनों में युवा और नारी...	19
13.	एक शिक्षित बालिका एक शिक्षित समाज....	21
14.	मनुष्य की कीमत...	23
15.	नारी शक्ति...	25
16.	कहाँ राजा भोज कहाँ विजेता गांगेय देव...	27
17.	प्रेरक प्रसंग...	28
18.	नशा उन्मूलन...	28
19.	कैसे सुरक्षित रखें हम अपने गुर्दे....	29
20.	देश भक्त सुभाषचन्द्र बोस...	30
21.	सपने देखना सीखो...	31
22.	अमूल्य निधि...	32
23.	नारी जगत...	33
24.	महापुरूषों के 'नीतिवचन' हमारे पथ प्रदर्शक...	34
25.	सेवार्थ कोई अपेक्षा न करें...	35
26.	सौ वर्ष से अधिक आयु तक मनुष्य जी सकता है...	37
27.	उत्थान की वाट जोहता देश का अति पिछड़ा समाज...	38
28.	माननीय नरेन्द्र मोदी ने दो साल मे अनेको योजनाओं की शुरूआत......	39
29.	सफलता और प्रगति की मूल शर्त...	40
30.	समाज की बेटी नेहा साहू बनी...	41
31.	आरती साहू को मिला....	41
32.	मतभेदों मे ना पड़िये...	42
35.	सबसे सुंदर चित्र...	43
36.	मिलकर दीप जलायें...	43
37.	संगठन की एकता से ही राजनीति में सफलता...	44
38.	सभ्य एवं शिष्ट जीवन के लिए आवश्यक निर्देश...	45
39.	साहू राठौर भवन सहयोगी बन्धुओं के नाम.....	46–49
40.	समाचार पत्रों की सुर्खियाँ...	52

पत्रिका में विज्ञापन दर

रंगीन पृष्ठ- 2 रू. 8,000/-, रंगीन पृष्ठ- 3 रू. 6000/- रंगीन पृष्ठ 4 रू. 10000/-

रंगीन पृष्ठ पत्रिका के अन्दर फुल पृष्ठ -रू. 3000/- आधा पृष्ठ- रू. 1500/-

पूरा पृष्ठ ब्लैक एण्ड व्हाइट रू. 1,500/-, आधा पृष्ठ रू. 800/-

कल्पनाओं को साकार भी करें

कल्पनायें हमारे मन की आँखें हैं। इनके सहारे हम क्षण मात्र में सुदूर अतीत एवं भविष्य में झाँक सकते हैं। मन कल्पनाओं के पंख लगाकर ही उड़ान भरता है। कल्पनायें सकारात्मक अथवा नकारात्मक हो सकती हैं परन्तु हमारे जीवन के विकास में सकारात्मक कल्पनाओं का ही महत्व है। ये कल्पनायें मनुष्य के जीवन को एक नया मोड़ देती हैं और उसे कुछ करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करती हैं। अपने जीवन को स्वप्निल कल्पनाओं में डुबोना और दूसरों को भी इन्हें दिखाना एक सुखद एहसास है।

जो व्यक्ति जितनी अच्छी कल्पनायें करता है, उसका दिमाग भी उतना ही रचनात्मक होता है। ये कल्पनायें ही योजनाओं का सृजन करती हैं फिर हम उन्हें साकार करने के लिए जुट जाते हैं। देश विदेश में जितने भी छोटे बड़े काम हुये हैं वे सभी पहले एक स्वप्निल कल्पना के रूप में थे। डा. एपीजे अब्दुल कलाम (पूर्व राष्ट्रपति) ने देश के करोड़ों लोगों को विकसित भारत का सपना दिखाया था जिसे सन् 2020 तक साकार करना है। जीवन में यह भी जरूरी है कि हम शेखचिल्ली की तरह सपने ही न देखें। केवल कल्पनाओं की दुनिया में ही न खोये रहें। सार्थक कल्पनायें कीजिये, सुखद सपने सँजोइये लेकिन यह हमेशा ध्यान रखिये कि उन्हें साकार होने में धैर्य, समय और प्रयास की आवश्यकता होती है।

तो आइये। हम इसी सूत्र का अनुसरण कर अपने परिवार, समाज और देश को व्यक्तिगत उन्नत बनकर विकास पथ पर अग्रसरित करें।

–जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक

आशावान बनें

आशा हम सभी के जीवन की प्रेरणा होती है, जीवन जीने का आधार होती है। यदि यह आशा खत्म हो जाये तो जीवन जीने का मकसद भी नजर नहीं आता। सकारात्मक आशायें ही व्यक्ति के जीवन को खुबसूरत बनाती हैं और जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देती है मन को उत्साह से भरती है।

बन्धुवर! जिन्दगी उन्ही का साथ देती है जो हर पल आशा की डोर थामे रहते हैं। भले ही जीवन का मार्ग अंधियारों से घिरा हो लेकिन ऑखों में उजियाले की आशा ही उस अंधियारों से घिरा हो लेकिन आँखों में उजियाले की आशा ही उस अंधियारे को आसानी से पार करने में सहयोग देती है। जरूरत केवल इस बात की है कि यह आशा टूटनी नहीं चाहिए बल्कि सतत् मजबूत होनी चाहिए। उदाहरण देखें एडमंड हिलेरी को जिन्होंने सन् 1952 में दुनिया के सबसे ऊचें शिखर माउन्ट एवरेस्ट पर चढ़ने की कोशिश की परन्तु वे असफल रहे। कुछ सप्ताह बाद उनसे इग्लैंड के एक समूह को संबोधित करने के लिए कहा गया। हिलेरी मंच पर आये और माउन्ट एवरेस्ट की तस्वीर की ओर मुक्का तानते हुये बोले– ''माउन्ट एवरेस्ट तुमने मुझे पहली बार तो हरा दिया पर अगली बार मैं तुम्हें हरा दूंगा क्योंकि तुम एक पहाड़ हो बढ़ नहीं सकते पर मैं जरूर प्रगति कर सकता हूँ। इसके एक वर्ष बाद एडमंड हिलेरी माउन्ट एवरेस्ट पर पहुँचने वाले पहले इन्सान बन गये।

इसलिए आशा की राह मन में बसानी चाहिए और निराशा को अपने आस–पास फटकने नहीं देना चाहिए।

–गिरिजा शंकर गुप्ता
राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री
मो0 9967602233

जो ईश्वर को महत्व न देकर संसारी विकारों को और संसारी कर्मो को महत्व देते है। वे अभागे हैं।

सम्पादक की कलम से......................

राष्ट्रनिर्माण एवं सच्ची राष्ट्रभक्ति

प्रिय साथियों आज भारत में नये भारत निर्माण के लिए राष्ट्र धर्म एवं राष्ट्र निर्माण में 125 करोड़ देशवासियों से भारत के राष्ट्रगौरव माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया है कि हम सभी राष्ट्र निर्माण अपना योगदान करें 8 नवम्बर 2016 को रात्रि 08:00 बजे राष्ट्र के सम्बोधन में एक ऐसा फैसला जिसको सुनकर सभी लोगों के पैर तले जमीन खिसक गयी परन्तु अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री जी ने सभी देशवासियों को अस्वस्त किया कि अगले 50 दिनों में देश की हालात में सुधार आयेगा। खैर पुराना मकान तोड़कर नया बनाने मे थोंडी धूल तो उड़ती ही है। यह इतना बड़ा निणर्य 70 साल के इतिहास में जिस व्यक्ति द्वारा लिया गया निश्चय रूप यह महान व्यक्तित्व होगा रू0 500 व रू0 1000 की पुरानी करेन्सी को बन्द करना ये कोई छोटा निर्णय नहीं है। इसमें न तो अपनी परवाह की और नही पार्टी की परवाह की, केवल 125 करोड़ देशवासियों कि ऐसा महान व्यक्तित्व हमारे तेली समाज से है ये हम सभी के लिए गर्व कि बात है। यदि हमसभी के लिए गर्व कि बात है तो हमारी आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि पूरे भारत वर्ष में लगभग 14 करोड़ तेली समाज प्रधानमंत्री के इस निर्णय में सहयोग करे। और कैशलेस प्रणाली को अपने परिवार, अपने समाज, और अपने आस-पास अन्य समाज में ऐसा माहौल बनायें कि वो सभी अपनी खरीदारी, बिजली का बिल, टेलीफोन का बिल बच्चों के स्कूल की फीस, डाक्टर की फीस, मेडिकल स्टोर से दवा एटीम, डेबिटकार्ड, मोबाइल बैंकिग सेवा, आधार कार्ड, चेक इत्यादि को अपनाकर अपने समाज में अपनी भूमिका का निर्वाहन कर अपने प्रधानमंत्री के मुहिम में सहयोग दें। ऐसा हमारा मानना है। ''हम सुधरेंगे जग सुधारेगा'' के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निर्वहन कर सकते है।

आज चाणक्य द्वारा कही बात लगभग सही प्रतीत हो रही है कि जब गद्दारों की टोली में हाहाकार होने लगे तब ये समझना चाहिए कि देश का राजा महान और चरित्रवान है और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है उसी राह पर नरेन्द्र मोदी राष्ट्र का नेतृत्व कर रहे है।

नूतन वर्ष2017 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

-रमाशंकर तेली
एडवोकेट
मो0 : 9451403835

संस्कार

संसार मे जिसके पास धन है, उसी
के सब मित्र होते हैं,
उसी के सब बंधु- बांधव होते हैं,
वही श्रेष्ठ पुरूष गिना जाता
है और वही ठाट-बाट से जीता है।

परहित के लिए थोड़ा सा काम करने से भी, अन्दर की आत्मिक शक्तियाँ जागृत होने लगती है।

राम नरायन साहू भाषण राज्य सभा

श्री राम नरायन साहू का दिनांक 12-03-2007 को राज्य सभा मे दिया गया अभिभाषण

इस पर कई कमेटीज बैठी हैं, इस पर निर्णय होना अभी बाकी है ।कृप्या आप अपने पास रखिए, टेक्नीकल ।दवूीवू आपके पास है।

श्री लालू प्रसादः वे नहीं देते है।

श्री राम नारायण साहू : मैं सुझाव देना चाहूंगा कि जिस तरीके से रेलवे में एक नम्बर प्लेटफार्म से आखिरी प्लेटफॉर्म तक अंडरग्राउण्ड के रास्ते से सामान भेजा जाता है, लोग ठेले के ऊपर सामान लेकर जाते हैं और पार्सल जाते हैं, ठीक उसी तरीके से पैदल जाने का रास्ता नीचे से जाना चाहिए क्योंकि रेलवे के अंदर जिस जीने पर चढ़ना पड़ता है ,वह इतना खड़ा जीना होता है जिससे सीनियर सिटिजन को बहुत परेशानी होती है। अगर उसको नीचे से अंडरग्राउण्ड बना दिया जाए, अच्छा बना दिया जाए , एयरकंडीशन बना दिया जाए, तो लोगो को और भी वे विकलांगो के बारे में बता रहे थे, विकलांगो को आपने सुविधा जरूर दी है... (व्यवधान)...

श्री लालू प्रसाद : सब स्टेशन की बात कह रहे है।

श्री राम नारायण साहू : मंत्री जी , आप कृपया सुनिए। यह पूरे हिन्दुस्तान के लिए मैं सुझाव दे रहा हूँ, जहाँ पर जरूरत है। जैसे विकलांगो के लिए बताया गया कि विकलांगो को आपने सुविधा दी है, लेकिन विकलांग वहां तक पहुँचेगा कैसे?उसके लिए जो अंडरग्राउण्ड वाला रास्ता है, उससे एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर विकलांग पहुँच सकता है।

श्री उपसभापति : साहू जी , अब समाप्त कीजिए।

श्री राम नारायण साहू : सर , मैं बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोल रहा हूँ। इसके ऊपर आप मुझे टाइम दीजिए।

श्री उपसभापतिः देखिए, आपने कहा कि सात-आठ मिनट में खत्म करूँगा, अब 12 मिनट हो गए है। श्री राम नारायण साहू: सर अभी तो शुरूआत की हैं।

श्री उपसभापति : नहीं ,नहीं, बिल्कुल नहीं।.... (व्यवधाान)...

श्री राम नारायण साहू: देखिए, बड़ा इंपॉर्टेट प्वाइंट है।

श्री उपसभापति : नहीं ,नहीं, आपके इंपॉर्टेट प्वाइंट है, तो दूसरों के लिए भी तो मौका छोड़िए न ।... (व्यवधाान)....

श्री राम नारायण साहू : यह लखनऊ मेल जो है, इस लखनऊ मेल के लिए नॉर्दन रेलवे की जो सबसे बड़ी मीटिंग होती है, उसमें सांसद लोग जाते हैं। हमने दो-तीन बार अपील की है कि हमारे उत्तर प्रदेश के ज्यादातर सांसद लखनऊ मेल से आते हैं, तो इनको ग्यारह नंबर प्लेटफॉर्म के बजाय बारह नंबर प्लेटफॉर्म पर उतारें। उसमें यंग भी है , लेकिन सीनियर्स भी हैं। सीनियर्स की तादाद ज्यादा है और उनको जीने में चढ़ने में दिक्कत होती है और जब लखनऊ मेल ग्यारह नंबर पर पहुँचाती है, तो बारह नंबर प्लेटफॉर्म खाली पड़ा रहता है। इत्तिफाक से आज वह ग्यारह नंबर प्लेटफॉर्म पर ही आई है, तो उसको जरा.... (व्यवधान)...

श्री लालू प्रसाद : आपने जो सुझाव दिया था, उसके चलते बारह नंबर पर गाड़ी लग गई है।

श्री राम नारायण साहू : पहले हमने बहुत सुझाव दिए थे, चलिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री लालू प्रसाद : लगता है कि आजकल आप आते नहीं हैं उससे।

श्री उपसभापति : तब तो आपका काम हो गया है ,अब आप समाप्त कीजिए प्लीज।...(व्यवधान) देखिए बहुत से मेम्बर्स को बोलना है, आप दूसरों को भी मौका दीजिए। (व्यवधान)...

श्री राम नारायण साहू : आप हमारे दूसरे साथी का टाइम काट दीजिएगा।...(व्यवधान)

श्री उपसभापतिः नहीं, नहीं, ऐसा आप नहीं कह सकते हैं। दूसरों को भी मौका देना चाहिए, आप ही पूरा मौका लें लेंगे , तो कैसे होगा?...(व्यवधाान)....

श्री राम नारायण साहू : आप मेन प्वाइंट नहीं बोलने देंगे?हमसे ज्यादा लोग बोले हैं। उपसभापति जी , आपसे हाथ जोड़कर रिक्वेस्ट है।...(व्यवधान)... अभी हमारे एक साथी बोल रहे थे कि इतनी दूरी लाइनें बढ़ाई गई हैं, इतना बढ़ावा दिया गया है। .. (व्यवधान)

-क्रमशः अगले अंक में

'उठो जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक रूको मत'

स्वामी विवेकानंद जी की ये उक्ति जब तक यह सृष्टि है तब तक हमें अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती रहेगी। आजकल हम सब लोग अपनी अपनी जिन्दगी में बहुत व्यस्त होते जा रहे है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी निजी समस्यायें है फिर चाहे वे बड़े हो अथवा बच्चे रोज की इस भागदौड़ भरी जिन्दगी में कभी अपने दो पल स्थिर मस्तिष्क से यह विचार किया है कि आप किस दिशा की ओर जा रहे है? आपके जीवन का सार्थक लक्ष्य क्या है? जिस लक्ष्य के लिए हम इतना परिश्रम कर रहे है क्या वह हमारे स्वयं के लिए, हमारे परिवार के लिए, समाज के लिए अथवा देश के लिए हितकर है या नहीं। उपरोक्त लक्ष्य की प्राप्ति से हम सुखी रहेंगे या नही।

अगर हम खुशहाल जीवन जीना चाहते हैं तो उसे किसी न किसी लक्ष्य से बाँध कर रखना अनिवार्य है क्योंकि यदि आप अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र हैं तो दुनियां की कोई बाधायें आपको नहीं रोक सकती है। आपके लक्ष्य तक जाने का मार्ग आपको आपके गन्तव्य से अलग नहीं कर पायेगा। वह आपके लक्ष्य का एक अनिवार्य भाग बनेगा। यदि हम अपने सपनों को साक़ार करना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे जगाना जरूरी है क्योंकि लक्ष्य निर्धारण अदृश्य को दृश्य बनाने के लिए पहला कदम है। बाधायें केवल उन्हीं को दिखाई देती हैं जो लक्ष्य के प्रति पूर्णतया समर्पित नहीं हैं।

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए यह अनिवार्य शर्त है कि हमारे कदम सही हों। हम जिन साधनों का प्रयोग करते हैं उनमें पवित्रता और सच्चाई होनाी चहिए। तभी हम सुखी जीवन जी सकते है। सुख, समृद्धि और सफलता हमारे जन्म सिद्ध अधिकार हैं। यदि प्रबल इच्छा शक्ति एवं ईमानदारी की मेहनत से हम अपनी जीवन यात्रा पर निकल पड़े तो इतना सुख, इतनी समृद्धि और सफलता हमें प्राप्त होगी जिसकी हम सपने में भी कल्पना नहीं कर सकते है।

लक्ष्य सदैव पूर्णतया स्पष्ट एवं एक होना चाहिए। उदाहरण के लिए किसी भी विद्यार्थी को शिक्षा अध्ययन के दौरान ही अपने कैरियर का लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए कि उसे किस दिशा की ओर जाना है? एक स्पष्ट सकारात्मक लक्ष्य का निर्धारण करने के उपरांत ही उसे उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूर्ण प्रयास एवं परिश्रम करना चाहिए। लक्ष्य निर्धारण मे अपनी योग्यता एवं कार्यक्षमता का आंकलन करना महत्वपूर्ण है। आप उसी लक्ष्य का निर्धारण करे जिसे प्राप्त करने में आप समर्थ हों। हम अपनी सोच सकारात्मक रखें, अपने मन पर कोई अंकुश न लगायें और अपने हृदय के भीतर की आकांक्षा को जानने का प्रयास करें कि वे कौनसी चीजें है जो हमारे चेहरे पर एक बहुत प्यारी सी मुस्कान ले आती हैं। अगर आप यह जानते है तो विश्वास करें कि आपका लक्ष्य आपके सामने है सिर्फ उस तक पहुँचने की देर है।

बस यह तय कीजिये कि आपको क्या करना चाहिए, ठीक उस बच्चे की भाँति जो यदि किसी वस्तु की जिद करता है तो कितनी भी कठिनाइयाँ आवें वह उसे प्राप्त करने की चेष्ठा तब तक करता रहता है जब तक वह उसे मिल नहीं जाती और उसकी मनपसन्द वस्तु उसे प्राप्त हो जाती है तो वह प्रफुल्लित हो जाता है।

हम सभी जानते है कि जीवन में खुशी लाने का रास्ता है कि हम अपने महान लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करें क्योंकि महान ध्येय महान मस्तिष्क की जननी है। मूल्यांकन करें कि इस महान लक्ष्य को पूरा करने में हमें कितना समय लगेगा और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उपरोक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के उपरांत हम कितना खुश रहेंगे। लक्ष्य ही सफलता की सीढ़ी है और प्रत्येक व्यक्ति सफलता की सीढ़ी बढ़ना चाहता है परन्तु कभी अपने आपसे नहीं पूँछता कि किस लक्ष्य की प्राप्ति के उपरांत आप स्वंय को सफल मान रहे हैं क्योंकि सफलता एक पौधा है तो लक्ष्य आक्सीज़न है। प्रगति का मापक है लक्ष्य आपको यह अविचलित रखेगा एवं आपको प्रेरित करेगा लक्ष्य।

जिस दिन आप अपना मनोवंछित लक्ष्य प्राप्त कर लेगे उस दिन आप सच्चे अर्थो में प्रसन्न होंगे। आपको अपने पर गर्व होगा कि आपके द्वारा प्राप्त किये गये लक्ष्य से आप अपना, अपने परिवार का समाज व देश का नाम गौरवान्वित कर सके। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण है लक्ष्य का निर्धारण करना।

मनुष्य अपना कल्पवृक्ष स्वयं है। वह स्वयं ही इच्छा करता है स्वयं से ही उसे पूरा करने का वरदान मांगता है और स्वयं ही उसे पूरा करने का सामर्थ्य रखता है। मनुष्य जो भी चाहे वह स्वयं को देखता है। बस इतना पहचानने की देर है कि यह जो सभी इच्छाओं को पूरा करने वाला कल्पवृक्ष है वह उसी के भीतर है। कोई भी लक्ष्य छोटा या बड़ा नहीं होता। बड़ा होता है उस लक्ष्य को प्राप्त करने का जुनून।

''कोशिश करें तो हल निकलेगा, आज नहीं तो कल।

अर्जुन जैसा निशाना साधें, पृथ्वी से भी निकलेगा जल।।

–जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक

सभी समस्याओं का समाधाान सभी विफलताओं का अंत और सभी सफलताओं की कंजी है। भगवान में विश्रांति पाना।

हमारा जीवन उन्नतिशील कैसे बने ?

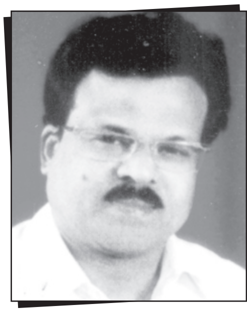

एक बार सुकरात से किसी ने पूछा-" मनुष्य को अपनी सर्वांगीण उन्नति के लिए क्या करना चाहिए?'' तब सुकरात ने सर्वांगीण उन्नति के पांच सूत्रों को वर्गीकृत कर कहा-सबसे पहले व्यक्ति को अपना सामाजिक दायरा बढ़ाना चाहिए। स्वार्थपरता से ऊपर उठकर, सामाजिक बनने की कोशिश करनी चाहिए। मनुष्य को जो अपना संकुचित दायरा है-यानी मनुष्य का हाथ अपने मुंह की ओर ही आता है दूसरे की तरफ तो जाता ही नही। बिजली चली जाए तब भी मनुष्य को अपने खाने का इतना अभ्यास है कि अन्धेरे में भी व्यक्ति भोजन आराम से खा लेगा। कोई भी खाने की चीज इधर-उधर नहीं गिरती। यदि हाथ दूसरे मनुष्य के मुख में देने के लिए जा सके तो यही मनुष्य की ऊंचाई है।

उन्होंने कहा-मनुष्य अपना दायरा बढ़ाए, पशुता से ऊपर उठकर मनुष्यता का व्यवहार करे, यही उसकी ऊंचाई है कि वह देना सीखे। ''पहले आप'' कह देना ही मनुष्य के लिए मनुष्यता है और उससे बढ़कर देवत्त है।

दूसरा सूत्र उन्होंने बताया कि अपनी उपलब्धि पर सन्तोष हो। आज जो कमाया है, जो परमात्मा ने मुझे दिया है उस पर सन्तोष करें, लेकिन भावी प्रगति की आशा मत छोड़ना। आगे पुरुषार्थ के लिए सदैव तत्पर रहें, आगे बढ़ने का प्रयास करते रहें, किन्तु जो आज तक परमात्मा ने दिया है, उसे स्वीकार करें, और उसके लिए परमात्मा का धन्यवाद करें, सन्तोष व्यक्त करें।

आज मनुष्य के पास सब कुछ है, लेकिन सन्तोष नहीं है, सब्र नहीं है। इसलिए सारे दु:खी है। रात-दिन बेचैनी रहती है। जिसके हृदय में सन्तोष रहता है, वह आदमी शान्त रहता है। शान्ति से प्रसन्नता आती है। जो अन्दर से असन्तुष्ट है,वह कभी मुस्कुरा नही सकता, हर समय बेचैन रहता है। सन्तुष्ट व्यक्ति मुस्कुराता रहता है।

मनुष्य अगर थोड़ा भी सन्तुष्ट है, प्रसन्न है और परमात्मा का धन्यवाद करता है तो वह किसी राजा-महाराजा से कम नहीं है। अगर बहुत कुछ होते हुए भी सन्तुष्ट नहीं, बेचैन है तो बड़े महल में रहते हुए भी उससे अधिक कंगाल और गरीब कोई और नहीं है। क्योंकि उसके अन्दर सन्तुष्टि नहीं है।

आज मानव इसलिए भी दु:खी है कि आज उसके पास जो है, जितना है, जैसा प्राप्त है, जिस तरह का है, उसमें तो उसे सन्तोष नहीं है, लेकिन जो नहीं है, उसकी तरफ बार-बार ध्यान जाने से मानव मन बेचैन रहता है। पहले तो आदमी मांगता है, हे परमात्मा! दस बीस हजार रूपए ही मिल जाए फिर मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जब परमात्मा ने दे दिए और बीस ही नहीं पच्चीस दे दिए, तब समझ में आया यह तो काफी कम हैं। फिर भगवान् से कहता है यह तो काफी कम है। गलती हो गई, जल्दबाजी में जरा कम मांग बैठा आपसे। आप भी उतावलेपन में थोड़ा- सा ही देकर काम चल रहे हैं। कृपया पचास हज़ार दे दीजिए, फिर मांगूगा नहीं।

परमात्मा का भी कमाल है। वह पचास देकर भी देखता है कि देखूं इसे सन्तोष हुआ कि नहीं। पचास लेने के बाद भी कहता है भगवान क्या करूं, महंगाई बहुत बढ़ गई है 2 लाख दे दो । परमात्मा दो लाख दे कर भी देखता है परन्तु इंसान की थैली तो रबड़ की बनी हुई है, रोज़ खींच-तान करके उसे बड़ा कर लेता है। देने वाले दे देकर थकता नहीं, लेने वाला ले लेकर थक जाता है, उसका धन्यवाद करना भूल जाता है। भगवान् को कृपा का धन्यवाद देना आना चाहिए। धन्यवाद वह देगा जो सन्तुष्ट है। जो स्वयं आधा-अधूरा है, बेचैन व्याकुल है, वह तो मांग करता ही जाता है, धन्यवाद करना नहीं जानता, भगवान और दे, और दे, यही कहता रहता है। जो है जो भगवान् ने तुम्हें दिया है, उसका भगवान् को धन्यवाद दो और भावी प्रगति की आशा रखों।

तीसरा सूत्र उन्होंने दिया कि दूसरों के दोष ढूंढने में अपनी शक्ति का अपव्यय न करें। अपने आपको ऊचां उठाने के लिए हर सम्भव प्रयास जारी रखें, उसे कम न होने दें। यह मूल्यवान् सूत्र है। हम यही ढूंढने में लगे रहते हैं। किसमें क्या ऐब हैं, किसमें क्या कमी है।

अगर तूम दूसरे की तरफ उंगली उठाएगा तो तेरी तरफ भी तीन उंगलियां इशारा कर रहीं हैं। अपनी वाणी को तू देख, अपने मन को तो टटोल और कर्म की ओर भी ध्यान दे। इसलिए दूसरे की निन्दा न करें।

नीतिकार ने भी एक स्थान पर कहा- अगर तुम चाहते हो, तुम्हें मान और प्रतिष्ठा मिले तो इसके लिए एक कार्य करना कि तुम्हारी जीभ रूपी गौ है। यह दूसरे के मान की हरी-भरी खेती को उजाड़ने के लिए तत्पर रहती है। इसे जरा खूंटे से बांध कर रखें, अन्यथा वह तुम्हारी मान-प्रतिष्ठा चरती रहेगी।

अगर कोई किसी आदमी क लिए कहे कि वह आदमी बड़ा दानी है, बड़ा पुण्यात्मा है, बड़ा धर्मात्मा है, सेवा में तत्पर रहता है, हर किसी की भलाई करता है, सुनने के बहुत देर बाद कहेंगे कि हो तो नहीं सकता है। अगर कोई कह दे बड़ा चोर है, बड़ा लुटेरा है, बड़ा ढोंगी है, बड़ा बेईमान है फिर तो आपको कुछ और पूछने की जरूरत ही नही है, परन्तु कहेंगे हां हो सकता है, हो सकता है।

किसी की भी ऊचाँई अच्छाई मानने को हम तत्पर नहीं होते, लेकिन किसी के लिए अगर कोई दोष लगा दे, तो बहुत जल्दी मान लेते हैं। क्योंकि हम सोचते हैं कि जब मैं ऊचां नहीं हो पाया तो वह कैसे ऊंचा हो जाएगा? अपने अभिमान और अहंकार पर चोट पड़ती है। पर यह हमारी ऊंचाई नहीं है। अपनी शक्ति का अपव्यय दूसरों की निन्दा करने में दूसरों को नीचा दिखाने में न करें। अपने को ऊंचा उठाने के लिए हर सम्भव प्रयास करते रहें।

चौथा सूत्र दिया है कठिनाइयां आएगी, परीक्षा लेंगी, न कभी निराश होना, न कभी भयभीत होना, न समस्या से भागने की कोशिश करना। धैर्य से, साहस से उनके निवारण के उपायों के बारे में पूरी शक्ति से प्रयत्न करें। जो आपदाएं, जो कठिनाईयां आपके मार्ग को रोकती है उनसे साहस से हिम्मत से डटकर मुकाबला करें।

'बाधाएं कब बांध सकी हैं, आगे बढ़ने वालों को। विपदाएं कब मार सकी हैं मरकर जीने वालों को। जिनकी संकल्प शक्ति प्रबल है वे आगे बढ़ते चले जाएंगे।

पांचवा सूत्र दिया है दूसरे के अच्छे गुणों को जीवन में उतारना। हर किसी में अच्छाई को ढूंढे, उससे कुछ सीखकर अपना ज्ञान और अनुभव बढ़ाएं। इससे बहुत जल्दी ऊचांई तक पहुंच सकते है।

अपनी उपलब्धि पर सन्तोष हो।

आज जो कमाया हे, जो परमात्मा ने दिया है, उस पर सन्तोष करें, लेकिन भावी प्रगति की आशा कभी मत छोड़ना आगे पुरुषार्थ के लिए सदैव तत्पर रहें, आगे बढ़ने का प्रयास करते रहें, किन्तु जो आज तक परमात्मा ने दिया है, उसे स्वीकार करें, और उसके लिए परमात्मा का धन्यवाद करें, सन्तोष व्यक्त करें।

–उमेश नन्द लाल साहू
राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
मोबाइल - 9422114433

'सर्वोत्तम विचार'

1) नमक की तरह कड़वा ज्ञान देनेवाला ही सच्चा मित्र होता है। मीठी बात करने वाले तो, चापलुस होते है।
2) एक किताबघर में पड़ी ''गीता'' और ''कुरान'' आपस में कभी नही लड़ते । और जो उनके लिए लड़ते हैं वो कभी उन दोनों को नहीं पढ़ते।
3) एक छोटी सी चींटी आपके पैर को काट सकती है, पर आप उसके पैर को नही काट सकते। इसलिए जीवन में किसी को छोटा न समझें। क्योंकि वह जो कर सकता है, शायद आप न कर पाये।
4) वाणी में भी अजीब शक्ति होती हैं। कड़वा बोलने वाले का शहद भी नहीं बिकता और मीठा बोलने वाले की मिर्ची भी बिक जाती है।
5) जीत और हार आपकी सोच पर ही निर्भर हैं। मान लो तो हार होगी, ठान लो तो जीत होगी।
6) ''दर्पण'' जब चेहरे का ''दाग'' दिखाता है, तब हम ''दर्पण'' नहीं तोड़ते बल्कि ''दाग'' साफ करते है। उसी प्रकार ''कमी'' बताने वाले पर ''क्रोध'' करने की बजाय अपनी ''कमी'' को दूर करना श्रेष्ठ है।
7) कोई भी व्यक्ति हमारा मित्र या शत्रु बनकर संसार में नहीं आता। हमारा व्यवहार और शब्द ही लोगों को मित्र या शत्रु बनाते है।
8) अच्छे काम करते रहिये, चाहे लोग तारीफ करें या न करें। आधाी से ज्यादा दुनिया सोती रहती है। ''सूरज'' फिर भी उदय होता है, और रोशनी बाँटता है।
9) कुएँ में उतरने वाली बाल्टी यदि झुकती है तो, भरकर बाहर आती है। जीवन का भी यही गणित है, जो झुकता है, वो प्राप्त करता है।
10) ''रिश्ते'' और ''विश्वास'' दोनों ही मित्र है। ''रिश्ते'' रखों या न रखों, पर ''विश्वास'' जरूर रखना। जहाँ ''विश्वास'' होता है, रिश्ते अपने आप ही बन जाते हैं।
11) जीवन में कभी किसी से अपनी तुलना मत करो। आप जैसे हैं सर्वश्रेष्ठ हैं। ईश्वर की हर रचना अपने आप में सर्वोत्मम है, अद्भुत है।
12) दुनिया में सिर्फ दिल ही है जो बिना आराम किए काम करता है। इसलिए उसे खुश रखो। चाहे वो अपना हो या अपनों का।

–साभार

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल (म0प्र0) में सम्पन्न।

मा0 रामनरायन साहू पूर्व सांसद/राष्ट्रीय अध्यक्ष(भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा) के नेतृत्व व प्रेरणा से मध्य प्रदेश इकाई के तत्वधान में 'महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा पर केन्द्रित दो दिवसीय (17-18 सितम्बर, 2016) को राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल के होटल आर0के0 रेजीडेन्सी बैरागढ़ रोड लाल घटी में सम्पन्न हुआ।

देश के प्रधानमंत्री एवं साहू समाज में जन्में मा0 नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिन 17 सितम्बर,2016 के पुण्य अवसर पर महासभा के प्रथम सत्र का प्रारम्भ हुआ जिसकी अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष श्री उमेश नन्दलाल साहू ने की और संचालन श्री रमाशंकर तेली ने किया। कार्यक्रम के संयोजक म0प्र0 इकाई के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू रहे। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि मा0 जयंत मलैया वित्तमंत्री म0प्र0 सरकार रहे मा0 मलैया जी ने कहा कि - आज देश का माहौल बहुत खुशनुमा है क्योकि एक तरफ साहू समाज का राष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है और दूसरी तरफ देश का नेतृत्व करने वाले साहू समाज से आने वाले प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र का जन्म दिन पूरे देश में 'सेवा दिवस' के रूप मे मनाया जा रहा है विशेष अतिथि मा0 चन्द्रशेखर साहू चेयरमैन कैबिनेट मंत्री वित्त आयोग, छत्तीसगढ़ ने कहा कि आज साहू समाज के लिये गौरव की बात है कि इस देश का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी कर रहे है साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हमे बेटी व बेटा में फर्क नहीं करना चाहिए यें दोनो को एक समान समझ कर परवरिश व शिक्षा देनी चाहिए।

संस्था के मुख्य महामंत्री श्री गिरिजाशंकर गुप्ता ने कहा कि देश में चल रहे विभिन्न संगठनों को एक करने पर बल देना चाहिए। राजनैतिक सलाहकार पूर्व ए.डी.एम. श्री रामलखन गुप्ता ने अपने संबोधन में तेली समाज के गौरवशाली इतिहास पर रोशनी डाली। राष्ट्रीय प्रभारी श्री जितेन्द्र माथुर ने कहा कि यह संगठन कुशल नेतृत्व के परिणाम स्वरूप ऊचांईयाँ छू रहा है हमें इस सिलसिले को आगे बढ़ाना है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा पर विशेष बल देते हुए सविस्तार सम्बोधन दिया महिला अध्यक्ष श्रीमती मानसी साहू, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि समाज व घर में महिलाओं को उचित सहयोग व सम्मान मिले तो महिलाए हर क्षेत्र मे पुरूष वर्ग का सहयोग भी करेंगी और आगे भी बढ़ेगी। मा0 प्र0 महिला इकाई भी प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती राधा साहू ने कहा म0प्र0 संगठन में महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिये बहुत प्रयास हो रहे है म0प्र0 में कन्या भ्रूण हत्या सब से ज्यादा है। इसको दूर करने के लिए म0प्र0 सरकार द्वारा लाड़ली योजना चलाई प्रशंसनीय है राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री व0 जनार्दनन ने कहा कि दक्षिण भारतीय राज्यों में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा का विस्तार तेजी से हो रहा है इसे और आगे बढ़ाना है।

प्रथम सत्र् की अध्यक्षता कर रहे संस्था के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष श्री उमेश नन्दलाल साहू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की शुरूआत हमें अपने-अपने घरों से करना चाहिए क्योंकि आज अपने घरो में ही महिलाओं का शोषण हो रहा है और वे घरेलू हिंसा की शिकार हो रही हैं।

प्रथम सत्र की शुरूआत मुख्य अतिथि जयन्त मलैया जी विशेष अतिथि व राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर समाज की आराध्या मॉ कर्मा के चित्र पर माल्यापर्ण कर सुमधुर आरती भी की, कई सांस्कृतिक समूह द्वारा स्वागत गीत गाया गया। मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू मुख्य महामंत्री सतेन्द्र साहू, युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश साहू सिललन, राधा साहू आदि द्वारा अतिथियों को मंचासीन कराया गया और उन्हें पगड़ी पहनाकर व बुके देकर स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम में देश के 22 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों की प्रगति और अपनी बात रखी।

17 सितम्बर, 2016 की सांय 6 बजे से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी के जन्मोत्सव पर विशेष अतिथि मा0 चन्द्रशेखर साहू कैबिनेट मंत्री, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्री अरविन्द गांधी, रमाशंकर तेली प्रदेश महामंत्री संगठन, उ0प्र0, नरेन्द्र साहू प्रदेश अधयक्ष , म0प्र0, सतेन्द्र साहू, मुख्य महामंत्री, युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश साहू एवंम भरतशाह द्वारा केक काटा गया। साथ ही साथ इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के दुसरे दिन 18 सितम्बर,2016 को मुख्य अतिथि के रूप में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी के बड़े भाई श्री सोम भाई मोदी रहे विशेष अतिथि मा0 चन्द्रशेखर साहू व विलासपुर के सांसद

नूतन वर्ष 2017 की हार्दिक शुभकामनाएँ!

जै किशन साहू

पिता	:	स्व0 रामनाथ साहू
ग्रा0पो0	:	जलालाबाद - जनपद-गाजीपुर,उ0प्र0 पिन कोड- 275202
सम्पर्क	:	09415241047, 9670628496, 05495-233678 / 778 / 878 / 978
ई-मेल	:	jaikishansahu47@gmail.com
सरकार में पद	:	पूर्व उपाध्यक्ष व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोउद्योग बोर्ड
सलाहकार	:	व्यापार कर विभाग वाराणसी मण्डल, वर्ष-2005 से 2007 तक उ0प्र0 राज्य परिवहन निगम लि0, गाजीपुर, वर्ष-2004 से 2007 तक
सामाजिक कार्य	:	वरिष्ठ उपाध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा। पूर्व जिलाध्यक्ष- उ0प्र0 साहू राठौर चेतना समिति, गाजीपूर पूर्व प्रदेशअध्यक्ष- उ0प्र0 साहू राठौर चेतना समिति। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष- वैश्व एकता परिषद,उ0प्र0, वर्ष- 2001-2009 सभापति- साधन सहकारी समिति, रामपुर पतारी, जलालाबाद, गाजीपुर वर्ष - 2002-2008 तक सभापति- साधन सहकारी संघ देवा, दुल्लहपुर, गाजीपुर,उ0प्र0
सामाजिक सम्मान-	:	समाज वैभव- 12दिसम्बर, 1992, भोपाल,म0प्र0
	:	समाज रत्न- दिसम्बर, 1996, रायपुर, म0प्र0
	:	समाज रत्न- 2 अक्टूबर, 2009, वाराणसी, उ0प्र0
	:	समाज रत्न- 2005, हरदोई, उ0प्र0
	:	समाज रत्न- 2 अक्टूबर, 2014, वाराणसी, उ0प्र0
	:	समाज रत्न- 2015 कल्याण, मुम्बई, महाराष्ट्र
कार्यालय	:	शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ।

भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन लेकर पहुँचे मा0 राजनाथ सिंह मा0 केशव मौर्य मा0 कलराज मिश्र एवं उमा भारती।

समाज के साथियों के साथ परिवर्तन यात्रा का जोरदार स्वागत करते श्री रामनरायन साहू व अन्य पदाधिकारी महासभा।

भोपाल सम्मेलन में वरिष्ठ समाजसेवी श्री सोमभाई मोदी व समाज की विधायक श्रीमती पारूल साहू द्वारा शहीद दीपक साहू के माता–पिता को सम्मानित किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ वार्ता करते हुए डा0 वी.के. साहू मण्डल अध्यक्ष, कानपुर।

केन्द्रीय गृहमंत्री मा0 राजनाथ सिंह जी से वार्ता करते श्री राम नरायन साहू।

उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के साथ श्री जवाहर लाल साहू सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, उ0प्र0।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही के साथ विजय लक्ष्मी साहू व सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता।

केन्द्रीय मंत्री सुश्री साध्वी निरंजन ज्योति के साथ विजय लक्ष्मी साहू महिला प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।

मा0 लखन लाल साहू रहे। अध्यक्षता श्री उमेश नन्द लाल साहू रा0 कार्य0 अध्यक्ष ने की।

दूसरे दिन सत्र की शुरूआत मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

भक्त मॉ कर्मा बाई के चित्र पर माल्यार्पण व आरती कर किया गया। म0प्र0 इकाई के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू श्रीमती कल्पना साहू मुख्य महामंत्री श्री सतेन्द्र साहू युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश साहू, महिला अध्यक्ष राधा साहू आदि द्वारा पगड़ी शाल व बुके देकर मंचासीन अतिथियों को सम्मान किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्री अरविन्द गांधी,एडवोकेट ने 22 राज्यों से आये हुये प्रदेश अध्यक्षों, महामंत्रियों, प्रतिनिधियों को संगठन में, सक्रियता, संचालन और संगठन के अन्य नीतियों पर दिशा निर्देश दिये।

मुख्य अतिथि श्री सोमाभाई मोदी ने कहा कि पहली बार कोई सम्मेलन किसी उद्देश्य को निश्चित करके किया जा रहा है आज 'महिला सशक्तीकरण व शिक्षा' पर आयोजित कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होने अपने अनुज मा0 नरेन्द्र मोदी के बारे में बताया कि हम लोगों को लगता था कि वे अधिक से अधिक साधू या संत बनेगें, 17वर्ष की उम्र में वे संघ के सर्म्पक में आये लेकिन हमने कभी यह नहीं सोचा था कि वे देश के प्रधानमंत्री भी बनेगें। विशेष अतिथि मा0 चन्द्रशंखर साहू ने कहा कि हमे ऐसे कार्यक्रय बनाना चाहिये जिसमें युवा महिला व बच्चों का विकास हो यह संगठन वास्तव में अच्छा कार्यक्रम कर रहा है। बिलासपुर के सांसद मा0 लखन लाल साहू ने भारत सरकार की जन हितकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जो समाज के लोगों के लिये बहुत उपयोगी रहा। राष्ट्रीय, युवाध्यक्ष श्री मेवालाल साहू ने देश में बढ़ते युवा संगठन के बारे मे बताया और युवाओं में लिये उपयोगी कार्यक्रमों का चलाने की बात कही।

महिलाओं पर हो रहे हिसां को उठाये, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व म0प्र0 सागर की विधायक श्रीमती पारूल साहू ने समाज के सर्वागीण विकास के संबंध मे जोरदार चर्चा की और रूपरेखा बतायी। जिसको लोगों ने काफी सराहा अध्यक्षीय कार्यक्रम के अन्त में म0प्र0 इकाई द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी स्वाजातियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में म0प्र0 प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू की धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना साहू का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से केरल से केरंगानाथन, आन्धाप्रदेश से प्रवीण कुमार तेली, कर्नाटक से एस.मुर्गेस, तमिलनाडू से एस.गोकुल राज, असम से जयप्रकाश गुप्ता, मुम्बई से रतीलाल गुप्ता, एस.पी.गुप्ता, छत्तीसगढ़ से डा0 शोमनाथ, दिल्ली से महेश साहू, उत्तराखण्ड से ललित राठौर, दयाना गुप्ता, उ0प्र0 आशा गुप्ता, चन्द्रिका प्रसाद, गांधीी डी. सी. गुप्ता मोहनलाल गुप्ता, राजेश साहू रमाशंकर तेली, इन्द्रजीत साहू, कानपुर से साधना साहू, राम औतार साहू, श्री मनोज साहू, एडवोकेट, लखनऊ, श्री ध्रुव गुप्ता, देवरिया श्री हीरा लाल गुप्ता, लखनऊ, जगदीश साहू गुरूप्रसाद साहू झॉसी श्री गंगाप्रसाद साहू, फतेहपुर, जैनेन्द्र गुप्ता, लखनऊ सुश्री कंचन राठौर, सुश्री माया साहू, श्रीमती अर्चना साहू, सुनीता साहू, विन्देश्वरी साहू, सावित्री साहू, विजय पाल साहू, गुरूप्रसाद साहू, जगदीश साहू, जानकी प्रसाद साहू, गांधी सन्तोष साहू, नरेश साहू, शिव सागर साहू, सह-सम्पादक 'चेतना संदेश' आदि उपस्थित थे।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में इन्हें उत्तरदायित्व दिया गया :-

राष्ट्रीय युवाध्यक्ष श्रीमेवा लाल साहू को राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री निवासी ग्वालियर श्री सुनील कुमार साहू गुमान को युवा राष्ट्रीय युवाध्यक्ष (निवासी अमरावती) एवं राजेश साहू को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी निवासी, लखनऊ बनाया गया।

इन संकल्पों के साथ सम्मेलन का समापन-

1- समाज में महिलाओं को सशक्त व शिक्षित बनायेंगे।
2-संगठन का विस्तार बाकी के राज्यों में किया जायेगा।
3-बेरोजगारी, अशिक्षा,गरीबी, अज्ञानता, सामाजिक बुराईयों से लड़ने का संकल्प लिया गया।
4-संगठन की प्रगति के लिए वर्षगत के कार्यक्रम निश्चित किये जायेंगे।
5-प्रत्येक राज्य मे प्रान्तीय कार्यालय बनाया जायेगा।
6-पूरे देश में समाज को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाया जायेगा।
7- चिन्तन शिविर व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

अंत में इस सम्मेलन की अतिशय सफलता व शानदार व्यवस्थाओं के प्रति म0प्र0 के प्रान्तीय अध्यक्ष व उनकी सुन्दर टीम के प्रति हार्दिक धन्यवाद व आभार प्रकट करते हुये सौहार्द पूर्ण वातावरण में यह सम्मेलन चिरस्मरणीय रहेगा।

-अरविन्द गांधी
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन
मो0 9415813210

मा0 तै0 साहू राठौर जिन्दाबाद।
राम नरायन साहू जिन्दाबाद !

महात्मा गांधी अमर रहें !
साहू समाज जिन्दाबाद !

अरविन्द गांधी (एडवोकेट)

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

प्रदेश उपाध्यक्ष

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल उ.प्र.

प्रदेश संयोजक

जन सेवा केन्द्र एसोसिएशन, उ0प्र0

पूर्व सांसद प्रतिनिधि :

मा0 राम नरायन साहू जी

(पूर्व राज्यसभा सदस्य)

सदस्य : जिला उद्योग/व्यापार बन्धु बलिया

सदस्य : जिला पशुक्रूरता निवारण समिति, बलिया

सदस्य संरक्षक मण्डल : (चेतना संदेश, पत्रिका)

मो0 : 9415813210, 7524827700

कार्यालय : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ

E-mail : gandhiballia@gmail.com
E-mail: bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
facebook : Arvind Gandhi, ballia

कर्म ही पूजा है।

'खुदी' को बुलन्द करें

एक प्रसिद्ध शायर ने कहा है,' खुदी' को बुलन्द कर इतना कि खुदा खुद 'खुदी' से पूछे कि बोल तेरी रजा क्या है''?

स्वजाति की पत्र-पत्रिकाओं में अब तक पढ़ते रहे हैं वह एक बेतुकी बात जो बार-बार मन मस्तिष्क को झिंझोड़ती रहती है- वह यह है कि प्राय हम यह दोहराते हुए नहीं थकते कि दानवीर भामाशाह, दुर्गादास राठौर, जय शंकर प्रसाद, महात्मागाँधी आदि हमारे स्वजातीय रहे हैं। मैं इस विवाद में नहीं जाना चाह रहा कि वे हमारे है अन्यथा नहीं रहे हैं परन्तु इस कथन से हमें अब तक मिल क्या गया है? और आगे भी क्या मिल जाएगा? केवल जोमेट्री के फारमुले के अनुसार There fore Tringle is equivatent साबित कर देनें मात्र से हमारा कोई हित सधने वाला नहीं है। खुद ही इतने सशक्त एवं बुलन्द क्यों नहीं बनें कि अगले स्वंय ही हमसे नाता जोड़ कर गर्व महसूस करें। हम ही पिछलग्गू क्यों बनें?

परन्तु यह निश्चित है कि जब तक हमारी स्वयं की दृढ़ इच्छा शक्ति नहीं होगी, हम प्रगति नहीं कर सकते। स्व. किशोर साहू भी स्वाजातीय बताये जाते रहे हैं। यदि हम व श्री साहू स्वयं चाहते तो उनकी गुडविल (Good will) मात्र से वे हमारे समाज के लिये कई स्थाई सम्पदा खड़ी कर जाते है।

यह सही है कि भूतकाल से इतिहास बनता है परन्तु भविष्य में हम क्या होंगे, यह तो वर्तमान के आज के कार्यक्रमों पर ही निर्भर करता है। वर्तमान में हमारे समाज की स्थिति सभी तरह से पिछड़ी हुई है। वर्तमान ही सत्य है इसी सत्य को स्वीकारते हुए आगे बढ़ने के प्रयास करने होंगे।

मै यह तो नहीं कहूँगा कि स्वतंत्रता के बाद से हमने कोई प्रगति ही नहीं की है। परन्तु जो भी कुछ दृष्टिगोचर है, वह व्यक्ति विशेष की स्वयं की, उसके घर-परिवार की दृढ़ इच्छा शक्ति आदि के कारणों से है, स्वजाति का इसमें कोई योगदान नहीं है। यों भी, समय के साथ-साथ थोड़ा, बहुत परिवर्तन सभी ओर आता है व वही हुआ है परन्तु हमारे समाज का अग्रणीय, आदरणीय पंक्ति में स्थान बना हो, हमारी तूती बोलती हो, हम अन्य वर्गो के लिए नितान्त अपरिहार्य बन गये हों, ऐसा है नहीं। सत्य तो यह है कि हमारा समाज औसत स्तर तक की प्रगति नहीं कर पाया। बुलंदी पर पहुँचना तो बहुत दूर की बात है।

अतः हमें अपना यथोचित स्थान बनाना है, आदर से जीना हो तो लकीरें पीटने से कोई लाभ नहीं होगा। ''संघे शक्ति कलियुगे' के सूत्र के अनुसार हम संगठित शक्ति बनकर खड़े हों, शीर्ष पर बिराजें हमारे गिने चुने दिग्गजों के हाथ मजबूत करें। मंडल रिपोर्ट के माध्यम से शार्ट-कट अपनाकर शिक्षा, उच्च सेवाओं आदि में अपना स्थान सुरक्षित करें।

अब दूसरों की दया पर ही निर्भर रहने का जमाना लद जाना चाहिए। अतः अपनी वर्तमान समस्त कमियों को पहचान कर, दृढ इच्दा शक्ति से हम कुछ संकल्प लें।

हम ''खुदी को इतना बुलंद करें कि हम क्षेत्र कि हर क्षेत्र में हमसे पूछा जाये कि श्रीमान। आपकी मर्जी क्या है? रजा क्या है?

-मेवालाल साहू
राष्ट्रीय महामंत्री
मो0 08959136903

थोड़ा हँसले........

कैश हुआ खत्म

बैंक मैनेजर : कैश खत्म हो गया है। कल आना।

पप्पू : लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए।

मैनेजर : आप शांति से बात कीजिए।

पप्पू : ठीक है। बुलाओं शांति को। आज उसी से बात कर लूं।

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

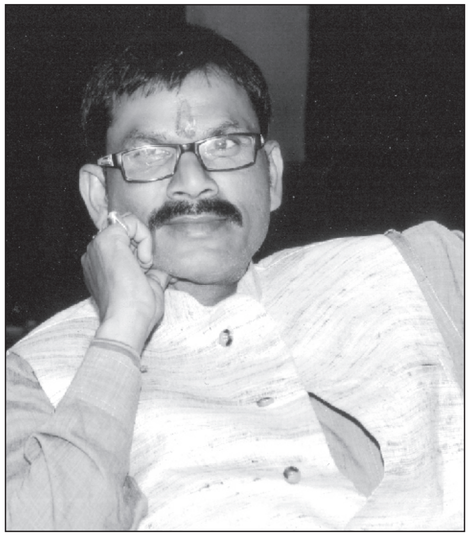

राजेश साहू

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

जिलाध्यक्ष

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ।

संयुक्त मंत्री

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ.प्र.

प्रचार मंत्री

आई.ई.टी. कर्मचारी एसोशिएशन

सीतापुर रोड, लखनऊ उ.प्र.

कार्यालय : बी-4, दारूलशफा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
मोबाइल : 9453973001

हमारा सामाजिक उत्थान

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, सामज से अलग उसका कोई अस्तित्व नहीं है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु समाज में रहता है। समाज के भय से मारा अनेक प्रचलित सामाजिक प्रथाओं का पालन करना पड़ता है। हमारे समाज में आज कुछ ऐसी कुरितियाँ प्रचलित हैं जो जीवन को विषाक्त बनायें हुये हैं। यह रीतियाँ समाज के बढ़ते चरण के साथ साथ वर्तमान परिस्थिति में मात्र हमारी प्रगति के लिये अवरोध स्वरूप हैं। इन्हीं सब कारणों से हमारा समाज पतनोन्मुख हैं। इन कुरीतियों का उन्मूलन करना हमारे जातीय जीवन की परमावश्यक समस्या है और भी अनेक समस्यायें समाज के सन्मुख निराकरण हेतु मुँह बाये खड़ी है। दहेज, तिलक, सगाई, विवाह आदि के अवसरों पर फिजूल खर्च, आडम्बर युक्त प्रदर्शन।

सामाजिक जागृति :- सामाजिक जागृति का अभाव भी हमारी एक महत्वपूर्ण समस्या है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति यह चाहता है कि समाज का उत्थान हो। समाज में इस प्रकार की व्यापक विचारधारा होने पर भी यह समझ में नहीं आता कि बैल पानी में कहाँ और क्यों बैठ जाता है। इसका एक ही उत्तर है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वार्थ का त्याग करना नही चाहता, लोगों की कथनी और करनी में अंतर होता है। समाज सुधार का उद्घोष करने वाले तो कई मिलते हैं जो भाषणों से लोगों को प्रभावित कर देते हैं। यही महानुभाव प्रसंग आने पर समाज सुधार के मार्ग से पीछे हट जाते हैं। न बन्धु-बान्धव का ख्याल है, न समाज का समाज हित की बात बहुत दूर रही। समाज में यदि सचमुच में सुधार एवं उसका उत्थान करना है तो हमें इस संकुचित मनोवृत्ति का त्याग कर आगे बढ़ना होगा। हमें ऐसे लोगों से समाज को सचेत करना होगा। संस्थाओं को चाहिये कि वर्तमान समय में समाज की कुरीतियों का उन्मूलन करने व समाज की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने तथा देश और समाज की बदली हुई परिस्थितियों के अनुरूप समाज के सर्वागीण विकास के लिये कुछ ठोस और रचनात्मक कार्य करें। समाज की महिलाओं एवं युवा पीढ़ी को सामाजिक क्षेत्र में आगे आने पर ही सफलता प्राप्त होगी। कार्यकर्त्ता ही संस्था के प्राण है। यदि समाज में निष्ठावान, कर्मठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता रहेंगे तो निश्चय ही समाज में जागरूकता आयेगी और समाज की हर समस्या हल करने में आसानी होगी।

दहेज प्रथा

हमारे समाज का सबसे बड़ी वर्तमान समस्या दहेज प्रथा है। लोगों की कथनी और करनी का अंतर देख कर दु:ख होता हैं चांदी के चंद सिक्कों के लिये लड़के वह लड़कियों के विवाह में मोल-तोल होता है। विवाह दो आत्माओं का मिलन है जिससे कि नये जीवन का सूत्रपात होता है इसे अर्थ लाभ का विषय कदापि नहीं बनाना चाहिये। वर्तमान समय में हमारे समाज में कन्या को सजीव प्राणी नहीं अपितु निर्जीव वस्तु समझा जाता है। जबकि भारतीय संस्कृति में स्त्रियों को पूज्य समझा जाता है। यदि वह कुछ कहें तो उसे निर्लज्ज कहा जाता है जब लड़की को लड़के पक्ष वाले देखने आते हैं उसे एक नहीं अपितु प्रदर्शनी में रखी हुई वस्तु समझते हैं। उस वक्त वे यह नहीं सोचते कि हमारे घर में भी लड़की है शायद वे ऐसा सोचना भी पाप समझते हैं। लड़का कैसा भी हो किन्तु लड़की सर्वगुण-सम्पन्न होनी चाहिये। साथ में दहेज भी अच्छा होना चाहिये। आज तो जिसे घर में जितना अधिक दहेज आता है। समाज में उसे उतना ही प्रतिष्ठित समझा जाता है। चाहे वह पैसा चोरी, घूसखोरी करके क्यों न लाया हुआ हो। जो खर्चीली शादियों के लिए कर्ज लेना और उसे चुका न सकना, मकान जेवर, बर्तन आदि बेचने पड़ते हैं। और भी अन्य अनेक प्रकार के कार्य करने पड़ते हैं। जिससे गरीब व मध्यम वर्ग बुरी तरह पिस जाता है। आज यदि किसी कन्या के पिता लड़के देखने जाते हैं तो सर्वप्रथम उनसे यही प्रश्न किया जाता है कि आप शादी पर कितना रूपया खर्च कर सकते है। किसी गरीब कन्या के पिता के 4-5 कन्या हो तो वह अपने को सृष्टि में सबसे दु:खी समझाता है क्योंकि एक गरीब पिता अपने सर्व गुण सम्पन्न सुपुत्री के लिये, सर्वगुणों से सम्पन्न लड़का यदि चाहे तो दहेज रूपी दानव उसके मार्ग में बाधक हो जाता है। क्या यह उचित है? आज यह प्रथा समाज के उत्थान में अभिशाप स्वरूप है। इस कुप्रथा के कारण अनमेल विवाह सम्पन्न होते हैं। अनेक कन्यायें अपने जीवन का अंत कर डालती हैं, समाज में नारी की यह दशा देख कर भी हमारे भाई सचेत नहीं होते। वे यह नहीं सोचते कि नारी त्याग की मूर्ति है वह कभी भी रण चण्डी का रूप भी धारण कर सकती है।

सीता सावित्री कुन्ती द्रोपदी सती गान्धारी की। भरत भूमि नाम की जननी शकुन्तला दुखियारी की।

किनकी-किनकी त्याग-तपस्या का इतिहास कहूँ तुमसे। तुम भूल गये पुरुषत्व- मोह में, कुछ सत्ता है नारी की।।

इन्द्रजीत साहू
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
मो. 9415440349

चरित्र बल के समान कोई बल नहीं है।

माँ गायत्री हास्पिटल

डा. वी.के.साहू

डा. योगेन्द्र साहू

मुकेश कु.साहू

माँ गायत्री हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

ISO 9001 : 2008 द्वारा प्रमाणित हास्पिटल

इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

माँ पार्वती डायग्नोस्टिक

उपलब्ध सेवायें

- अल्ट्रासाउन्ड, एक्सरे, पैथालॉजी, E.C.G. व समस्त प्रकार के टीकाकरण।
- शुगर, चेस्ट, पेट, लीवर, गुर्दे, पेशाब, ब्लड प्रेशर आदि का इलाज योग्य डाक्टरों द्वारा।
- आधुनिक विधियों द्वारा समस्त प्रकार के आपरेशन बिना चीरा टाँका दूरबीन विधि द्वारा एवं प्लास्टिक सर्जरी द्वारा ।
- महिलाओं से सम्बन्धित-प्रसव (डिलीवरी), बाँझपन, नसबन्दी, मल्टीलोड आदि की सुविधा व परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारियाँ।
- नवजात शिशुओं के लिये वारमर एवं फोटोथिरेपी (पीलिया कम करने की मशीन) की सुविधा उपलब्ध।

डा. वी. कुमार साहू कन्सलटैन्ट फिजीशियन (प्रबन्धक)

बी.-515 हंसपुरम, (एस.जे.इण्टर कालेज पुलिया), चन्दन धर्म काँटा के सामने,
हमीरपुर रोड, नौबस्ता, कानपुर-208027
सम्पर्क करें
हास्पिटल : 9838001016, फैक्स - 0512-2626127
मो.9839931015, 9235735427
ईमेल : maagayatrihospital515@gmail.com

राष्ट्र प्रेम

किसी भी राष्ट्रकी प्रगति या दुर्गति के लिए वहां निवास करने वाली जनता पूरी तरह उत्तरदायी होती है। कोई राष्ट्र तभी जनता पूरी तरह उत्तरदायी होती है। कोई भी राष्ट्र तभी खुशहाल और शक्तिशाली बन सकता है जब जनता के दिलों में अपने देश के प्रति प्रेम हो, क्योंकि अपने देश से प्रेम करने वाली, जनता राष्ट्रहित में हर त्याग के लिए हमेशा तैयार रहती है। यदि लोगों में राष्ट्र प्रेम की भावना का अभाव हो तो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता है, बल्कि देश में हमेशा अशांति फैलती रहेगी। ऐसे राष्ट्र में सुख-संपन्नता की कल्पना तक नहीं की जा सकती है। अपने देश में कानून-व्यवस्था का पालन नहीं करने वाला व्यक्ति राष्ट्रभक्त नहीं हो सकता। इसलिए हर व्यक्ति का पहला कर्तव्य राष्ट्रहित में पूर्ण निष्ठा रखना और हर हाल में उसका पालन करना है। कोई भी व्यक्ति राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकता है। हर व्यक्ति राष्ट्र के लिए होता है। राष्ट्र किसी व्यक्ति के लिए नहीं होता। हालंकि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी जनता से होती है। यानी जनता का चरित्र, राष्ट्र को रेखांकित करता है। जिस समाज में नफरत और वैमनस्य का बोलबाला होगा, विश्व में उस देश की छवि नकारात्मक ही होगी। इसके विपरीत जहां लोग आपसी मतभेदों को भुलाकर समानता और त्याग का भाव रखेंगे, उनके दश की छवि सकारात्मक होगी। राष्ट्र प्रेम का मूलमंत्र यही है कि समाज के हर व्यक्ति को समानता का भाव रखना चाहिए। कोई व्यक्ति अपने देश से कितना प्रेम करता है, इसे साबित करने के लिए जरूरी नहीं कि वह अपनी जान की कसम खाए।

जहां जनता के बीच जितना ज्यादा आपसी प्रेम होगा, वहां राष्ट्र प्रेम की भावना उतनी ज्यादा मजबूत और दृढ़ होगी। प्रेम के अभाव में मनुष्य का कोई अस्तित्व ही नहीं है और न ही आपसी प्रेम के बिना राष्ट्र प्रेम की कल्पना की जा सकती है। प्रेम ही वह चीज है, जो इंसान को इंसान से और पूरे देश को जोड़कर रखने में समर्थ है। स्वामी विवेकानंद कहते है कि जब पड़ोसी भूखा मरता हो, तब मंदिर में भोग चढ़ाना पुण्य नहीं, बल्कि पाप है। जब मनुष्य दुर्बल और क्षीण हो, तब हवन में घी जलाना अमानवीय कर्म है। वर्तमान में लोग मैं और मेरा के द्वंद्व में फंस गए है। कबीरदास कहते है कि जब तक हम दो होंगे, तब तक किसी तीसरे की गुंजाइश बनी रहेगी यानी घृणा, विद्वेष और सांप्रदायिकता की। व्यक्ति, समाज और देश सभी मामलों में कबीरदास की यह बात सत्य साबित होती है।

-राम औतार साहू
प्रदेश अध्यक्ष,उ0प्र0
मो. 9451236399

जीवन जीने की कला

(1) केवल सकारात्मक सोचें।
(2) धैर्य न छोड़ें।
(3) क्रोध न करें, हंसते रहे।
(4) बुरा न सोचें न करें।
(5) भोजन की निन्दा न करें।
(6) भूख से आंधी रोटी कम खॉये।
(7) अतिथि सत्कार करें।
(8) बदखर्ची व ऋण लेने से बचें।
(9) गाय, कुत्ता, बन्दर, मछली को भोजन दें। निर्धन को कुछ दें।
(10) मृत्यु व भगवान को हमेशा याद रखें।

ऑख त्रिफला दॉतन नौन
चौथाई छोड़कर खावे पौन।
कोस एक भर झाड़ा जाय,
तासो बैद कहॉ ले खाय।।

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

विजय लक्ष्मी साहू

महिला प्रदेश अध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य : भारतीय जनता पार्टी, उ0प्र0
निवास- सिविल लाईन्स 739, लक्ष्मी कालोनी, जिला अधिकारी आवास के सामने, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
मो0 : 7309155011, 9125760003
e-mail : vijaylaxmisahu95@gmail.com

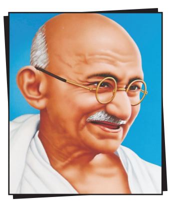

ALL INDIA O.B.C.'S RAILWAY EMPLOYEES ASSOCIATION

North Zone, Workshop Division, Northern Railway
Recognised by : Ministry of Railways, Govt. of India
Affiliated with- All India Other Backward Classes Railway Employees Federation

Finance Secretary :
Sahu Rathore Jankalyan
Samiti

HIRA LAL GUPTA
Ex. Div. Secretary
568K/67, Krishna Palli
Alambagh, Lucknow-226005
Mobile : 09415464619

साहू समाज के संगठनों में युवा और नारी शक्ति को आगे बढ़ायें

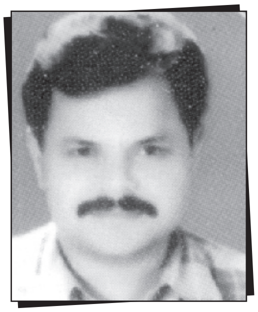

यूवाओं की भागीदारी हमारे संगठनों में जरूर होनी चाहिए। आज समाज एवं देश की निगाहें युवावर्ग की ओर टिकी हुई है युवाओं को सच्ची लगन, कर्मठता, उमंग और त्याग की भावना से समाज-सेवा में जुटने की उत्कंठा होती है। जरूरत है उनकी ऊर्जा पूर्व उत्साह को सही प्रकार से उपयोग करने तथा सही दिशा देने की। आज कुछ हमारे युवा फैशन, फिल्म व फिजूल खर्ची व नशा की ओर उन्मुख है। उन्हें सही मार्ग दिखाने की जरूरत है। युवाओं की बहुत बड़ी संख्या है। मेरा अभिप्राय 15 से 35 वर्ष के युवाओं से है। जिनकी संख्या वर्तमान में कुल आबादी का लगभग 45 प्रतिशत है।

हमारे तैलिक समाज का युवा वर्ग बहुत परम्परावादी रूढ़िगत-पारिवारिक संस्कार व दबाव से ग्रासित है। पार्टियों व संस्थाओं में भाई-भतीजावाद व क्षेत्रवाद, राजनीतिक एवं धार्मिक नेताओं के द्वारा अपने स्वार्थ-पूर्ति में उनका दुरुपयोग होने के कारण युवावर्ग कुंठित है। अतएव उन्हें भागीदारी देकर सही दिग्दर्शन प्रदान करने की बहुत आवश्यकता है ताकि वे भ्रमित न रहें। वे बेरोजगारी से भी परेशान हैं। उन्हें उचित प्रशिक्षण की जरूरत है।

बुजुर्ग प्रबुद्ध लोग युवाओं को जागृत करें और उन्हें आगे बढ़ाकर जिम्मेदारी सौंपे। सामाजिक कुप्रथाओं और अंधविश्वासों को दूर करने की दिशा में वे बड़े कारण साबित ह ोंगे तथा सामाजिक परिवर्तन का द्वार खोलेंगे। सामाजिक परिवर्तन से भी हमारा समाज आगे बढ़ेगा तथा राजनीतिक व आर्थिक उत्थान स्वत: होगा। हमारे लोगों की मानसिकता पिछड़ी और दकियानूसी है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र और मध्यम व निचले स्तर पर। उनकी मानसिकता में बदलाव करने की महती जरूरत है। युवक व युवतियॉ टोली बनाकर तथा घर-घर जाकर इसे कारगर ढंग से कर सकती है।

नारी परिवार एवं समाज को सुसंस्कृत करती है और समृद्धि लाने में सहायक होती है। हमारी आजादी में लगभग आधी संख्या महिला वर्ग की है और वे उपेक्षित है। पिछड़े वर्ग की महिलाएं अधिकांश अशिक्षित, अंध-विश्वासी एवं मूढ़- दकियानुसी मान्यताओं और पर्दा-घूँघट प्रथा से ग्रासित है। इसके लिए जिम्मेदार अधिकांश पुरुष वर्ग हैं। पुरुषों को चाहिए कि अपने परिवार की लड़कियों को आगे लाये व सभा-सम्मेलनों व मेला-उत्सवों मे महिलाओं को अपने साथ अवश्य ले जायें। घर की चूल्हा चक्की व पर्दा-प्रथा से बाहर उनकों निकालें। तभी उनकी हीनभावनाएं एवं झिझक दूर होगी।

पंचायत व स्थानीय निकायों में प्रतिनिधित्व हेतु महिलाओं का आरक्षण 33 प्रतिशत लागू है जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर देने का निर्णय पहिले ही केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने ले लिया है। इसी प्रकार पूरी संभावना है कि संसद और विधानसभाओं में भी 33 प्रतिशत का आरक्षण भविष्य में इन्हें मिल जायेगा। हमें सोचना है कि क्या हमारे परिवारों की महिलाएँ इसका लाभ ले पायेंगी अथवा उन्हें हम केवल घर-चूल्हे और घूँघट-पर्दा तक ही सीमित रखना चाहते है। हमारी महिलाएँ अग्रसरित होंगी तो हमारा परिवार भी प्रगतिशील होगा। इससे पूरे समाज का उत्थान होगा। हमारे जातीय संगठनों को इस ओर ध्यान देना होगा।

महिला मंडल बनाकर संस्थाओं के पदाधिकारियों का कर्त्तव्य है कि नारी-शक्ति के पहिचानें और उन्हें प्रगति-पथ लाने का कारगर उपाय करें।

महिला मंडल बनायें। सिर्फ भाषणों से काम नहीं चलने वाला है। मेरी राय है कि महिला मंडलों के गठन वरीयता के आधार पर आंदोलन चलाकर किया जाये। शिक्षित, अर्द्धशिक्षित, अध्यापिकाओं, महिलाओं व अन्य जागरूक नारियों को संगठित करके शहरों के प्रत्येक वार्ड/प्रत्येक ग्राम सभा स्तर पर महिला मंडलों का गठन होना चाहिए। इस कार्य में हम सबको महिला व पुरुष दोनों को जुटना है, तभी कुछ दिनों के बाद लाभ मिल पायेगा। महिला मंडल संगठन समाज में शिक्षा-प्रसार, कुरीति-उन्मूलन तथा दहेज विरोधी कार्यक्रम को भी चलायें। सरकारी योजनाएँ ऑगनबाड़ी शिक्षा संबंधी इत्यादि में भाग लेवें तथा योजनाओं का लाभ उठायें तथा प्रसार भी करें।

इस महिला-जागृति आंदोलन में पुरुषों के साथ-साथ सुयोग्य और सेवाभावी महिलाओं को भी आगे स्वयं आना होगा। दहेज प्रथा समाज का कलंक है। खर्चीली, आडंबरपूर्ण, फिजूलखर्ची वाली विवाह-शादियों पर रोक होना चाहिए। इसका एक सशक्त माध्यम सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का प्रचलन करना चाहिए। महिला मंडल इस ओर कारगर हो सकते है।

-नरेन्द्र कुमार साहू
प्रदेश अध्यक्ष,म.प्र.
मो0 9425254542

हिमालय की तरह दृढ़ होकर अपनी रूकावटों को काटो।

Amar Prem Group
GROW WITH US

Vishal Gupta
Mobile :
+91 8005454000
+917071549200

Shubham Gupta
लखनऊ नगर महामंत्री-भा०तै०सा०रा०म०
Mobile :
+91 9389209876
+91 9452587555

Concern Firm
(i) Shre Amar Ayurved Ashram (ii) Amar Prem Herbal
(iii)Gupta Store (iv) Tirupati Infra Developers

Address :
110/140 Naya Goan Near tuti Masjid, new Medicine Market
e-mail : amarpremgrouplucknow@gmai.com

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

Expert in
- Magazine Printing
- Book Printing
- Box Making
- Showroom Branding
- Shop Branding
- Catalogs Making
- Paper & Polly
- Pouch Making

A DIVISION OF FV GROUPS
fv ADVERTISING
Future Vision Design

Flat No. 102, 1st Floor, Trinity Apartment, Lalbagh,
Lucknow, U.P. (India) Pin-2260 01
Phone : # +91 0522 4043571, +91 9839075611
website : www.fvgroups.com, e-mail : fvadvt92@gmail.com

Expert in
- Outdoor Printing
- Indoor Printing
- Big Box Making
- Company Promotion
- Business Startup
- Bill Book & LH
- News Paper Print
- Bulletin Printing

मन को उदास मत करो सदैव प्रसन्न्त मुख रहो हस मुख रहो।

एक शिक्षित बालिका एक शिक्षित समाज

समाज और देश में महिला शिक्षा देश से सामाजिक और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक महिला को शिक्षित करना उसके जीवन के साथ ही उसके पूरे परिवार की गुणवत्ता को बढ़ाता है। यदि एक महिला शिक्षित होती है तो वह निश्चित रूप से अपने बच्चों और विशेष रूप से एक बालिका की शिक्षा का समर्थन करेगी और अपने बच्चों को बेहतर मार्ग दर्शन प्रदान करेगी। महिलाओं के लिए शिक्षा महिला स:शक्तिकरण हेतु अत्यन्त आवश्यक है।

भारत में समाज के हर वर्ग में महिलाओं की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण सर्वदा पक्षपातपूर्ण रहा है। इस पक्षपात के लिए जिस तथ्य को हमेशा जिम्मेदार ठहराया गया वह यह है कि भारतीय समाज में जब एक महिला की शादी हो जाती है तो परिवार के दायित्व जैसे खाना पकाना व पारम्परिक कर्तव्य निभाने में ही उसका जीवन व्यतीत होता है। नतीजन समाज औपचारिक शिक्षा की तुलना में घर प्रशिक्षण को अधिक महत्वपूर्ण समझता है।

यदि आज एक विवाह योग्य कन्या से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सर्वगुण सम्पन्न हो तो समाज के लिए उस कन्या का शिक्षित होने का गुण अपेक्षित क्यों नहीं है?

बिना शिक्षा के कोई कन्या कैसे 21वीं सदी में सर्वगुण सम्पन्न हो सकती है।

महिला अपने जीवन में 3 मुख्य भूमिकाएं निभाती है। पहली बेटी, दूसरी पत्नी और तीसरी मॉ के रूप में, सही शिक्षा ही एक महिला को सिखाती है कि एक अच्छी बेटी, पत्नी और मॉ बनने के लिए उसे क्या करना चाहिए, 21वीं सदी में महिला केवल शिक्षित होकर ही आदर्श नारी बन सकती है।

पुरूष और महिलाएं दोनों ही समान रूप से समाज को मूल तत्व है और दोनों को ही समान रूप से समाज की प्रगति व विकास के लिए योगदान करना चाहिए। अधिकतर लोगों को समाज में पुरूषों का योगदान महिलाओं की तुलना में अधिक लगता है लेकिन अब महिलाऍ भी समाज के हर क्षेत्र में बराबर जिम्मेदारी साक्षा कर रही है, इसलिए महिलाओं की शिक्षा की समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

शिक्षा महिलाओं को कानूनी अधिकारों को जानने में उनकी सहायता करती है और उनके आत्मविश्वास के स्तर को भी बढ़ाती है एक शिक्षित और एक अनपढ़ महिला में आप एक अन्तर स्पष्ट रूप से देख सकते है और वह है उनका 'मानसिक दृष्टिकोण' एक अनपढ़ महिला हमेशा रूढ़िवादिता और अंधविश्वास के विचारों से ही घिरी रहती है जबकि शिक्षा से महिलाओं में सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमताओं का विकास होता है।

आज 21वीं सदी में हम सभी विलासितापूर्ण जीवन जीने की आशा करते है, एक सामान्य व्यक्ति भी अपने रहन सहन का स्तर बढ़ाना चाहता है, यह विलासितापूर्ण जीवन विज्ञान की असीम उपलब्धि है। विज्ञान के नए नए अविष्कारों की मदद से ही हम आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर पा रहे है। हर दिन कुछ न कुछ नया है बेहतर अविष्कार होता जा रहा है। इन उपकरणों का सही उपयोग करने के लिए उनके बारे में सही जानकारी का होना अत्यन्त आवश्यक है और परिवार में एक अशिक्षित महिला उनका सही उपयोग कभी नहीं कर सकती केवल एक शिक्षित महिला ही इन्हें समझ सकती है और उनका सही उपयोग कर सकती है।

महिलाओं को शिक्षा में गुणवत्ता के साथ-साथ अनुभव भी मिलता है एक शिक्षित भारतीय महिला देश और समाज दोनों की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक योगदान कर सकती है।

-मोहनलाल गुप्ता
राष्ट्रीय सचिव
मो0 9415576867

स्वार्थ मानवों को गुमराह कर देता है।

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की सतत् समृद्धि एवम्मजबूती के लिए नूतन वर्ष 2017 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

राम औतार साहू

प्रदेश अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उत्तर प्रदेश

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ,उ0प्र0 पिन– 226 001

निवास–साहू एण्ड सन्स मेला मैदान, लखीमपुर खीरी,उ.प्र. पिन – 262701

मोबाइल : 9451236399

ऊँ साँई राम

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

एस.आर.गुप्ता
B.Pharma

साँई कृपा फार्मेसी

(अंग्रेजी दवाखाना)

उतरठिया बाजार, निकट यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया,रायबरेली रोड, लखनऊ

हमारे यहाँ सभी प्रकार की दवायें उचित मूल्य पर मिलती हैं।

मोबाइल : 9307820643

मनुष्य की कीमत

लोहे की दुकान में अपने पिता के साथ काम कर रहे एक बालक ने अचानक ही अपने पिता से पूंछा- ''पिताजी इस दुनिया में मनुष्य की क्या कीमत होती है?''

पिताजी एक छोटे से बच्चे से ऐसा गंभीर सवाल सुन कर हैरान रह गये।

फिर वे बोले, 'बेटे एक मनुष्य की कीमत आंकना बहुत मुश्किल है, वो तो अनमोल है''

बालक- क्या सभी उतना ही कीमती और महत्वपूर्ण हैं?

पिताजी- हाँ बेटे।

बालक कुछ समझा नही उसने फिर सवाल किया- तो फिर इस दुनिया में कोई गरीब तो कोई अमीर क्यों हैं? किसी की कम रिस्पेक्ट तो किसी की ज्यादा क्यों होती हैं?

सवाल सुनकर पिताजी कुछ देर तक शांत रहे और फिर बालक से स्टोर रूम में पड़ा एक लोहे का रॉड लाने को कहा।

रॉड लाते ही पिताजी ने पुछाः ''इसकी क्या कीमत होगी?''

बालक- 200 रूपये।

पिताजी - अगर मैं इसके बहुत से छोटे-छोटे कील बना दू तो इसकी क्या कीमत हो जायेगी?

बालक कुछ देर सोच कर बोला- तब तो ये और महंगा बिकेगा लगभी 1000 रूपये का।

पिताजी- अगर मैं इस लोहे से घड़ी के बहुत सारे स्प्रिंग बना दूँ तो?

बालक कुछ देर गणना करता रहा और फिर एकदम से उत्साहित होकर बोला, ''तब तो इसकी कीमत बहुत ज्यादा हो जायेगी।''

फिर पिताजी उसे समझाते हुए बोले- ''ठीक इसी तरह मनुष्य की कीमत इसमें नही है कि अभी वो क्या है, बल्कि इसमें है कि वो अपने आप को क्या बना सकता है।''

बालक अपने पिता की बात समझ चुका था।

मित्रों अक्सर हम अपनी सही कीमत आंकने में गलती कर देते है। हम अपनी वर्तमान स्थिति को देखकर अपने आप को मूल्यहीन समझने लगते है। लेकिन हममे हमेशा अथाह शक्ति होती है। हमारा जीवन हमेशा सम्भावनाओं से भरा होता है। हमारी जीवन में कई बार स्थितियॉ अच्छी नहीं होती है, पर इससे हमारा मूल्य कम नहीं होता है। मनुष्य के रूप मे हमारा जन्म इस दुनिया में हुआ है इसका मतलब है हम बहुत खास और महत्वपूर्ण हैं। हमें हमेशा अपने आप को विकसित करते रहना चाहिये और अपनी सही कीमत प्राप्त करने की दिशा में बढ़ते रहना चाहिये।

-मनोज साहू, एडवोकेट
राष्ट्रीय परामर्शदाता
मो0. 9450750386

योग्य वर-वधू के लिए सम्पर्क करें

साहू वी० पी० जायसवाल
एच० एस० 1/48, सेक्टर-ए
सीतापुर रोड स्कीम, लखनऊ
Mobile : 9415765495, 09005178541
E-mail : sahumatrimonial@rediffmail.com

स्नेही शिव शंकर गुप्ता
बी-2122, इन्दिरा नगर, लखनऊ
Mobile : 9450219446
E-mail : admin@sahuvaish.matrimonial.org

जय मानवता ! जय भारत ! जय समानता !

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

परिवर्तन समाज पार्टी

नन्द किशोर साहू

राष्ट्रीय अध्यक्ष

आफिस : गैडे वाली सड़क, लश्कर, ग्वालियर-474001 (म.प्र.)

निवास : सेवा नगर, ग्वालियर-474003 (म.प्र.)

दूरभाष : 0751-4012619, 09827394664

ई-मेल : parivartansamajparty@gmail.com, nksahuesp@gmail.com

साहू रमेश कुमार गुप्ता

राष्ट्रीय सचिव, उ.प्र. प्रभारी- परिवर्तन समाज पार्टी

प्रदेश अध्यक्ष- सर्वतैलिक महासभा

कार्यालय : 128/815, (3) 'के' ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर

दूरभाष : 9415723034

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

मनोज साहू

एडवोकेट, हाईकोर्ट, लखनऊ

राष्ट्रीय सलाहकार

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

मुफ्त कानूनी सलाह हेतु सम्पर्क करें।

निवास/कार्यालय : 4/892 विकास नगर, लखनऊ

मोबाइल : 09450750386

नारी शक्ति

रामचरितमानस के बालकांड में परमब्रह्म के अवतार लेने के कारणों का वर्णन गोस्वामी तुलसीदस ने किया है। अवतार लेने की घोषणा के साथ उन्होंने बताया कि परबह्म अपनी शक्ति के साथ आएंगे। सीताजी शक्ति के रूप में आई। उन्हें पृथ्वी पुत्री भी कहा गया है। यानी सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने भी स्त्रि को शक्ति माना।

सीताजी को संकेतात्मक रूप में पृथ्वी पुत्री मानने से स्त्री पृथ्वी की श्रेणी में भी आकर और श्रेष्ठ बन जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि जन्म केवल स्त्री और पृथ्वी ही दे सकती है। इसके अलावा शक्ति बुलाए जाने का सबसे बड़ा कारण है कि स्त्री भावनाओं का अथाह सागर होती है। संसार में हर प्रकार की शक्ति से श्रेष्ठ भावना की शक्ति होती है। वात्सल्य और प्रेम की भावना से जहां वह एक संपूर्ण मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करती है वहीं पर क्रोध और ग्लानि के कारण विनाश का कारण भी बनती है। शिवाजी को छत्रपति बनाने में उनकी माता जीजाबाई का जहां हाथ है, वहीं द्रोपदी को महाभारत काल के भयंकर विनाश का कारण बताया जाता है। जिस प्रकार अच्छी मिट्टी में अच्छी फसल पैदा होती है, उसी प्रकार स्वस्थ, आत्मसम्मान और श्रृद्धा से परिपूर्ण स्त्री वीर, बद्धिमान, आज्ञाकारी और सशक्त संतानों को जन्म देती है। वहीं जहां पर भी स्त्री को अपमानित और लच्जित किया जाता है, वहां पर आत्मविश्वास में कमी, मानसिक व्याधियों व कमजोर संताने उत्पन्न होती है।

इतिहास इस बात का साक्षी है। भारत के शास्त्र और संस्कृति उपरोक्त विवेचना से परिपूर्ण है, परन्तु फिर भी पथभ्रष्ट होकर आज स्त्री को अपमानित और असहाय महसूस कराने के लिए तरह-तरह की हिंसा देखने को मिल रही है। इन सबका मुख्य कारण है- भौतिकता की दौड में समाज के नैतिक मूल्यों और मानवता का पतन। इस कारण आज का मानव दूरदर्शी और शीलवान होने के स्थान पर आज को भोगना चाहता है। इस सबके कारण स्त्री अपमानित, असहाय और ग्लानि के कारण नकारात्मक भावनाओं से भरकर उसी प्रकार की भावनाएं समाज को लौटा रहीं है। इसी का नतीजा है कि नई पीढ़ी में हिंसक व मानसिक अवसाद की प्रतृत्ति बढ़ रही है। इस सबकों समझने के बाद क्या भारतीय समाज को आत्मचिंतन करके अपनी शक्ति को उचति स्थान नहीं देना चाहिए।

-विजय लक्ष्मी साहू
माहिला प्रदेश अध्यक्ष,उ.प्र.
मो. 7309155011

विनम्र निवेदन

समाज के लिए पूर्णत: समर्पित पत्रिका चेतना संदेश में प्रकाशनार्थ साहित्य की सभी विधाओं की श्रेष्ठ एवम् अप्रकाशित रचनाए आमंत्रित हैं।

1. रचना साफ-साफ हस्तालिखित हो टाइप की हुई हो। रचना के अन्त मे पूरा पता व हस्ताक्षर होना आवश्यक है।
2. प्रकाशित रचनाओं मे किसी भी प्रकार का मानदेय पराश्रमिक देना सम्भव नहीं है।
3. अपने क्षेत्र में होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की सचित्र रिपोर्ट भी भेजे हम उन्हें सहर्ष स्वागत करते है।
4. पत्रिका आपसे सभी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा रखती है आप स्वयं एवं समाज प्रेमी बंधुओं, एवं सम्बंधित संस्थाओं को इसके सहयोग के लिए प्रेरित करें।
5. रचना का स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सम्पादक मण्डल की बैठक में किया जायेगा।
6. प्रकाशित रचना मे रचनाकार के स्वयं के विचार हो इसमें सम्पादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं हो।
7. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जनपद लखनऊ (उ.प्र.) होगा।

-संपादक

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

रमाशंकर तेली, एडवोकेट

सम्पादक- चेतना संदेश पत्रिका

प्रदेश युवा कार्यवाहक अध्यक्ष - भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0

प्रोपराइटर- एस.एस. प्रिंटिंग वर्ल्ड, लखनऊ

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ

दूरभाष : +91 9451403835

ई-मेल : ramashanker2010@rediffmail.com,
ramashanker15980@gmail.com

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

साउथ सिटी हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

दक्षिण क्षेत्र का एक मात्र समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण हास्पिटल

डा० हिमांशु साहू
एम.पी.टी. (आर्थो.) वी.सी.पी. (मुम्बई)
पूर्व जयपुर गोल्डेन हास्पिटल, नई दिल्ली

डा० प्रिया साहू
बी.ए.एम.एस.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

हेल्पलाइन : 7618971915, 9473864426

सुविधाएँ- ÷ सभी प्रकार के ऑपरेश (जनरल ऑपरेश, हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा, स्त्री रोग, नाक, कान एवं गला के ऑपरेशन) की सुविधा।
÷ नार्मल डिलेवरी एवं ऑपरेशन द्वारा प्रसव सुविधा।, ÷ पित्त की थैली व पथरी के ऑपरेशन दुरबीन विधि द्वारा।
÷ बिना चीरा, बिना टांका बच्चेदानी का ऑपरेशन ÷ 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा व भर्ती की सुविधा।
÷ समस्त उपचार वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाता है। ÷ समस्त इलाज रियातयती दर पर किये जाते है।

X Ray एवं पैथोलॉजी सुविधा उपलब्ध

7डी,-1 जरौली फेस-1, 80 फिट कर्रही मेन रोड (निकट पानी की टंकी), कानपुर

उत्तम तीर्थ क्या है। अपना निर्मल मन ही परम तीर्थ है।

भारत वर्ष के समस्त तैलिक, साहू, राठौर
समाज बंधुओं को नव वर्ष 2017 की
हार्दिक शुभकामनाएं

जवाहरलाल साहू
साहित्य रत्न

श्रीमती मंजू साहू
बी.ए.

पीयूष गुप्ता
(बी.कॉम., एम.बी.ए.)
मैनेजर एस्सार ग्रुप
वोडाफोन

श्रीमती नेहा गुप्ता
बी.सी.ए.,एम.बी.ए.
सहायक मैनेजर
टेक महिन्द्रा

कु0 आकांक्षा साहू
बी.टेक., एम.बी.ए.
सहायक मैनेजर
बैंक ऑफ बड़ौदा

कु.आस्था साहू
ए.एस.एफ.टी.
एमिटी यूनिवर्सिटी
फैशन डिज़ाइनिंग

जवाहरलाल साहू- सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन

सदस्य–उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग
पूर्व प्रदेश महासचिव–समाजवादी पार्टी, उत्तर प्रदेश
पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष– समाजवादी पार्टी, व्यापार सभा, उत्तर प्रदेश
पूर्व प्रभारी– लोक सभा क्षेत्र–बहराइच
आजीवन सदस्य– समाजवादी बुलेटिन, पत्रिका
आजीवन सदस्य– अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा
आजीवन सदस्य– उत्तर प्रदेश तैलिक साहू, महासभा
आजीवन सदस्य– स्नेही क्लब इण्टरनेशनल
पूर्व प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष– उ.प्र. साहू राठौर चेतना समिति
राष्ट्रीय सलाहकार– भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
सदस्य– साहू समाज धर्मशाला समिति, जौनपुर
मोबाइल : 9305408981, 9580502732

रामनरायन साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

17 व 18 सितम्बर, 2016 को राष्ट्रीय सम्मेलन, भोपाल ,म.प्र. की झलकियाँ

नरेन्द्र साहू
प्रदेश अध्यक्ष,म.प्र.

साहू राठौर महासभा

भारतीय तैलिक

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

सभी समाज बन्धुओं को नव वर्ष मकरसंक्रांति एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

मोहन लाल गुप्ता

राष्ट्रीय सचिव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

अनुज गुप्ता

छात्र एवं कार्यकर्ता :
भारतीय जनता पार्टी, युवा मोर्चा

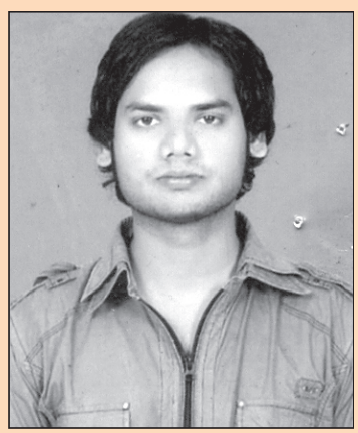

कार्यालय. - शुभम सिनेमा बिल्डिंग, कैण्ट रोड, कैसरबाग,लखनऊ,उ.प्र.
निवास - 4/862 विकासनगर, लखनऊ। मो0 9415576867

कहाँ राजा भोज कहाँ विजेता गांगेय देव

महाराजा गांगेय देव द्वारा निर्मित तेली का मन्दिर ग्वालियर

प्राचीन काल से लेकर आज तक तैलिक समाज के लोगों ने सम्मान का जीवन जिया है सम्मान, मेहनत व वफादारी की रोटी खायी है। किसी भी युग में, किसी भी ग्रन्थ में, किसी भी वेद में इस समाज के अपमान के प्रमाण नहीं है हमेशा सभी युगों में समाज के लोगों को सम्मानित जीते दर्शाया गया है। किसी भी समय के इतिहास में इस समाज को हीन भावना से नहीं देखा गया, पिछड़ी जातियों में यह जाति हमेशा मेहनती, स्वाभिमानी एवं सम्पन्न रही है इस समाज के विश्वपुरूष महात्मा गांधी ने देश आजाद कराया तथा नरेन्द्र मोदी ने विश्व को, सच्चाई, ईमानदारी, मेहनत व निष्ठा से देश पर राज करना सिखवाया, विश्व में भारत की एक तरक्की शुदा देशा की पहचान स्थापित की है। लेकिन एक जनश्रुति कहां राजा भोज कहा गंगू तेली जब सुनने का मिलती है तो आत्मा पर प्रतिघात होता है। हृदय पर यह श्रुति तीर की तरह चुभती है इसी की सच्चाई का हम उल्लेख कर समाज के बन्धुओं को अवगत करा रहें है।

इतिहास से ज्ञात होता है कि राजा भोज धार-मालवा के राजा थे जो कि लगभग विक्रम संवत 1057 में मालवा के शासक बने वह वीर सहासी थे बड़े क्षेत्र के राजा होने के साथ-2 उनके पास विशाल सेना थी राजा भोज के समय में कई तैलिक राजा थे उजजायिनी के तैलिक राजा चालुक्य महाराज तैल देव भी थे जो अपने समय के प्रतापी राजा थे लेकिन इनकी रियासत छोटी थी व सेना की टुकड़ी भी छोटी थी। इनके राज पर राजाभोज ने आक्रमण कर इनका वध कर दिया तथा राजा अपने राज में मिला लिया। उसी समय नंदीपुर नंदेह के राजा महाराज योगीराज गांगेय देव थे, तैल चालुक्य महाराज तैलदेव योगी राज गांगेय देव के रिश्ते में फूफा थे गांगेय देव की बुआ जो भोपाल से 80 किमी की दूरी पर घार क्षेत्र में अक्का देवी का महाराज तैल देव से विवाह हुआ था।

युद्ध मे पति को खोने के बाद अक्का देवी ने राजा भोज पर आक्रमण करने की योजना तैयार की तथा अपने भतीजे गांगेय देव से मदद मांगी गांगेय देव के पास छोटी सेना थी लेकिन स्वयं योगीराज गांगेय देव वीर साहसी, निडर राजा थे अपने छोटी सेना को लेकर गांगेय देव ने महाराजा तैल देव की हत्या के बदले हेतु धार-मलवा के राजा भोज पर आक्रमण कर दिया, भीषण युद्ध हुआ गांगेय देव की छोटी सेना पर राजा भोज की विशाल सेना टूट पड़ी लेकिन गांगेय देव के नेतृत्व में इनकी बहादुर सेना ने राजा भोज को युद्ध में परास्त कर दिया तथा भोज ,द्वारा जीता हुआ राज्य अवन्तिका गांगेय देव ने जीतकर अपनी बुआ अक्का देवी को वापस कर दिया। इसके उपरान्त राजा गांगेय द्वारा युद्ध में प्रयोग की गई लोहे की बड़ी शिलायें वहीं छोड़ दी जो कि प्रमाण स्वरूप आज भी वहीं घार मे पड़ी मौजूद है।

तत्पश्चात राजा भोज ने बदला लेने हेतु राजा गांगेय देव पर दो और आक्रमण किये किन्तु प्रत्येक युद्ध में राजा भोज को हार का सामना करना पड़ा। अन्तिम व तीसरे युद्ध में राजा गांगेय देव बारह माह तक सीमा पर डटे रहे किन्तु राजा भोज लौट कर नहीं आया। इस जीत के उपलक्ष्य में गांगेय देव ने धार मालवा में अष्टधातु का विजय स्तम्भ बनाया उसे दीप स्तंभ भी कहते है। राजा भोज की प्रतिज्ञा में गांगेय देव ने गांगेय लाट भवन (महल) मालवा में बनवाया। अक्का देवी ने लाट भवन (महल) में दुर्गा पूजा करायी और उसमें रहने लगे। गांगेय देव ने तत्पश्चात मांडवगण पर आक्रमण किया तथा उसे भी जीतकर अपने राज्य में मिला लिया।

राजा भोज सुरंग के रास्ते चित्तौड़गढ़ भाग गये। इतिहास गवाह है कि महावीर गांगेय देव युद्ध में राजा भोज से युद्ध में कभी नहीं हारे, तेली जाति की सम्पन्नता व वैभव से ईर्ष्यावश कुछ सनातनी इतिहासकारों ने तेली जाति के गौरव पूर्ण इतिहास पर परदा डालकर उसे गलत ढंग से प्रदर्शित किया है। समाज उन्नति बर्दाश्त न होकर कुछ षड़यंत्रकारियों ने तेलीसमाज का वौद्धिक खच्चीकरण करने हेतु समाजमन को कुलशित किया। राजा भोज को मारने हेतु राजा गांगेय देव जिसे गंगू तेली भी कहते है बारह माह तक अपनी फौज लेकर मालवा क्षेत्र में डटे रहे अगर वह सुरंग के रास्ते चित्तौड़गढ़ न भाग जाते तो इतिहास में राजा भोज का नाम ही नहीं होता।

सही कहावत तो यह है कहां राजा भोज, कहां विजेता गांगेय देव

जब भी कहीं इस जनश्रुति की बात आये लोगों को इस सच्चाई से अवगत करायें। और इसका डट कर विरोध करें।

-इ.सेवा राम राठौर
प्रदेश महामंत्री, उ.प्र.
मो. 9415945977

प्रेरक प्रसंग

स्वामी विवेकानंद अमेरिका प्रवास पर निकलने वाले थे। जाने से पूर्व वे शारदा माँ ने उन्हं सब्जी काटने का चाकू उठाकर देने को कहा। स्वामी विवेकानन्द के चाकू उठाकर देने पर माँ शारदा बोली–''मेरा आशीर्वाद सदा तेरे साथ है। जाओ। खूब प्रगति करो और अमेरिका में जाकर अपने गुरू का एवं भारत का नाम रोशन करो।''

स्वामी विवेकानंद ने पूछा– माँ, इस आशीर्वाद का चाकू देने से क्या सम्बन्ध है? माँ शारदा बोली जब किसी साधारण व्यक्ति से चाकू माँगा जाता है तो वह झूठ अपने हाथ मे रखकर धार की तरफ से चाकू दूसरे को देता है परन्तु तुमने धार अपने हाथ में रखी और मूठ वाला भाग मेरी तरफ किया। सच्चे साधु का यही लक्ष्य है कि वह स्वयं कष्टों को स्वीकार करता है और दूसरे के कल्याण की कामना करता है। इस छोटे से घटनाक्रम ने बड़े कार्य के लिए तुम्हारी पात्रता सिद्ध कर दी और तुम इस आशीर्वाद के हकदार बने।

–साभार

नशा उन्मूलन

1. नशा नाश करता सदा, मान और सम्मान।
   धूल धूसारित हुए सब रंक हो या धानवान।।
   रंक हो या धनवान, ध्यान दो मेरे भाई।
   नशा मिटाता नेह, बढ़ाता वैर, बुराई।
2. नशा बनाता, आलसी, कामचोर, कमजोर।
   केवल दुत्कारें मिलें, जहाँ जाओं जिस ओर।।
   बच्चे, बूढ़े, युवा हंसे दे–देकर ताली।
3. मदिरा, गुटखा, बीड़ियां या सिगरेट का चाव।
   आज कैंसर रोग का सबसे बड़ा पड़ाव।।
   सबसे बड़ा पड़ाव, नर्क जीवन बन जाता।
   बढ़े रोग पर रोग, नशेड़ी उवर न पाता।।
4. उन्नति पाना है अगर रहें, नशे से दूर।
   तभी बनेगी जिन्दगी, खुशियों से भरपूर।
   खुशियों से भरपुर, मान–सम्मान मिलेगा।
   ऋद्धि–सिद्धि धन–धान्य प्रगति का पुष्प मिलेगा।

–सुरेश साहू
बरेली

थोड़ा हस ले

माली (सोनू से) – आज मैंने तुम्हें पेड़ से आम चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया है, अब मै इसकी शिकायत तुम्हारे पिता से करूँगा।

सोनू– ठीक है, कर देना।

माली– बताओं, तुम्हारे पिता जी कहॉ हैं।

सोनू– वह रहे दूसरे पेड़ पर।

शिक्षक– आशीष, तुम आज भी पेन लाना भूल गये।

आशीष– सर, मैं भूल गया था।

शिक्षक– तुम खुद आना क्यों नहीं भूल जाते हो।

आशीष– सर, मैं भूल रहा था मगर मम्मी ने याद दिला दिया।

कैसे सुरक्षित रखें हम अपने गुर्दे?

सतर्क रहे किडनी रोगों से बचें

हर इंसान के शरीर में दो किडनी। गुर्दे होते है। जो पेट में पीछे की तरफ रीढ़ की हड्डी के दोनो तरफ स्थित होते है। जिसमें लाखों छलनियां होती है। जो लगातार खून साफ करती रहती है और हमारे शरीर के नुकसानदेह पदार्थो को पेशाब के जरिये शरीर से बाहर निकलती रहती है। एक तरफ से ये हमारे शरीर के अन्दर सफाई का कार्य करती रहती है।

अगर किडनी किसी कारणवश खराब हो जाती है तब जहरीले पदार्थ शरीर में जमा हो जाते है जो हमे बीमार कर देते है। किडनी से संबन्धित रोग कई कारणों से उत्पन्न होते है। किडनी रोगों से बचा सकता है।

डाइबिटीज : मधुमेह या डाइबिटीज किडनी के खराब होने का एक प्रमुख कारण है अगर किसी व्यक्ति को डायबिटीज है तो वह निराश न हो अपनी ब्लड शुगर को कन्ट्रोल रखे। डायबिटीज से ग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर के परामर्श से एचबीए 1 सी नामक जांच करायें तथा जांच से पिछले तीन महीने में शुगर कंट्रोल की स्थिति का पता चलता है इसके अलावा पेशाब में माइक्रोएलब्युमिन की जांच भी करायें। अगर पेशाब में प्रोटीन जा रहा है। तो डॉक्टर से परामर्श ले।

हाईब्लडप्रेशर : अगर किसी व्यक्ति को हाईब्लड प्रेशर की बीमारी है। तो ब्लडप्रेशर (बी.पी.) को नियंत्रित करना ही सबसे बेहतर उपाय है। बी.पी. को 130/80 के नीचे रखें। यह स्थिति किडनी को बी.पी. के द्वारा होने वाली नुकसान से रोकेगी।

लक्षण :
1. पैरो और हाथों में सूजन आना।
2. सुबह के समय पलकों का भारी हो जाना।
3. पेशाब बार-बार आना।
4. किडनी में प्रोटीन या रक्त का आना।
5. किडनी में पथरी का होना।
6. पेशाब में बार-बार इन्फेक्शन होना।
7. हृदय संबधित बीमारी होना।
8. खून की कमी होना।
9. पेशाब का बहाव/फ्लोर कमजोर हो जाना।

दर्द निवारक दवाये : दर्द निवारक या पेनकिलर्स दवा का अधिक सेवन न करे। क्योंकि दर्द निवारक दवायें किडनी खराब होने का एक प्रमुख कारण है। अगर दर्द की दवा लेनी ही पड़े तो डाक्टर की सलाह से ही ले। अगर गुर्दे वाले मरीजों को दर्द की दवा की जरूरत पड़ती है तो वे पैरासीटामोल की गोली या पैरासीटामोल और ट्रामाडोल के मिश्रण वाली गोली ले सकते है।

खान-पान मे परहेज : अगर हम अपने खान-पान का विशेष ध्यान दे तो किडनी की बीमारी से बचा जा सकता है। जैसे खाने में नमक एवं प्रोटीन पदार्थ न ले। ज्यादा तली भुनी चीजों को प्रयोग न करें।

धूम्रपान से बचे : अब वैज्ञानिक अध्ययनों से साबित हो चुका है कि धूम्रपान गुर्दे के लिये खतरनाक है हमे इसे शीघ्र ही छोड़ना चाहिए।

याद रखने योग्य बाते :
1. डाईबिटीज और हाई बी.पी. की जांच।
2. परिवार में पहले किसी सदस्य की किडनी खराब हो चुकी हो तो समस्या होने पर डाक्टर से सम्पर्क करे।
3. किडनी खराब हो चुकी हो तो समस्या होने पर डाक्टर से सम्पर्क करे।
4. मोटापे से ग्रस्त लोग डाक्टर से परामर्श ले।
5. कोलेस्टेरॉल और ट्राइग्लिसराइड की जांच।

-डॉ.वी कुमार साहू
मण्डल अध्यक्ष,कानपुर
मो0 9839931015

•

देश भक्त सुभाषचन्द्र बोस

स्वतंत्रता संग्राम के महारथियों की अग्रिम पंक्ति में सुभाषचन्द्र बोस का नाम आता है। कर्तव्यनिष्ठा व वचनबद्वता आदि सद्‌गुणों के साथ-साथ भारतीय जनता के प्रति उदारता व सहिष्णुता की भावना से उनका जीवन ओत-प्रोत रहा।

''मैं सुभाष चंद्र बोस ईश्वर को साक्षी करके यह पुनीत शपथ लेता हूं कि मै भारत और उन करोड़ों देशवासियों को स्वतंत्र कराने के लिए स्वतन्त्रता के इस पुनीत युद्व को अपने जीवन के अंतिम क्षण तक जारी रखूंगा।'' अपने इस वचन पर वे जीवन के आखिरी पल तक अटल रहे। अपने जीवन के समस्त सुख-वैभवों को स्तंत्रता की वेदी पर अर्पित कर उन्होंने स्वयं को अमर कर दिया।

उनका जन्म 23 जनवरी, 1877 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम रायबहादुर जानकी नाथ बोस था। माता प्रभावती देवी बड़ी ही धार्मिक प्रकृति की महिला थी। जिनके संस्कारों का सुभाष चंद्र पर गहरा असर पड़ा। अपने बाल्यकाल से ही सुभाषचन्द्र बड़े ही निर्भीक, साहसी और उदारप्रकृति के थे। सत्संग व संत-समागम का एक भी अवसर वे अपने हाथ से छूटने नहीं देते थे। स्वामी विवेकानंद जी के कटक आगमन पर इन्होंने स्वामी जी का सत्संग बड़े ध्यान से सुना था एक-एक वचन को हृदयंगम कर लिया।

सुभाषचन्द्र की किशोरवस्था की एक घटना मातृभूमि के प्रति उनके पगाढ़ प्रेम तथा अप्रतिम शौर्य को प्रदर्शित करती है। सन्1915 में सुभाष चन्द्र बोस ने कलकत्ता के प्रेसीडेन्सी कॉलेज में बी.ए. की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रवेश लिया। उस समय उनकी उम्र 18 वर्ष थी। वहां भारतीय विद्यार्थियों के प्रति अंग्रेज प्राधयापकों का व्यवहार अच्छ न था। किसी भी छोटे से कारण पर वे छात्रों को बड़ी भद्दी गालियों सुना दिया करते थे।

एक बार सुभाष की कक्षा में कुछ छात्र अध्ययन कक्ष के बाहर बरामदे में खड़े थे। प्रोफेसर इ.एफ. ओटेन उधर से गुजरे और बरामदे में खड़े छात्रों पर बरस पड़े।

कहने लगे-जंगली, काले बदतमीज इंडियन...। अपनी मातृभूमि का घोर अपमान होता देख कर सुभाष का खून खौल उठा। वे अपने साथियों के साथ ओटेन की शिकायत लेकर प्रधानाचार्य के पास गए। प्रधानाचार्य भी अंग्रेज ही थे, अत: उसने भी ओटेन का ही पक्ष लिया। दूसरा रास्ता न पाकर सुभाष अपनी कक्षा के विद्यार्थियों सहित हड़ताल पर उतर आए, जिसका बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अंतत: प्रधानाचार्य और ओटेन दोनों ने मजबूर होकर छात्रों से समझौता किया कुछ दिनों तक तो ओटेन शांत रहा, परंतु एक दिन व अपनी सीमा पार कर गया। ओटेन ने एक छात्र से प्रश्न पूछा पर छात्र उत्तर नहीं दे सका। इस साधारण सी बात पर ओटेन ने उसे गालियां देना आरम्भ कर दिया यू ब्लैक मंकी इंडियन यह सुनकर सुभाष को मर्मान्तक पीड़ा हुई। एक भारतवसी की तुलना काले बंदर से इतना तिरस्कार।

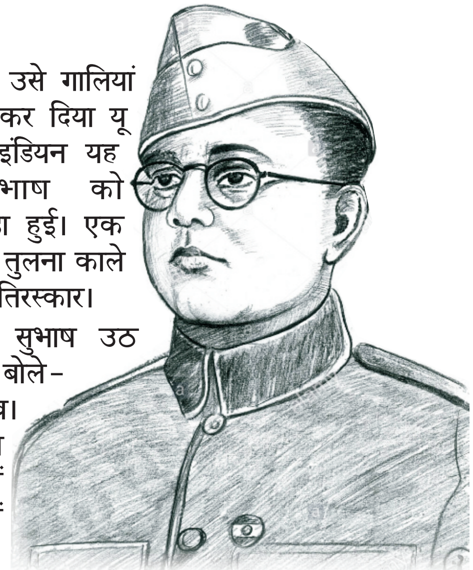

देशभक्त सुभाष उठ खड़े हुए और बोले- प्रोफेसर साहब। आपको ऐसा असभ्य शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ओटेन और अधिक भड़क उठा और चिल्लाकर बोला- यू ब्लडी। तू बैठता है कि नहीं।

सुभाष चन्द्र सीधे ओटेन के पास आए और उसके गाल पर एक जोरदार थप्पड देकर बोले- तुम अपने आपको क्या समझते हो प्रोफेसर? तुम किस मुंह से गाली बकते हो। जबान खींच लूंगा।''

इस घटना की खबर शीघ्र ही चारों तरफ फैल गई। पर यह एक अंग्रेज अध्यापक को ही नहीं बल्कि ब्रिटिश सरकार को भी दिया गया एक करारा तमाचा था कि भारतीयों के स्वाभिमान के साथ खेलने का क्या परिणाम होता है।

अंग्रेज भारत छोड़कर चले गए और भारत स्वतंत्र हो गया परन्तु भारतीय संस्कृति को तिरस्कृत व अपमानित करने के ऐसे घृणित कार्य अभी भी बन्द नहीं हुए हैं। आज भी मदरसों में, कॉन्वेंट स्कूलों में भारतीय संस्कृति को निम्न कोटि का दर्शाया जाता है। शिखा रखना, तिलक लगाना, राखी बांधना तथा पायल पहनाना आदि परम्परा रीतिरिवाज, जो शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हैं। उन्हें अशिष्ट व अनावश्यक बताकर विद्यार्थियों को उन्हें जबरन छोड़ने को कहा जाता है और न मानने पर तरह-तरह के दंड दिए जाते हैं।

हमें भी अपने अन्दर सुभाष चन्द्र बोस जैसा आत्मबल, देश भक्ति व निर्भयता लानी चाहिए, जिससे हम इन सांस्कृतिक आक्रमणों से अपनी भारतीय संस्कृति को बचा सकें।

-राजेश साहू
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
मो0 9453973001

अगर अच्छा है तो बेहतरीन और बुरा है तो अनुभव, फिर पछतावा क्या।

सपने देखना सीखो

देश आजाद हुआ, देश में बेहद गरीबी, बेकारी, गंदगी, बीमारी तथा सामाजिक जीवन में बेहद पिछड़ापन था अंग्रेजों की गुलामियत में लोगों की भावनाओं मर चुकी थी। लोगों में आगे बढ़ने कुछ करने देश का मान बढ़ाने तथा खुद स्वयं को आगे बढ़ाने हेतु लोगों की मानसिक कुंठायें मर चुकी थी। देश आजाद होने पर जवाहर लाल नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने जब वह देश के प्रधानमंत्री न बने तब तक वह लगभग 156 देशों के भ्रमण कर चुके थे लोगों को आगे बढ़ाने गुलामियत की मानसिकता को दूर करने स्वयं अपने संघर्ष के बल पर आगे बढ़ने, तथा देश की जनता को आगे बढ़ने हेतु उन्होंने एक सीख दी कि सपने देखना सीखों जो सपने देखना जानते है सपने भी उन्हीं के सच होते है उसी दिशा में प्रयास करते हैं, संघर्ष करते है अपने आपको समर्पित करते है उनके सपने अवश्य सच होते है समय चाहें कितना भी लग जायें संघर्ष करने वाला की कभी हार नहीं होती है। परिणाम चाहे देर से मिले लेकिन परिणाम सदैव पॉजेटिव ही मिलता है। प्रशासनिक अधिकारी वही बनते है जो उस परीक्षा का पास करने का सपना देखते है उसका आवेदन करते हैं कड़ी तैयारी करते है बार-बार प्रयास करते है असफल होकर भी हार नहीं मानते, अपनी गलतियों को सुधारते हुये संघर्ष जारी रखते हैं, और एक दिन परीक्षा पास करते हैं और अपने द्वारा देखे हुये सपनों को साकार करते है।

समाज के बन्धुओं समाज में काफी पिछड़ापन है शिक्षा की बेहद कमी है और जहाँ शिक्षा का प्रसार है भी वहाँ शिक्षा की निपुणता की कमी है। हमें केवल शिक्षित हाने से सफलता नहीं मिल सकती आज प्रतियोगता का युग है क्वालिटी का युग है प्रत्येक क्षेत्र में संघर्ष है। हमें उस संघर्ष में विजय पाना है बच्चों में क्वालिटी आफ एजूकेशन पैदा करना है उनको आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित करना है, डाक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, प्रशसनिक अधिकारी अथवा नेता बनने हेतु बच्चों को सपने दिखवाना है। बच्चों में आगे बढ़ने हेतु इच्छाशक्ति जाग्रत करना है तभी हमारी आगे की पीढ़ी मजबूत हो पायेगी जो जिस क्षेत्र में जाने हेतु सपने देखेगा वैसी ही उसकी इच्छा शक्ति तैयार होगी और उनकी आगे बढ़ने की मंजिल तैयार होगी और प्रयास व संघर्ष करने पर एक दिन उस दिशा में निश्चित सफलता मिलेगी सपना निश्चित साकार होगा।

समाज की बहिनों व भाइयों से मेरा अनुरोध है कि अपने बच्चों में सपने दिखाने की भावना अवश्य पैदा करें इससे बच्चों का मनोबल बढ़ता है आगे बढ़ने की दिशा तय होती है बच्चे अपने को उस दिशा में बढ़ने हेतु मानसिक रूप से तैयार करते हैं बेहद पिछड़ने को दूर करने हेतु सपने देखने का सुझाव दिया था, उस सुझाव को आज हमारे समाज को बेहद जरूरत है तभी समाज का सभी क्षेत्रों में पिछड़ापन दूर होगा। समाज में तेजी से तरक्की तथा सामाजिक मजबूती आयेगी।

सपना देखना कोई बुरी बात नही, प्रत्येक व्यक्ति का यह एक विशेषाधिकार है कि वह सही दिशा में अपनी योग्यता, विवेक व क्षमता के अनुसार सपना देखने का प्रयास करें संघर्ष करे और आगे बढ़े अपने घर परिवार, समाज व देश को मजबूत करे व अपने को समाज का प्रतिष्ठित व्यक्ति बनकर अपने आपको स्थापित करें।

-अर्चना साहू
महिला प्रदेश महामंत्री
मो0 9369856481

व्यक्ति यशस्वी होता है बड़ों को सम्मान देने से

जीवन में अपने से बड़ों का सदैव सम्मान करो और सद्गुणों को अपनाओं। जो व्यक्ति बड़ों का सम्मान करता है उसकी आयु बढ़ती है। बड़े लोग आयु बढ़ने का ही तो आशीर्वाद देते हैं, विद्या बढ़ती है, बड़ों के अनुभव काम आते हें। व्यक्ति यशस्वी होता है, मान-यश अपने परिवार में होगा, तब बाहर तक जाएगा।

-साभार

अमूल्य निधि

जीवन परमात्मा प्रदत्त अमूल्य निधि है इसकी तुलना संसार की किसी भी वस्तु से नहीं की जा सकती है। इस पर भी मानव काया बड़े भाग्य से मिलती है। मानस रचयिता गोस्वामी तुलसीदास ने मानस में ही लिखा है- बड़े भाग मानुष तनु पाया। सुर दुर्लभ सद्ग्रंथन गाया।

अर्थात् मनुष्य के शरीर को पाने के लिए देवता भी तरसते है, क्योकिं इस शरीर के माधयम से जिस सुख की अनुभुति को देवता नहीं कर सकते। अनुभव करने की क्षमता केवल मृत्युलोक के जीवों को ही परमात्मा ने दी है, इसी कारण देवता इस शरीर को प्राप्त करने के लिए तरसते है।

परमात्मा की दी हुई इस अनुपम कृति को सहेजकर रखना हमारा कर्तव्य ही नहीं परम धर्म है। इसको किसी प्रकार की क्षति पहूँचाना महान पाप है। अगर कोई व्यक्ति किराये के मकान में रहकर मकान को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाता है तो मकान मालिक नाराज हो जाता है, उसी प्रकार अगर कोई व्यक्ति परमात्मा के दिय हुए इस शरीर को क्षति पहुँचाता है तो परमात्मा भी नाराज हो जाता है। चाहे यह शरीर उसका स्वयं का हो या किसी अन्य का। आत्महत्या हो या अन्य किसी की हत्या, दोनों पाप है और भारतीय दण्ड संहिता में दोनों की सजा एक है। अब चूंकि आत्महत्या करने वाला व्यक्ति उपलब्ध नहीं होता है इसलिए कानून उसको सजा नहीं दे पाता, जबकि दूसरे की हत्या करने वाला व्यक्ति की तलाश की जाती है तथा हत्या करते समय की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर सजा दी जाती है।

ईश्वर ने मनुष्य को इस सुर दुर्लभ काया देने के साथ-साथ अत्यन्त सुन्दर संसार भी रहने के लिए दिया है। यहाँ क्या नहीं है? मनुष्य जन्म लेते ही ममतामयी माँ की गोद का सुख पाता है। सम्पूर्ण संसार के वैभव भी वह सुख प्रदान नहीं कर सकते जो माँ की गोद मे बच्चे को प्राप्त होते है। तत्पश्चात उसे पिता का प्यार मिलता है, बहिन का स्नेह तथा सगे सम्बन्धियों का दुलार भी मिलता है, गुरू से ज्ञान तथा मित्रों से अपनापन मिलता है। जब व्यक्ति का विवाह होता है और पत्नी उसके स्वामित्व को पाकर अपना सब कुछ समर्पित कर देती है तब व्यक्ति को जो सुख मिलता है उसका वर्णन वह शब्दों में नहीं कर सकता है। वह अकथनीय तथा अविस्मरणीय होता है। सन्तानोप्पत्ति के बाद मॉ का मातृत्व तथा पिता को पितृत्व खिल उठता है। हमारा सुख यहीं समाप्त नहीं होता है जब हम निज पुत्र या निज पुत्री की सन्तान को अपनी गोद में उठाकर जो सुख प्राप्त कर लेते है, क्या उस सुख की तुलना संसार के किसी अन्य सुख से की जा सकती है? ये सुख में जीवन में प्रभुकृपा से अनायास ही मिलते है इस कारण हम इनका मूल्य नहीं जान पाते है। हमें अनायास ही मिलते है इस कारण हम इनका मूल्य नहीं जान पाते है। हमें जो वस्तु अनायास मिल जाती है वह हमे अर्थहीन लगती है, यह मनुष्य का स्वभाव है। वायु हमारे लिए अर्थहीन लगती है, यह मनुष्य का स्वभाव है। वायु हमारे लिए कितनी मूल्यवान है यह सब जानते हे, यदि कुछ समय के लिए हमें वायु न मिले तो हमारी क्या स्थिति होगी? हम निष्प्राण हो जायेंगे। अब चूंकि यह वायु हमें परमात्मा की कृपा से अनायास ही उपलब्ध हो जाती है इस कारण हम इसका मूल्य जानने का प्रयास ही नहीं करते है। इसी तरह हमें इस सुन्दर संसार के सभी सुख सहज ही प्राप्त हो जाते है इसलिए हम उनके महत्व को समझने का प्रयास ही नही करते और तो और हम अपने शरीर के मूल्य को ही नहीं जानते है। जब किसी दुर्घटना होने से हमारा कोई अंग भंग हो जाता है। ऑख का मूल्य क्या है यह किसी अन्धे व्यक्ति से पूँछिए। पैर का मूल्य क्या यह किसी लँगड़े व्यक्ति से पूँछिए। हमारे शरीर का अंग-अंग अत्यन्त मूल्यवान है जिसका प्रतिरूप मिलना असम्भव है। क्या कृत्रिम अंग बनाने वाला संस्थान कोई ऐसा अंग आज तक बना सका जो ईश्वर प्रदत्त अंग की तरह कार्य कर सकता हो? विज्ञान ने बड़ी प्रगति की है चाँद की धरती पर उतरने तथा रहने की तैयारी हो रही है किन्तु क्या संसार का कोई बड़ा से बड़ा वैज्ञानिक रक्त का अविष्कार कर पाया? आज भी रक्त की आवश्यकता पड़ने पर उसे मनुष्य के शरीर से ही निकाला जाता है।

अब प्रश्न उठता है कि परमात्मा द्वारा दिये गये इस अमूल्य शरीर के साथ मनुष्य खिलवाड़ क्यों करता है? अधिक गति से वाहन चलाने में दुर्घटनायें होती है तथा मनुष्य या तो मृत्यु को प्राप्त होता या शरीर का कोई अंग खो बैठता है। अभी कुछ दिन पूर्व समाचार पत्र मे एक समाचार था कि एक महिला ने अपनी तीन सन्तानों के साथ रेल से कटकर एक साथ चार जीवन लीलायें समाप्त कर दी। आसाम में कुछ लोगों ने बम के धमाके से 69 लोगो की जान ले ली तथा 350 लोगों को घायल कर दिया। यह सब अज्ञानतावश होता है। जब व्यक्ति का मास्तिष्क अज्ञान के अंधकार के कारण सोचने समझने की क्षमता खो बैठता है तब वह आत्महत्या या हत्या करने के लिए उतावला हो जाता है तथा ऐसे जघन्य अपराध कर बैठता है। ऐसे व्यक्ति सांसारिक अपराधा करने के साथ-साथ ईश्वरीय रचना के विध्वंश का भी अपराध करते है। हो सकता है कि कानूनी दाँव-पेंच के कारण या (आत्महत्या में) अनुपलब्धता के कारण ऐसे लोग सांसरिक न्यायालय से छूट जायें किन्तु ईश्वरीय न्यायालय से बचता नितान्त असम्भव है। परमात्मा ऐसे लोगों को अवश्य दण्ड देता है।

अज्ञान के अन्धकार को ज्ञान के प्रकाश द्वारा दूर किया जा सकता है। ज्ञान का अभ्युदय मात्र डिग्री प्राप्त करने से नहीं हो सकता है। सच्चा ज्ञान तो माता पिता द्वारा दिये गये संस्कारों से प्राप्त होता है गुरु की उत्तम शिक्षा उस ज्ञान को और भी प्रखर बनाती है। सामाजिक वातावरण का भी हमारे ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। आइये हम आप प्रतिज्ञा करें कि हम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देंगे ताकि हमारे बच्चे जीवन के मूल्य को समझें और कभी भी अपराध की राह पर न चलें। यदि हम ऐसा कर सकें तो हमारा जन्म लेना सफल हो जाएगा और अपराध मुक्त समाज की स्थापना हो सकेगी।

-उमा शंकर शाह
कानपुर, उ.प्र.

मै पैसा हू मुझे आप मरने के बाद ऊपर नही ले जा सकते। मगर मै जीते जी आपको बहुत ऊपर ले जा सकता हूँ।

नारी जगत

एक समालोचनात्मक विश्लेषण

स्वतंत्रता की समर्थक ये महिलायें बराबरी के अधिकार के प्रति तो सचेत हैं लेकिन जब किसी बस या ट्रेन में चढ़ना हो तो ये बात बड़े गर्व से कहती हैं-'लेडीज फर्स्ट'। भारतीय संस्कृति में तो नारी का सदैव ही प्रथम स्थान रखा गया है जैसे-राधाकृष्ण, सीताराम, राधेश्याम, परन्तु नारी को हर बात को सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। समाज में वास्तव में महिला का भी स्थान उतना ही है जितना पुरूषों का। जिस तरह से हर सफल पुरूष के पीछे एक नारी हो सकती है उसी तरह से सफल महिला के पीछे, जरूरी नहीं कि कोई पुरूष न हो।

इन सबका तात्पर्य भी यही है कि पुरूष वर्ग अपने आप को ही सब कुछ न समझें। एक पति ने अपनी पत्नी से कहा-''तुलसीदास जी ने सही कहा है-''ढोल, गंवार, शुद्र, पशु, नारी, सकल ताड़ना के अधिकारी''। पत्नी ने कहा- श्रीमान इसमें मैं (नारी) तो एक ही जगह हूँ बाकी चार स्थानों पर तो आप (पुरूष) ही विराजमान हैं।'' मेरे विचार से तुलसीदास जी जैसे महान विद्वान ने 'नारी' में विदुषी नारियों को कदपि शामिल नहीं किया होगा क्योंकि उन्हें भी महान बनाने वाली नारी (उनकी पत्नी) ही थी। कालीदास को महामूर्ख से महापंडित बनाने वाली उनकी पत्नी ही थी।

''हारग्रेव' के अनुसार तो, ''तारे आकाश की कविता है और स्त्रियां पृथ्वी की''। नारी को चाहिए कि अपने आपको पहचाने। गलत प्रवृत्तियों की बजाय रचनात्मक कार्यो, राजनीति, खेल, साहित्य व समाज सुधार में अपनी शक्ति का प्रयोग करें। नारी में वह शक्ति निहित है कि वह समाज के वातावरण को विषाक्त होने से बचा सकती है। उसमें योग्यता है, सामर्थ्य है, प्रतिभा है, मधुरता है, इन सबको वह अपना हथियार बनाये। अपनी स्वतंत्रता के लिये दूसरों को परतन्त्र न बनाये। नारी 'महाभारत' भी करा सकती है वह 'महाभारत रोकने की क्षमता भी उसी में निहित है। कहने का अर्थ कुल मिलाकर यही है कि नारी अपने आप को सही रूप में ढाले। अन्याय को मिटाये पर स्वंय को या दूसरों को मिटाकर नहीं। शान्ति व धैर्य के साथ अपना कार्य करे और सही राह पर चलते हुए निम्न को सार्थक करें।

''नारी एक ईश्वरीय उपहार है जिसे स्वर्ग के खो जाने पर ईश्वर ने मनुष्य को उसकी क्षतिपूर्ति के लिये दिया है।''

''स्त्री जानती कम है पर जल्दी व ज्यादा समझती है। आदमी जानता तो बहुत है पर समझता कम है या देर से समझता है।

–कल्पना साहू
भोपाल, म.प्र.

आने वाली फिल्में

Jan 06, 2017	:	Cofee with D
Jan 13, 2017	:	Ok Jannu
	:	Haraamkhor
Jan 25, 2017	:	Kaabil
	:	Raees
Feb 03, 2017	:	Running Shaadi.com
Feb 10, 2017	:	Jolly LLB 2
Feb 17, 2017	:	Machine
Feb 24, 2017	:	Rangoon
Mar 03, 2017	:	Commando 2
	:	Jeena Isi Ka Naam Hai
Mar 10, 2017	:	Badrinath Ki Dulhania
Mar 17, 2017	:	Sarkar 3
Mar 24, 2017	:	Phillauri
Mar 31, 2017	:	Hindi Medium
	:	Naam Shabana

मै पैसा हू– मै भगवान तो नही, पर लोग मुझे भगवान से कम नही मानते।

महापुरूषों के 'नीतिवचन' हमारे पथ प्रदर्शक

संस्कृत वाणी में सूक्तियों और सदुपदेशों का अस्तित्व प्राचीन काल से ही उपलब्ध है और सभी संस्कृत के कवियों ने अपने काव्य को सूक्तियों और 'नीतिवचनो' से आंलकृत किया है। काव्यो में व्याप्त सूक्तियों के अतिरिक्त बहुत से सूक्ति संग्रह और 'नीति काव्य' संग्रह उपलब्ध होते हैं। इन्हीं नीतिवचनो की श्रृंखला में 'जीवन संचेतना में चाणक्य ,भर्तहरि तथा महात्मा विदुर नीति के कुछ अंश पाठको के लिए क्रमशः प्रकाशित कियो जा रहे है।

-सम्पादक

अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहु भाषते।
अविश्वते विश्वसिति मूढचेता नराधमः।।

अर्थात् मूर्ख चित्त वाला नराधम मनुष्य बिना बुलायें प्रवेश करता है, बिना पूछे ही बहुत बोलता है तथा अविश्वासी लोगों पर विश्वास करता है ।अतः उनका काम सराहनीय नही होता हैं।

अर्थ महान्तमासाघ विघामैश्वर्यमेव वा।
विचरत्य समन्नद्रो यः स पण्डित उच्चते ।।
(विदुरनीति)

अर्थात् जो अत्यधिक धन, विघा एंव ऐश्वर्य को प्राप्त करके अभिमान रहित होकर विचरण करता है, वह पंडित कहलाता है। ऐसे लोगों को प्रभुता प्राप्त होने के बाद भी अभिमान नहीं होता हैं।

वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह ।
न मूर्ख जनसंपर्कः सुरेन्द्र भवनेष्वापि।।

अर्थात् वनचारी पशुओं के साथ पर्वत-दुर्गों में भ्रमण करना श्रेष्ठ हैं पर इन्द्र के महलों में भी मूर्ख लोगों का संपर्क ठीक नहीं हैं।

जाड्यं धियो हरति, सिंचति वाचि सत्यं,
मानोन्नति दिशति ,पापमाया करोतिं ।
चेतःप्रसादयति, दिक्षु तनोति कीर्तिः ,
सत्संगतिः कथय किं न करोति पुसाम्।।
(भर्तृहरि नीतिशतक)

अर्थात् बुद्धि की जड़ता को हरती है, वाणी में सत्य का सिंचन करती है, सम्मान की वृद्धि करती है, पाप करे दूर करती है और दसो दिशाओं में कीर्ति फैलती हैं । कहिए ,सत्संगति मनुष्यों का क्या -क्या हित संपादन नहीं करती अर्थात् वह सभी कुछ करती है।

वरयेत् कुलजां प्राज्ञो विरूपामपि कन्यकाम्।
रूपवतीं न नीचस्थ विवाहः सदृशे कुले ।।

अर्थातृ बुद्धिमान मनुष्यो को चाहिए कि श्रेष्ठ कुल में उत्पन्न कुरूपा कन्या के साथ विवाह कर लें , परन्तु नीच कुल में उत्पन्न सुन्दरी कन्या के साथ कभी विवाह न करे , क्योंकि विवाह अपने ही कुल तुल्य में उचित होता हैं।

नखीनानाच्य नदींनाचं श्रृंगीणां शस्त्रपाणिनाम्।
विश्वासो नैव कर्तव्यंः स्त्रीषु राजकुलेषु च ।।
(चाणक्यनीति)

अर्थात् नख वाले प्राणियों का ,नदियों का , सींग वाले प्राणियों का और शास्त्रधारियों का विश्वास नहीं करना चाहिए। स्त्रियों और राजकल पर भी सहसा विश्वास नहीं करना चाहिए क्योंकि नीतिकारों ने इन पर अधिक विश्वास के लिए निषेध किया हैं।

-साभार

बुरा वक्त में भी एक अच्छाई होती है। आते ही फालतू के दोस्त विदा हो जाते है।

सेवार्थ कोई अपेक्षा न करें

चाह गई चिंता मिटी मनुवा वे परवाह
जिसको कछु का चाहिए वह ही शांहशाह

इन दो छोटी पंक्तियों में जीवन का बड़ा गहरा रहस्य छिपा है। स्वार्थ की लिप्त से बंधा व्यक्ति समाज सेवा या जन सेवा का ढोंग कर सकता है, पर वह यथार्थ सेवा नहीं कर सकता। इन संसार के जितने महान समाज सेवक थे, समाज के उद्धारक हुए है उन्होने पहले मोह लोभ लालच का या तो त्याग कर सेवा के क्षेत्र में उतरे या सेवा के मार्ग में चलते चलते वे निस्प्राय ही हो गये। गौतम बुद्ध विशाल साम्राज्य त्याग कर जंगल मे चले गये एवं संसार को अपना घर समझ कर दीन हीन गरीबों की सेवा का अध्यत्म की खोज मे लगे। घर की दयनीय आर्थिक दशा के बावजूद स्वामी विवेकानन्द विश्व कल्याण के लिए निकल पड़े। जिस व्यक्ति में दुनिया की सुख, सम्पदा में आत्मा वसी है उसमें सेवा भाव आ नही सकती है। यही कारण है कि सामाजिक सेवा संस्थाये सरकारी संस्थाओं की अपेक्षा उत्कृष्ट काम कर पाती हैं। ''मेरा मुझ में कुछ नही का भाव जब आदमी के मन मे जागृत हो जात है, वहीं मै वह क्षमता उत्पन्न हो जाती है दूसरा का कल्याण करने की।

फिर वहां सेवा व कहां शांहशाही, खुला व्यापार बन गई है राजनीति देश के लिए यही सबसे अधिक घातक होती जा रही है।

बिना अपना हित त्यागे, कोई सेवा नही कर सकता। चाणक्य एक कुटियॉ में रहकर इतने बड़े मौर्य साम्राज्य का कितने विवेक पूर्ण व दायित्व सें सेवा करते रहे, इसलिये स्वार्थ व लोभ को त्यागे बिना कोई सेवा कर ही नहीं सकता। महात्मा गांधी के बाद एक युग पुरूष मोदी देश में पैदा हुआ है पूरा राष्ट्र उसकी ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है।

–साहू वीपी जयसवाल
प्रभारी वैवाहिक, प्रकोष्ठ
मो0 9415765495

कामयाबी के सूत्र

सफलता से जुड़े सात प्रश्नों का उत्तर हमें अपने कमरे में ही मिल सकते है–

1– छत कहता है।
ऊंचे उद्देश्य रखों।

2– पंखा बोला।
ठंडे रहो

3– घड़ी बोली।
हर मिनट कीमती है।

4– कैलेण्डर ने कहा।
अप टू डेट रहो

5– खिड़की बोली
दुनिया को देखों

6– दरवाजे ने कहा।
अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरा जोर लगाओं, अपने खोल से बाहर निकलों।

7– शीशा बोले।
कुछ करने से पहले अपने अंदर झांक लो।

अतः इन सातों बातों का जवाब अपने पास की चीजों से सीखते हुए आगे बढ़ों।

–प्रवीण कुमार गुप्ता
मो0 9415388820

स्वतंत्रता दिवस विभिन्न देशों में

भारत–	15 अगस्त
पाकिस्तान–	14 अगस्त
इन्डोनेशिया–	17 अगस्त
कागों–	17 अगस्त
चिली–	18 अगस्त
बंगलादेश–	16 अगस्त
बर्मा–	14 जून
फ्रांस–	14 जुलाई
स्पेन–	14 जुलाई
आस्ट्रेलिया–	26 जनवरी
चीन–	17 अक्टूबर
जापान–	11 मार्च
इटली–	26 मार्च
अफगानिस्तान–	7 माई
अमेरिका –	4 जुलाई
श्रीलंका–	4 जनवरी
मरिशस–	12 मार्च
इसराइल–	7 सितम्बर
ब्राजील–	7 सितम्बर

– महेश साहू 'दद्दू'
लखनऊ

दुनिया मे किसी के दिल मे राहो या दुआओं में अच्छी जगह है।

नव वर्ष संदेश 2017

दूसरे के छिद्र देखने से पहले अपने छिद्रों को टटोलें। किसी और की बुराई करने से पहले यह देख लें कि हममें तो कोई बुराई नहीं, यदि हो तो पहले उसे दूर करें,दूसरों की निन्दा करने में जितना समय देते हैं उतना समय अपने आत्मोत्कर्ष में लगायें,तब स्वयं इससे सहमत होंगे कि परनिंदा से बढ़ने वाले द्वेष को त्यागकर परमानंद प्राप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

सत्यमेव जयते

राम नरायन साहू

पूर्व संसद सदस्य (राज्य सभा)

राष्ट्रीय अध्यक्ष	:	भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
राष्ट्रीय प्रभारी	:	ट्रेड एण्ड डण्डस्ट्री प्रकोष्ठ भाजपा
पूर्व सदस्य	:	राष्ट्रीय कार्यसमिति भारतीय जनता पार्टी
मैनेजिंग डायरेक्टर	:	साहू ग्रुप ऑफ कम्पनीज

संजय साहू

प्रदेश प्रभारी : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ.प्र.

कार्यालय : शुभम् थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड कैसरबाग, लखनऊ - 226001

फोन - 0522-2628182, 4002233 (O) 0522-2302133 (R)

website: www.tailik.org

E-mail: bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

सौ वर्ष से अधिक आयु तक मनुष्य जी सकता है

मृत्यु का समय निश्चित नहीं होता। हमारे कर्म के कारण ही मृत्यु का समय निश्चित करते हैं। दिन फिर भी निश्चित नहीं होता। यदि हम नियम संयम से रहें, अपने स्वयम् के स्वरूप के समझे तथा स्वयम् अपने मन से बात करें तो हम ना कभी अस्वस्थ्य होंगे और ना ही हमारी शीघ्र मृत्यु होगी। जब हम नियम, संयम त्याग करके अनुचित आहार-बिहार के है आदी हो जाते है। तो मृत्यु कासमय स्वयम् निश्चित हो जाता है। वैध्यों के अनुसार मौसम के फल सेवन करें और अपने शरीर के अनुसार पौष्टिक पदार्थ प्रयोग करें, भोजन रूचि पूर्ण हो और खाते समय किसी प्रकार की चिन्ता तनाव न हो तो वह भोजन भली प्रकार पाचन क्रिया में जाकर शरीर को उर्जा प्रदान करता है यदि भोजन तनाव ग्रस्त या क्रोधित होकर किया जाये या दुखी भाव से खाया जाय तो वह भोजन पेट तो भर सकता है किन्तु शरीर को पुष्ट नहीं कर पायेगा।

कार्यो के अनुसार आयु का निर्धारण मनुष्य अपनी मृत्यु का जिम्मेदार स्वंम होताहै। जो लोग ईश्वर को दोष देते है उनके यह विचार पूर्ण रूप से शुद्ध नहीं है। ईश्वर किसी भी प्राणी के मृत्यु का दिन निश्चित नही करते ईश्वर ने मनुष्य के कर्म करने के लिये स्वतंत्र छोड़ दिया है और ऐसा विधान बनाया है कि व्यक्ति अपने कर्मानुसार ही अपनी आयु, अपना जीवन, अपनी मृत्यु स्वयं भोगता है। यदि हम सात्विक एवम् सुपाच्य भोजन सेवन करें तथा नियमानुसार दूध,दही फल तथा हरी सब्जियों का प्रयोग करे तो हमारा शरीर पुष्ट एवम् स्वस्थ्य रहेगा और रोग व मृत्यु कमी निकट नहीं आयेगी।

जितनी देर हम कुर्सी या गद्दी पर बैठ कर कार्य करते है उसी अनुपात से हमें प्रातः टहलना स्वास्थ्य के लिये अति उत्तम माना गया है। शराब का सेवन व्यक्ति के गुर्दे के बरबाद कर देता है तथा मानसिक उत्तेजना बढ़ाता है इस प्रकार गुर्दा खराब होने के कारण व्यक्ति अपनी मृत्यु को स्वयं निमंत्रण देता है। शराब के नशे में वाहन चलाना मौत को दावत देने के समान है और इसी के साथ-साथ पान मशाला, तम्बाकू का प्रयोग भी गले का मुह मे कैंसर जैसे रोगो को जन्म देता है।

उत्तेजनात्मक दवाईयां सेवन करने से मूत्रेन्द्रीय के आस-पास असाधय रोगो की सम्भावना बनी रहती है। इस प्रकार हम अपने कुकर्मो से ही मृत्यु का निमंत्रण देते है। बीमारी का इलाज समय पर न हो तो कभी-कभी बीमारी भयंकर रूप धारण कर लेती है। इसी प्रकार भूख लगने पर खाना न खाना तथा कुसमय भोजन करने की आदतें अल्प आयु को नियंत्रण देती है। शास्त्रों में कहा गया है कि भोजन-भजन-शयन निश्चित समय पर करना चाहिये। सारी रात जागरण करना औद दिनभर आलश्य में पड़े रहना शरीर को सिथिल कर देता है और रोगों को भी जन्म देता है। यदि हम अपनी बीमारी का इलाज त्वरित और उचित ढंग से करालें और भोजन की पाचनक्रिया को भी ठीक कर लें तो शरीर दीर्घ आयु तक स्वस्थ्य एवम निरोग रहेगा।

''मृत्यु के कारण''

दुर्घटना के द्वारा हम मुत्यु के स्वमं जिम्मेदार हैं कारण, नींद आ रही है हम फिर भी गाड़ी चला रहे हैं परिणाम स्वरूप झपकी लगते ही दुर्घटना निश्चित हो जाती है कन्याओं यदि देत रात होने पे बाहर जाती है अथवा देर से घर वापस आती है तो एकान्त स्थान पर उनके साथ भी अनहोनी घटना घट सकती है जो उनके मृत्यु का कारण बने। शरीर को आप जितना स्वस्थ्य और सुरक्षित रखना चाहें रख सकते हैं और जितना नष्ट करना चाहें कर सकते हैं। जो व्यक्ति शरीर का जितना ध्यान देगा शरीर उसके उतना ही साथ देगा । मै यह नहीं मानता कि मनुष्य को गिनती की सांसे मिली है बल्कि मैं यह मानता हूँ प्रत्येक सांस का सदउपयोग सतकर्मो द्वारा व्यक्ति को करना चाहिये जिससे शरीर मन शान्त रहे और उत्तेजना बढ़ने न पाये, सांसे भी निर्धारित गति से चलती रहे। दूध पीने से सांस की गति तेज नहीं होती और शराब पीने से सांस की गति तेज और अनयंत्रित हो जती है यही हमारे दुष्कर्म है जो हमे मृत्यु की ओर धकेलते हैं। जो बात शान्ति से सुलझ सकती हो उसके लिये झगड़ा क्यों किया जाय यदि हम किसी को नुकसान पहुँचायेंगे तो वह भी हम पर हमलाकर सकता है। हमले का बचाव हमारे अधिकार में है किन्तु किसी पर अकारण हमला करना हमारा अधिकार नहीं है झगडे से बात बढ़ कर मृत्यु तक पहुँच सकती है।

सुनियोजित जीवन, संयम का पालन करना और शान्ति तथा सदभावना के साथ सम्बन्धो का निर्वाहन आयु को बढ़ाता है। इसके विपरीत चलने वालों की आयु घटती है। यह बात शायद स्पष्ट करने में मै सफल हुआ हूँ कि मृत्यु को हम स्वयम नियंत्रण देते है, मृत्यु हमारा पीछा कभी नही करती।

''इक्यासी वर्ष जी के मैं कहता हूँ शान से।
निकलूँगा नहीं जिस्म के टूटे मकान से।
कुदरत की नियामत के निवालों को निगलकर,
सौ साल तक जियूगाँ बड़े इत्मिनान से।।

साहित्यकार- साहू मुनिलाल, उन्नाव
मो0 9838847877

मान लो तो हार, और ठान लो तो जीत।

उत्थान की वाट जोहता देश का अति पिछड़ा समाज

15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ देश आजाद होने के पश्चात् देश चलाने की चिंता हुई कि किस तरह से देश को व्यवस्थित तरीक से चलाया जाये? गांधी जी की सलाह पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने बाबा साहेब को देश का प्रथम कानून मंत्री व पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी को देश का प्रथम शिक्षा मन्त्री बनाया गया।

अनुसूचित वर्ग व अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये संवैधानिक उपलब्ध बनाये इनको सरकारी नौकरियों, से लेकर विधानसभा लोक सभा, ग्राम पंचायत, स्थानीय निकाय आदि सभी में आरक्षण मिला इन सभी का सामजिक, राजनैतिक, आर्थिक व शैक्षिक उत्थान हुआ आरक्षण की सीढ़ी पर चढ़कर इनको प्रत्येक क्षेत्र में भागीदारी मिली परन्तु पिछड़े वर्ग का वर्गीकरण काफी खराब रहा। संविधान बनाते समय पिछड़ा व एक अतिपिछड़ा वर्ग की आवश्यकता थी पिछड़े वर्ग के आरक्षण का लाभ कुछ प्रभुत्व जातियाँ ही उठा रही है पिछड़ा वर्ग में लगभग 54 जातियाँ है और इनका आरक्षण सत्ताइस प्रतिशत है लेकिन अति पिछ्ड़ी जातियाँ जोकि 40.05 प्रतिशत है इनको आरक्षण का लाभ वमुश्किल 4 से 5 प्रतिशत ही मिल पा रहा है। ये वर्ग आरक्षण से हमेशा वंचित रहा है।

14प्रतिशत प्रभुत्वशील जातियाँ हमेश इनका हक मारती रहीं है और अधिक मजबूत होती रही हैं लेकिन देश आजाद होने से लेकर आज तक सभी राजनैतिक पार्टियॉ अति पिछ्ड़ों को हक दिलाने, सम्मान दिलाने, आरक्षण का लाभ दिलाने, अनुसूचित जाति में शामिल कराने आदि का झूठा प्रलोभन देकर केवल वोट लेती रहीं है।

चुनाव नजदीक आतें है तो सभी राजनैतिक पार्टियों को इस वर्ग की जरूरत पड़ती है क्योंकि सबसे अधिक वोट 40 प्रतिशत अति पिछ्ड़ा वर्ग का है।

मोदी जी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होने से पूरे देश का अति पिछड़ा समाज अपने उत्थान के लिये जाग उठा, देश के सभी वर्गो ने सच्चाई, ईमानदारी, कर्मठता के लिये मोदी जी का साथ दिया लेकिन मोदी जी ने देश के विकास के लिये 2014 से अब तक 70योजनायें दी लेकिन अतिपिछ्ड़ों के उत्थान के लिये अभी तक कोई चिन्ता नही की।

ये अति पिछड़ा समाज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से बड़ी आशा भरी निगाहों से देख रहा है समाज के इस वर्ग के विकास व इसको मुख्य धारा में लाने हेतु इसको सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षिक आरक्षण की आवश्यकता है इनके विकास हेतु अति पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना की जाये, इस वर्ग पर हो रहे अत्याचार पर रोक हेतु अति पिछड़ा वर्ग अत्याचार निवारण अधिनियम बनाया जायें, इस वर्ग की जातियॉ जाति विशेष के व्यवसाय करती हैं इनके विकास हेतु कुटीर एवं परम्परागत उद्योगों की स्थापना हेतु अतिपिछड़ा वर्ग वित एवं विकास निगम की स्थापना की जाये। इनको पिछड़ा वर्ग के 27 प्रतिशत आरक्षण में से 17 प्रतिशत आरक्षण अलग से दिया जाये ताकि आरक्षण की सीटों पर चढ़कर ये वर्ग भी, सरकारी नौकरियों, शैक्षिक संस्थाओं, राजनीति विधानसभा, लोकसभा आदि में भी प्रतिनिधित्व पाकर अपने आपको विकास की मुख्य धारा में ला सकें।

इस अति पिछड़े समाज का देश की तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान है ये असली हिन्दुस्तानी हैं तथा देश के मूल वंशज है देश को आजाद कराने वाले देश को एक नयी दिशा देने वाले विश्व पुरूष राष्ट्रपिता महात्मा गॉधीी भी इसी अतिपिछडा समाज से थे। और आज ओजस्वी वक्ता, प्रखण्ड विद्वान, सत्य पुरूष और इस देश के भाग्य विधाता और भारत के उत्थान हेतु ईश्वर का उपहार नरेन्द्र मोदी जी भी इस अति पिछड़े समाज से है फिर भी ये अति पिछड़ा अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु संघर्षरत है।

आखिर कब होगा इस समाज का उत्थान, अभी कितना और करना होगा इन्तजार कब हटेगी इस समाज से गरीबी, कब आयेंगे इस समाज के अच्छे दिन। लेखक का अनुमान है कि यदि जिस राजनैतिक दल ने इस वर्ग के उत्थान हेतु संविधाान में कानून पारित कर सही प्रतिनिधित्व देने का काम कर दिया तो ये अति पिछड़ा वर्ग लम्बे समय तक उस राजनैतिक दल का सारथी हो जायेगा और उस दल की सरकार प्रदेश व देश में लम्बे समय तक शासन करेगी कारण इसकी चालीस प्रतिशत जनसंख्या है जो कि देश का एक बड़ा हिस्सा है।

-लेखक – मोदी पी0पी0 माथुर
बरेली
मो0 9456658248

हम तो दरिया है 'हमे' अपना हुनर मालुम है अपना रास्ता खुद बना लेगे।

माननीय नरेन्द्र मोदी ने दो साल में अनेकों योजनाओं की शुरूआत की है जिनका लाभ सीधे भारत की जनता को मिल रहा है।

1- प्रधानमंत्री जन धन योजना
2- प्रधानमंत्री आवास योजना
3- प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना
4- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
5- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
6- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
7- अटल पेंशन योजना
8- संसद आदर्श ग्राम योजना
9- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
10- प्रधानमंत्री ग्राम सिंचाई योजना
11- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना
12- प्रधानमंत्री जन औषधि योजना
13- मेक इन इंडिया
14- स्वच्छ भारत अभियान
15- किसान विकास पत्र
16- सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम
17- डिजिटल इंडिया
18- स्किल इंडिया
19- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना
20- मिशन इन्द्रधनुष
21- दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना
22- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण।
23- कौशल्या योजना
24- पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते योजना
25- अटल मिशन फॉर रेजुवेनशन एंड 26- अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत योजना)
26- स्वदेश दर्शन योजना
27- पिल्ग्रिमेज रेजुवेनशन एंड स्पिरिचुअल ऑग्मेंटशन ड्राइव (प्रसाद योजना)
28- नेशनल हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑग्मेंटन योजना (हृदय योजना)
29- उड़ान स्कीम
30- नेशनल बाल स्वछता मिशन
31- वन रैंक वन पेंशन स्कीम
32- स्मार्ट सिटी मिशन
33- गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम
34- स्टार्टअप इंडिया, स्टेन्डप इंडिया
35- डिजिलोकर
36- इंटीग्रेटेड पावन डेवलपमेंट स्कीम
37- श्याम प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन सागरमाला प्रोजेक्ट
38- 'प्रकाश पथ' वे टू लाइट
39- उज्वल डिस्कॉम असुरन्स योजना विकल्प स्कीम
40- नेशनल स्पोर्ट्स टैलेंट सर्च स्कीम
41- राष्ट्रीय गोकुल मिशन
42- पहल- डायरेक्ट बेनिफिट्स ट्रांसफर फॉर कंस्यूमर्स स्कीम
43- नेशलन इंस्टीटूशन फॉर ट्रांसफॉमिंग इंडिया (नीति आयोग)
44- प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना
45- नममि गंगे प्रोजेक्ट
46- सेतु भारत प्रोजेक्ट
47- रियल एस्टेट बिल
48- आधार बिल
49- क्लीन माय कोच
50- क्लीन माय कोच
51- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान
52- प्रधानमंत्री उज्जवल योजना।

-संकलन
उमा साहू,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महिला
लखनऊ
फोन : 9453574996

सफलता और प्रगति की मूल शर्त

किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में असफलता मिलने के कई कारण हो सकते हैं। परिस्थितियों की प्रतिकूलता, साधनों का अभाव, साथियों द्वारा असहयोग या उनके प्रतिरोध, कोई भी कारण प्रगति में अवरोध खड़े कर सकता है। सभी कारण बाहरी हैं। इन कारणों के उपस्थित होने पर न निराश होने की आवश्यकता है और न हताश होने की । बाह्य कारणों और अवरोधों को हटाया जा सकता है। मार्ग में पड़े पत्थर को लाँघकर या चट्टान पर चढ़कर आगे बढ़ा जा सकता है। नहीं बढ़ा जा सकता है तो एक ही कारण है- व्यक्तित्व की दुर्बलता। मन में यदि थोड़ा साहस हो तो इन अवरोधों को पार किया जा सकता है। प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने और उन्हें अनुकूल बनाने की सामर्थ्य मनुष्य के भीतर विद्यमान है। साधनों का अभाव भी दूर किया जा सकता है और नए साधन जुटाए जा सकते हैं। साथियों के प्रतिरोध को सहयोग में परिणत करना कोई कठिन काम नहीं हैं, पर अपना व्यक्तित्व ही दुर्बल हो तो क्या किया जा सकता है? सिवा इन अवरोधों का रोना रोते रहने के।

प्रगति-पथ में आने वाले अवरोधों और सफलता प्राप्त करने की दिशा में उत्पन्न होने वाली बाधाओं को दूर करने का एक ही उपाय है - आत्मविश्वास।आत्मविश्वास की गंगोत्री से ही शक्तिधारा निकलती है और प्रचंड पुरूषार्थ की गंगा बहती है। इस गंगा में स्नान कर ही तमाम सफल व्यक्तियों ने अपनी दुर्बलताओं के पाप धोए हैं तथा सफलता के पुण्य आनंद को प्राप्त कर सकते हैं।

आत्मविश्वास का अर्थ है- अपने आप के प्रति आस्था। यह निष्ठा कि मनुष्य अनंत संभावनाओं के बीज अपने भीतर लेकर जन्मा है। यह आस्था और निष्ठा ही श्रम, साहस तथा प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का निर्माण करती है ।

स्मरण रखा जाना चाहिए कि आत्मविश्वास का अर्थ बिना पंखों के आसमान पर उड़ने का नाम नहीं है। उसके साथ अपनी सामर्थ्य भी तोलनी पड़ती है। अपने अनुभवों, योग्यताओं और साधानों का मूल्यांकन करना पड़ता है। इस समीक्षा के साथ यह निष्कर्ष निकालना पड़ता है कि वर्तमान परिस्थितियों में किस सीमा तक कितना साहस किया जा सकता है ?और कितनी ऊँची छलाँग लगाने की अनुमति नहीं देतें हों तो फिर वैसी सामर्थ्य जुटानी होती है, उपयुक्त परिस्थितियों का निर्माण करना होता है और आवश्यक साधन जुटाने होते हैं।

यदि ऐसा नहीं किया गया और वस्तुस्थिति की उपेक्षा की गई तथा केवल हवाई महल चुनते रहा गया तो शेखचिल्ली की तरह उपहासास्पद बनना पड़ता है। शेखचिल्ली की कहानी बहुश्रुत है, जिसमें एक मजदूर ने तेल ढोने की मजदूरी से मिलने वाले पैसें से मुरगी, बकरी, भैंस खरीदकर मालदार बनने, अमीर औरत से शादी करने, बच्चा होने और बच्चे को झिड़की लगाने का सपना देखा था और बच्चे को झिड़की देने के आवेश में घड़ा फोड़ बैठा तथा रंगीन सपना गँवाकर मालिक द्वारा दुत्कारा, धमकाया और निकाल दिया गया।

बहुत से लोग इस तरह के सपने देखते हैं। कुछ आत्मविश्वास की कोरी प्रवंचना लेकर इन्हें साकार करने के लिए भी प्रयत्न करते हैं। किंतु इस उपक्रम में वस्तुस्थिति की उपेक्षा करने के कारण अंततः हाथ मलते रह जाते हैं। अस्तु, अपने आप के कारण प्रति, अपनी शक्तियों के प्रति विश्वास रखने के साथ-साथ यह भी देखना चाहिए कि जिन कारणों से प्रगति-पथ अवरू) बना हुआ है, दूसरों का सहयोग नहीं मिल रहा है, अवरोध समाने आ रहे हैं, वे क्या हैं तथा उन कारणों को किस प्रकार दूर किया जा सकता है ?स्वाभाविक ही वे कारण अपनी दुर्बलताओं के अतिरिक्त और कुछ नहीं हो सकते। अतः उन दुर्बलताओं को दूर करते हुए आत्मविश्वासपूर्वक प्रगति-प्रयास करना चाहिए। सफलता की, आगे बढ़ने की यही मूलभूत शर्त है।

-ओम प्रकाश साहू 'मुन्ना'
जिला अध्यक्ष, लखनऊ
मो0 9559999498

ईर्ष्या अथवा बदले की भावना हमे स्वंय को कमजोर बनाती है।

समाज की बेटी नेहा साहू बनी डिप्टी कलेक्टर

इन्दौर (म.प्र.) कु0 नेहा साहू का चयन एमपी पीसीएस में ग्यारहवीं रैंक हासिल कर डिप्टी कलेक्टर (सामान्य वर्ग) के पद पर चयन हुआ है।

ग्रह जनपद ग्वालियर 14-7-1990 में जन्म हुआ माता श्रीमती गीता साहू जी एक सामाजिक महिला एवंम पिता श्री हाकिम सिंह साहू सर्वरजिस्टार में पद पर राजकीय सेवा में है। सुश्री नेहा साहू ने बताया, माता+पिता, बड़ों एवंम गुरूजनों आर्शीवाद से यह सफलता हासिल हुई है। मन में दृढ़ संकल्प हों, इच्छा शक्ति प्रबल हो तो कोई कार्य नामुमिकिन नहीं होता है। अध्यन में सदैव उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करके यह सफलता हासिल की है। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा राष्ट्रीय कार्यक्रम भोपाल द्वारा प्रशस्ति पत्र एवंम शाल, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित यिका गया समाज नेहा साहू के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

-सम्पादक

आरती साहू को मिला रानीलक्ष्मी बाई पुरस्कार

साहू राठौर समाज की गौरव अद्वतीय प्रतिभा की धनी बी.बी.डी. कालेज की बी.टेक. की छात्रा कुमारी आरती साहू को उ.प्र. के मुख्य मंत्री माननीय अखिलेश यादव के कर कमलों द्वारा रानी लक्ष्मी बाई पुरस्कार से अलंकृत किया गया। यह सम्मान 19 दिशम्बर,2016 को लोकभवन नये सचिवालय, लखनऊ में प्रदान किया गया। सम्मान में एक लाख रूपये का चेक व स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र व शाल भेट की गयी कु. आरती का जन्म 12 जनवरी 1993 को जनपद अमेठी, सुल्तानपुर में श्रीमती सावित्री माता श्री वंशराज गुप्ता पिता के घर में हुआ था। अति सीमित संसाधानों से हाई स्कूल, इण्टरमीडियट तक ग्राम के विद्यालय में मिली उत्तर-प्रदेश में सम्मान प्राप्त करने वाली प्रदेश में कम उम्र कु0 आरती साहू से पूर्व किसी अन्य बालिका द्वारा कीर्तिमान स्थापित नहीं किया मातृ एवं बाल विकाश परियोजना में (डब्लू.एच.ओ) समाज सेविका द्वारा किया गया उत्कृष्ट सेवा के लिए यह सम्मान मिला है।

कु0 आरती साहू द्वारा मातृ एवं बाल विकास परियोजना (डब्लू.एच.ओ.) की गुणवत्ता का प्रचार प्रसार व समाज में प्रोत्साहन व प्रतिस्पर्धात्मक माहौल उपलब्धा कराने के किये गये सराहनीय प्रयास को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सराहना करते हुए डब्लू.एच.ओ. के क्षेत्र में रानी लक्ष्मी बाई पुरस्कार/सम्मान प्रदान किया।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा कु0 आरती साहू को गर्व महसूस करते हुये योगदान व सम्मान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए बधाई देता है और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

-सम्पादक

"मतभेदों में ना पड़िये"

संगठित हो जायें साहू बन्धुओं,
इसमें शक्ति अपार है।
बिना संगठन के ना होगा,
अपना बेड़ापार है।।
जो भी बढ़े है आगे जग में,
सिर्फ संगठन के जरिये।
बिना एकता का शक्ति क्षीण है,
मतभेदों में ना पड़िये।।
खासकर उत्तर प्रदेश में,
जहाँ बड़ा बिखराव है।
छोटी-छोटी बातों में ही
आपस में टकराव है।।

भारत के इस वृहद प्रान्त में,
शासन में प्रतिनिधित्व नहीं।
लाख छत्तीस आबादी पर भी,
अपना है अस्तित्व नहीं।।
इसके प्रति हम उदासीन क्यों,
सब मिल इसके लिए लड़े।
राष्ट्रहित में ध्यान रखकर,
इसके पीछे सभी पड़े।।
बिना संगठन के समाज में,
सम्भव है संघर्ष नहीं।
बिना सूदृढ संघर्ष के भाई,
मिला नहीं अधिकार कहीं।।
शाखा भेंद कहीं यदि है तो,
इसकों हमें मिटाना है।
आपस में मतभेद भुलाओं,
हमे संगठित यदि होना है।।

समाजिक कुरितियॉ जो फैली है,
उसका मिल परित्याग करें।
जो व्यथित है इस समाज में,
उनका मिल सब व्यथा हरें।
हुए कार्य हैं बड़े-बड़े ही,
सामुहिक सहयोग के जरिये।
गॉधी जी और दीनबन्धु के,
पद चिन्हों पर यदि चलिए।
ब्रत ले रचनात्मक कार्यो का,
समझ महत्व संगठन वर्ष की।
सेवा का यह शुभ अवसर है,
सचमुच है यह बात हर्ष की।।

-सुधाकर गुप्ता 'गुड्डू'
युवा जिलाअध्यक्ष, गोरखपुर

कविता

कल्प तरुवर

सभी चाहते हैं काम करना पडे न रंच।
कोई शक्ति आये और धनधान्य भर दे।
पद मिल जाय उच्च, ख्याति बढ़े स्वयमेव,
ईश इतना सशक्त भाग्यवान कर दे।
दु:ख छुए तक नहीं खुशियॉ कदम चूमें,
नृप सम आदर भी हर नारि-नर दे।
कर सके पल में समस्त कामनाएँ पूर्ण,
प्रभु ऐसा फलदायी कल्प तरुवर दे।।

वसुधा बने कुटुम्ब

कर जोड़ विनती हमारी प्रभु तुझसे है,
सभी नर-नारियों की बुद्धि शुद्ध कर दे।
कर दे सकल कलुषित भावनाएँ नष्ट,
और ज्ञान का प्रकाश उर मध्य भर दे।
भर दे उमंग ऐसी नित्य ही दीवाली लगे,
नीतियों से प्रेम हो अनीतियों से डर दे।
करे न कोई किसी का कभी अहित,
पूर्ण वसुधा बने कुटुम्ब ऐसा वर दे।।

-निधि राठौर
नई दिल्ली
मो0 9718922031

साख बनाने मे बीस साल लगते है, और उसे गवांने में बस पाँच मिनट।

प्रमुख समाज सेवी, लखीमपुर निवासी श्री राम औतार साहू को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत करते संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू साथ में महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू।

भाजपा के उ0प्र0 प्रभारी श्री ओम माथुर से समाज की पैरवी करते संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू।

केन्द्रीय मंत्री मा. कलराज मिश्र से वार्ता करते श्री रामनरायन साहू।

मुम्बई में युवा पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया।

श्री रामनरायन साहू जी द्वारा श्री रमाशंकर तेली को संस्था का युवा कार्यवाहक अध्यक्ष का मनोनयन–पत्र दिया गया।

केन्द्रीय गृहमंत्री मा0 राजनाथ सिंह जी से वार्ता करते श्री राम नरायन साहू।

उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के साथ श्री जवाहर लाल साहू सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, उ0प्र0।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही के साथ विजय लक्ष्मी साहू व सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता।

केन्द्रीय मंत्री सुश्री साध्वी निरंजन ज्योति के साथ विजय लक्ष्मी साहू महिला प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।

सबसे सुंदर चित्र

बहुत पुरानी बात है। एक चित्रकार दुनिया का सबसे सुदर चित्र बनाना चाहता था। वह अपने गुरु के पास गया और उसने पुछा 'गुरुदेव, संसार की सबसे सुंदर वस्तु क्या है। कृपया बताने का कष्ट करें।' उसके गुरु मुस्कुराए और बोले, 'संसार की सबसे सुंदर वस्तु है श्रृद्धा। विश्व में इससे सुंदर चीज कोई नहीं है। उस श्रद्धा के दर्शन तुम्हें प्रत्येक धर्म स्थल में हो सकते है।'

चित्रकार इस उत्तर से संतुष्ट नहीं हुआ। वह घर की ओर चल पड़ा। रास्तें में उसे एक नवविवाहिता मिली। चित्रकार ने उस स्त्री से पूछा, 'इस संसार की सबसे सुंदर वस्तु क्या है? वह कुछ सोचकर बोली, 'सबसे सुंदर वस्तु प्रेम है। यदि प्रेम हो तो गरीबी में भी समृद्धि आ सकती है। प्रेम ही ने तो इस दुनिया को जीने लायक बनाया है।' चित्रकार अब भी असंतुष्ट था। थोड़ा आगे चलने पर उसे एक सैनिक मिला। उसने उसके सामने भी अपना प्रश्न दोहराया। सैनिक ने उत्तर दिया, 'सबसे सुंदर वस्तु है शांति। यदि मन मे शांति हो तोजीवन में परम सुख रहता है। इसके आगे बाकी चीजें व्यर्थ लगने लगती हैं। अशांत मन से कोई काम नहीं हो सकता।'

चित्रकार श्रृद्धा, प्रेम और शांति के बारे में सोचता हुआ घर की ओर चल पड़ा। वह सोच रहा था कि इन चीजों को कैसे एक चित्र में उतारे। ऐसा क्या बनाए जिसमें ये तीनों चीजें एक साथ हों। थोड़ी देर में वह घर पहुंच गया। उसकी पत्नी ने मुस्कराकर स्वागत किया। बच्चे दौड़ते हुए आए और लिपट गए। अचानक चित्रकार को लगा कि वह जिस वस्तु को खोज रहा है वह तो उसके घर में ही है। उसके बच्चों की आंखों में श्रृद्धा है, पत्नी के नैनों से प्रेम की वर्षा हो रही ह। उसका घर तो शांति का एक स्थल है जो किसी दिव्य स्थान से कम नहीं। चित्रकार ने तुरंत चित्र बनाया शुरू कर दिया। उसने अपने घर को एक आकर्षक तस्वीर बनाई।

–शिव सागर साहू
सह-सम्पादक, चेतना संदेश
मोबाइल- 9452572336

मिलकर दीप जलायें

मिलकर दीप जलायें
आओं मिलकर दीप जलायें
हँसी खुसी से झूमें धरती
सबकों गले लगायें।
आओं मिलकर दीप जलायें।।
अभिलाषायें अन्तर्मन की,
पूरी हों सारे जीवन की।
एक दूजे को गले लगाकर,
खुशियाँ सारे जग की पाकर।।
हो न किसी में द्वेष भावना,
कुछ ऐसा कर जायें।
आओ मिलकर दीप जलायें।
छट जाये यह तिमिर कुहासा,
विध्न व्यधान नित नई निराशा।
हर द्वारे पर हो फुलवारी,
ऑगन में तुलसी की क्यारी।।
हर मंजरी पराग पर तितली,
सब देख जिसे हर्षायें।
आओ मिलकर दीप जलायें।।
सिर्फ न हों जगमग गलियारे,
दीप्तमान हों, हृदय हमारे।
हों सुविचार ''सरस'' कोमल रस,
और कामना है इतनी बस।।
हर घट में हो प्रेम गौमुखी,
जिसमें सब स्नेह नहायें।
आओं मिलकर दीप जलायें।।

-आचार्य शैलेन्द्र राठौर 'सरस'
हरदोई
मो. 8858565090

सच्चे मित्र को दोनों हाथ पकड़ कर रखों।

संगठन की एकता से ही राजनीति में सफलता

अधिकार तुम्हारे बन्द पड़े है, राजनीति के तालों में। विकास तुम्हारा क्या हुआ है, पिछले 66 सालों में इतिहास साक्षी है कि भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जिसकी आजादी के लिए आन्दोलन हमारे तेली समाज के महात्मा गांधी ने शुरू किया था और देश को आजादी दिलाई थी । भारत की आजादी में साहू समाज का सहयोग काफी महत्वपूर्ण रहा है। लेकिन आज तक तैलिक साहू समाज को राजनीतिक दलों में या सरकार में वह मुकाम नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। सौभाग्य से अपनी निजी क्षमता व प्रयास के बल पर नरेन्द्र भाई मोदी प्रधानमंत्री एंव रघुवरदास झारखण्ड के मुख्यमंत्री बन गए हैं।

समाज के लोग अपने को सम्मानित नहीं कर पाये हैं। जिसके कारण किसी भी बड़े राजनीतिक दलों से टिकट मिलना सम्भव नहीं हो पाता है। यदि टिकट किसी भी प्रकार के दावपेचों से मिल भी गया तो जीतने की संभावना बहुत कम होती है। ऐसा क्यों, इसका अलग-अलग कारण है। इस विषय पर चिंतन करना बहुत जरूरी है।

विभिन्न संस्थायें समाज में एकजुट होने की बजाय अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग के प्रयास में जुटी हैं परंतु पहले सभी संस्थाओं को एक मंच पर आना होगा तथा एकजुट होकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना होगा। तब ही राजनीतिक दलों की निगाहें तैलिक साहू समाज की तरफ देखने को मजबूर हो जायेंगी।

तैलिक-साहू समाज में वास्तव में सुधार करने के लिए गांव से लेकर, ब्लॉक, तहसील, जिला, प्रदेश व राष्ट्र स्तर पर संगठन व समाज को मजबूत करना होगा(तभी विकास और एकता ,आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। तैलिक-साहू समाज को राजनीति व रचनात्मक कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है। आज समाज के किसी कार्यक्रम या संघर्ष के लिए नाममात्र के लिए लोग इकट्ठा होते हैं। ऐसा क्यों?

इस पर विचार विमर्श और चिन्तन करने की आवश्यकता है। एक बड़ा कारण है । यह कि हमारे समाज के लोग सामाजिक कार्यक्रमों को महत्व नहीं देते है। राष्ट्र में अन्य समाजो के बराबर या आगे आने के लिए अपने समाज को नयी पहचान, नया मुकाम, आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए समाज के बन्धुओं को तन-मन-धन से एकजुट होना होगा।

हमारे समाज को राजनीति में आने के लिये आगामी चुनावों से पहले राष्ट्रीय दलों से पहले ज्ञापन-चर्चा के माधयम से यह पहल करनी होगी ताकि समाज के लोगों को टिकट मिलें और राजनीति में कदम रख सकें। साथ ही अपने को जनता में स्थापित करने हेतु फील्ड भी बनानी होगी । जन-संपर्क करना होगा।

आज समाज का कोई भी व्यक्ति किसी भी राजनीतिक दल का मुखिया नहीं है और न ही वह दल में बड़े पदों पर है, क्योंकि वह जमीन से जुड़ा नेता नहीं है। केवल सतही-जुबानी नेता है । जनता में लोकप्रिय नेता होना चाहिए। पत्र-पत्रिकाओं में यह नहीं होना चाहिए कि जो पत्रिका निकाल रहें है या पैसा देते है उनका केवल फोटो छापने तक सीमित न रहें। उसमें महिला, युवा वर्ग, छात्र-छात्रओं, खेल-कूद, सांस्कृतिक, विवाह योग्य युवक-युवतियों एंव विधवा-विधुर की जानकारी व लेखों का प्रकाशन होते रहना चाहिए। यह ऐसा माध्यम है जिसे प्रत्येक स्तर पर हम पहुंचा सकते हैं।

आइये ,हम सब मिलकर इन सभी बिन्दुओं पर विचार करें सुसंगठित, व्यापक, सर्वमान्य संगठन का निर्माण करें। एक अच्छी पहल करें ताकि विकसित समाज का निर्माण हो सके।

-हीरालाल गुप्ता
कोषाध्यक्ष
साहू राठौर जनकल्याण समिति
उत्तर प्रदेश
मो0 9415464619

सभ्य एवं शिष्ट जीवन के लिए आवश्यक निर्देश

शिष्टाचार का जीवन में अहम स्थान है। शिष्टाचार आईने के समान है, जिसमें मनुष्य अपना प्रतिबिंब दर्शता है। शिष्टाचार अच्छे विचारों से आता है। जिस प्रकार कोई इमारत मजबूत नींव के बिना खड़ी नहीं रह सकती, वैसे ही शिष्टाचार के बिना व्यक्ति का, समाज का और राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता।

शिष्टाचार एक संस्कार है, जिसकी नींव बचपन में ही पड़ जाती है। खूब पढ़ लिखकर भी जिस व्यक्ति में शिष्टाचार का अभाव हो, लोग उसे पढ़ा-लिखा मूर्ख ही कहेंगे और उसे समाज में सम्मान नहीं मिलेगा। शिष्टाचार द्वारा अनजान व्यक्ति भी समाज में सम्मान पाता है, वहीं शिष्टाचार रहित व्यक्ति परिजनों द्वारा भी दुत्कारा जाता है।

शिष्टाचार के कुछ प्रमुख सूत्र इस प्रकार है-

1. अपने जज़्बातों पर काबू पाना हालांकि कठिन काम है, परंतु फिर भी जब किसी से मिलें तो अपने क्रोध, तनाव व परेशानियों को भुलाकर दिल से मुस्कराते हुए मिलिए।
2. हाथ-पैरों के सभी नाखून हमें काटकर रखने चाहिए, गंदे व बेढंगे नाखून हमारे व्यक्तित्व के नकारात्मक पक्ष का परिचय देते हैं।
3. नकारात्मक सोच को त्यागकर अपनी विचारधारा में सकारात्मक विचारों की क्रांति लायें।
4. बड़ों का सदैव आदर-सम्मान करें। अपने सहभागी व साथियों के प्रति सदैव प्रेम व सहयोगपूर्ण नजरिया रखें जो स्वार्थ से परे हो।
5. किसी की आलोचना न करें। किसी को हीन न समझे और उसको नीचा दिखाने की चेष्टा न करें।
6. कभी किसी की वस्तु न मांगे। यदि मांगना आवश्यक हो तो समय से वापस भी कर दें।
7. बात उतनी ही करें जितनी आवश्यक हो। झूठ न बोलें। झूठा वादा न करें। इंकार करने की स्थिति में नम्रतापूर्वक इंकार कर दें।
8. अवसर के अनुरूप ही बात करें। दूसरे की बात ज्यादा सुनें, अपनी बात कम करें।
9. किसी दूसरे की अनुपस्थिति में उसकी बुराई न करें।
10. आवेश से बचें। कई बार आवेश में बात निकल जाती है तो पछताना पड़ता है।
11. कुछ भी कहने से पहले उस पर पहले सोच विचार अवश्य कर लें।
12. हमेशा सीधे बैठें। रीढ़ की हड्डी सीधी रखते हुए बैठने वाला व्यक्ति अधिक उत्साही व स्वस्थ प्रतीत होता है।
13. कान,नाक व मुंह में उंगली डालते रहना तथा बातचीत करते समय ऐसा करना अशिष्टता का ध्योतम है।
14. आप अपनी बात को किसी तरीके से कहते हैं, इस पर भी ध्यान दें।
15. प्रभावी व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि उन्हें बोलने से ज्यादा काम करके दिखा देने में भरोसा रहता है। जो उन्हें औरों से अलग करता है तथा सफलता के समीप पहुंचाने में मददगार साबित होता है।

शिष्टाचार व्यक्ति को फर्श से अर्श तक पहुंचा सकता है, कठिनतम कार्य को आसान बना सकता है और अंधेरे में भी आशा की किरण दिखा सकता है। कोई भी व्यक्ति अपने को सम्पूर्ण रूप से श्रेष्ठ नहीं बना सकता। परंतु प्रत्येक इंसान में कोई न कोई विशेषता अवश्य होती हे। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपनी खूबियों को हरदम विकसित करते रहना चाहिए।

-मुकुल कुमार साहू
मो0 8004906262

जो ईश्वर को महत्व न देकर संसारी विकारों को और संसारी कर्मो को महत्व देते है। वे अभागे हैं।

साहू राठौर भवन सहयोगी बन्धुओं के नाम जनपद व सहयोग राशि

क्र0 सं0	नाम	जनपद	धनराशि
1	श्री एम.एल.गुप्ता	इलाहाबाद	20000
2	श्री मेवालाल गुप्ता	इलाहाबाद	21000
3	श्री प्यारे लाल गुप्ता	इलाहाबाद	1050
4	श्री शिव कुमार गुप्ता	इलाहाबाद	1000
5	श्री बीरेन्द्र कुमार गुप्ता	इलाहाबाद	11000
6	श्री संतोष कुमार साहू	इलाहाबाद	11000
7	श्री कमला शंकर साहू	इलाहाबाद	21000
8	श्री बिन्धवासिनी गुप्ता	इलाहाबाद	1000
9	– – – – –		
10	श्री सर्वेश साहू	आजमगढ़	1000
11	श्री राकेश साहू	आजमगढ़	1000
12	श्री विपिन साहू	आजमगढ़	5000
13	श्री मनोज कुमार गुप्ता	आजमगढ़	1000
14	श्री सोनी साहू	आजमगढ़	1000
15	श्री रामआसरे गुप्ता	आजमगढ़	1000
16	श्री दिनेश चन्द्र साहू	आजमगढ़	1000
17	श्री संजय कुमार गुप्ता	आजमगढ़	1100
18	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	आजमगढ़	25000
19	श्री श्याम सुन्दर साहू	आजमगढ़	2100
20	श्री राजेश गुप्ता	आजमगढ़	1000
21	श्री रामेशवर गुप्ता	आजमगढ़	1000
22	श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता	आजमगढ़	2100
23	श्री राजेश कुमार गुप्ता	आजमगढ़	1000
24	श्री धर्मेन्द्र प्रसाद गुप्ता	आजमगढ़	2100
25	डॉ.पी.पी.माथुर	बरेली	5100
26	श्री प्रदीप जैसवाल	बरेली	2100
27	श्रीमती माया गुप्ता	बरेली	2100
28	इंजी.सेवाराम राठौर	बरेली	11000
29	श्री रविन्द्र सिंह राठौर	बरेली	25000
30	श्री धर्मवीर साहू	बरेली	1100
31	श्री मोहन प्रकाश/सोहन प्रकाश	बरेली	500
32	श्री मुन्नालाल साहू	बरेली	1000
33	श्री मुन्नालाल राठौर	बरेली	5100
34	श्री आनन्द साहू	बरेली	11000
35	श्री धर्मेन्द्र राठौर	बरेली	500
36	श्री चन्द्रसेन राठौर	बरेली	1100
37	श्री दिनेश कुमार साहू	बरेली	5100
38	श्री भगवत सरन साहू	बरेली	1100
39	श्री गुलाब सिंह राठौर	बदाँयू	2100
40	श्री तुलाराम राठौर	बदाँयू	1100
41	श्री बृजेश कुमार राठौर	बदाँयू	2100
42	श्री दिनेश कुमार साहू	बदाँयू	2100
43	श्री मनोज मोदी	बदाँयू	2100
44	श्री सर्वेश कुमार राठौर	बदाँयू	2100
45	श्री बहोरनलाल राठौर	बदाँयू	2100
46	श्री उमेश प्रताप गुप्ता	बहराइच	1100
47	श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता	बहराइच	5100
48	श्री जियालाल साहू	बहराइच	2500
49	श्री मंगल प्रसाद साहू	बहराइच	1100
50	श्री बनारसीलाल साहू	बहराइच	1100
51	श्री विजय साहू	बहराइच	2100
52	श्री जयराम वर्मा	बहराइच	1100
53	श्री शिवदयाल साहू	बहराइच	1100
54	श्री रमेश जायसवाल	बहराइच	2100
55	श्री रमेश चन्द्र राठौर	बहराइच	2100
56	श्री गौरव गाँधी	बहराइच	2100
57	श्री कमलेश कुमार साहू	बहराइच	5100
58	श्री दीपनारायन साहू	बहराइच	51000
59	श्री बसन्त लाल साहू	बहराइच	25000
60	श्री अरविन्द साहू	बहराइच	50000
61	श्री रविशंकर गुप्ता	बाराबंकी	1100
62	श्री संतोष कुमार साहू	बांदा	11000
63	श्री रमेश कुमार साहू	बांदा	25000
64	श्री राजीव गुप्ता	देवरिया	2000
65	श्री ध्रुव कुमार गुप्ता	देवरिया	5000
66	डॉ.बी.बी.साहू	फैजाबाद	5100
67	श्री रामजीत साहू	फैजाबाद	2551

परहित के लिए थोड़ा सा काम करने से भी, अन्दर की आत्मिक शक्तियाँ जागृत होने लगती है।

क्र0 सं0	नाम	जनपद	धनराशि
68	डॉ.आनन्द साहू	फैजाबाद	11000
69	श्री अजय साहू	फैजाबाद	5000
70	श्री राजेश साहू	फतेहपुर	51000
71	श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू	फतेहपुर	25000
72	श्रीमती शोभा साहू	फतेहपुर	5000
73	श्री जयशंकर साहू	फतेहपुर	2100
74	श्री धर्म राज साहू	फतेहपुर	1100
75	श्री रामनाथ साहू	फतेहपुर	2100
76	श्रीमती राधा साहू	फतेहपुर	11000
77	श्री सोमनाथ साहू	फतेहपुर	500
78	श्री राजेन्द्र प्रसाद साहू	फतेहपुर	2100
79	इंजी. पवन गुप्ता	गोरखपुर	11000
80	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	गाजीपुर	12000
81	श्री विनोद कुमार राठौर	हरदोई	21000
82	श्री योगेन्द्र कुमार साहू	हमीरपुर	10000
83	श्री चन्द्रसेन गुप्ता	जौनपुर	11000
84	श्री राम आसरे साहू	जौनपुर	7500
85	श्री अरविन्द कुमार राठौर	जौनपुर	5000
86	श्री अशोक साहू	जौनपुर	1000
87	श्री ऋषि देव	जौनपुर	2100
88	श्री रमेश चन्द्र गुप्ता	जौनपुर	1000
89	श्री अनिल कुमार गुप्ता	जौनपुर	5000
90	श्री संतोष कुमार साहू	जौनपुर	1100
91	श्री अशोक कुमार साहू	जौनपुर	1100
92	श्री कैलाश नाथ साहू	जौनपुर	1100
93	श्री विनोद कुमार साहू	जौनपुर	1100
94	श्री अश्वनी कुमार बैंकर	जौनपुर	1100
95	श्री शैलेन्द्र कुमार बैंकर	जौनपुर	1100
96	श्री ननकऊ प्रसाद साहू	जौनपुर	11000
97	डॉ.शिवपूजन गुप्ता	जौनपुर	1000
98	श्री घनश्याम साहू	जौनपुर	2100
99	श्री जियालाल साहू	जौनपुर	2100
100	श्री अशोक कुमार गुप्ता	जौनपुर	1000
101	श्री संजय कुमार साहू	जौनपुर	1000

क्र0 सं0	नाम	जनपद	धनराशि
102	श्री प्रदीप कुमार साहू	जौनपुर	1000
103	श्री लाल जी साहू	जौनपुर	5000
104	श्री महेन्द्र कुमार साहू	जौनपुर	1100
105	श्री बिनोद कुमार साहू	जौनपुर	1100
106	श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता	जौनपुर	10000
107	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	जौनपुर	10000
108	श्री जगदीश चन्द्र साहू	कानपुर	1100
109	श्री कमलापति साहू	कानपुर	11000
110	श्री समरजीत साहू	कानपुर	1100
111	श्री विजयपाल साहू	कानपुर	5000
112	श्री सीताराम साहू	कानपुर	11000
113	श्री राजेश कुमार साहू	कानपुर	1100
114	श्री प्रेम चन्द्र साहू	कानपुर	5000
115	श्री शिवदयाल गुप्ता	कानपुर	2100
116	श्री पन्नालाल साहू	कानपुर	1100
117	श्री सन्त लाल साहू	कानपुर	501
118	श्री शिव प्रसाद साहू	कानपुर	1100
119	श्री ओम प्रकाश साहू	कानपुर	1100
120	श्री सन्तोष साहू	कानपुर	500
121	श्री उमाशंकर साहू	कानपुर	5100
122	श्रीलाल बहादुर साहू	कानपुर	1100
123	डॉ. अवधेश साहू	कानपुर	1100
124	डॉ.बाबू राम साहू	कानपुर	500
125	श्री रमेश चन्द्र साहू	कानपुर	1100
126	श्री अखिलेश कुमार साहू	कानपुर	2100
127	श्री अनिरूद्ध कुमार साहू	कानपुर	1500
128	श्री संतोष कुमार राठौर	कानपुर	2100
129	श्री राजेन्द्र कुमार साहू	कानपुर	1100
130	श्री दिवगपाल साहू	कानपुर	1100
131	श्री राजाराम साहू	कानपुर	1100
132	श्री के.के.साहू	कानपुर	1100
133	श्री आर.एस.गुप्ता	कानपुर	4000
134	श्री धनीराम गुप्ता	कानपुर	2100
135	श्री रघुवंश लाल साहू	कानपुर	1100

क्र0 सं0	नाम	जनपद	धनराशि
136	श्री नरेश कुमार साहू	कानपुर	5000
137	श्री पदम साहू	कानपुर	5000
138	श्री इन्द्रजीत साहू	कानपुर	50000
139	श्री संतोष कुमार साहू	कानपुर	50000
140	डॉ. दिनेश साहू	कानपुर	50000
141	डॉ.बी.कुमार साहू	कानपुर	21000
142	श्री विजय साहू	कानपुर	1100
143	श्री आशीष कुमार साहू	कानपुर	11000
144	श्री विनोद कुमार गुप्ता	कानपुर	20000
145	श्रीमती शिवानी गुप्ता	कानपुर	11000
146	श्री सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता	कुशीनगर	51000
147	श्री शिवशंकर गुप्ता	लखनऊ	11000
148	श्री काशी प्रसाद गुप्ता	लखनऊ	5100
149	श्री जवाहरलाल साहू	लखनऊ	11000
150	श्री राजकिशोर साहू	लखनऊ	5000
151	श्री बी.पी.जायसवाल	लखनऊ	5000
152	डॉ.एस.के माथुर	लखनऊ	11000
153	श्री राम गुप्ता जी	लखनऊ	500
154	डॉ.भक्त राजशास्त्री	लखनऊ	1100
155	श्री बालेश्वर गुप्ता जी	लखनऊ	5100
156	श्री गोविन्द साहू	लखनऊ	1100
157	श्री पारसनाथ गुप्ता	लखनऊ	2500
158	श्री रामहित गुप्ता	लखनऊ	10000
159	श्री रामआसरे साहू	लखनऊ	11000
160	श्री अशफीला साहू	लखनऊ	1110
161	श्री ओम प्रकाश साहू	लखनऊ	5100
162	श्री संजीव कुमार राठौर	लखनऊ	1100
163	श्री शंकर लाल साहू	लखनऊ	25000
164	साहू लैण्डमार्क	लखनऊ	184000
165	डॉ.सागर साहू	लखनऊ	10000
166	डी.सी.गुप्ता	लखनऊ	25000
167	श्री अमित गुप्ता	लखनऊ	50000
168	श्री लाल बहादुर गुप्ता,रामकरन	लखनऊ	51000
169	डॉ.प्रदीप कुमार गुप्ता	लखनऊ	15000

क्र0 सं0	नाम	जनपद	धनराशि
170	जेमनी क.प्रा.लि.	लखनऊ	50000
171	साहू ऐजन्सी	लखनऊ	50000
172	सन्नी मोटर्स	लखनऊ	66000
173	श्री सुभाष साहू	लखनऊ	150000
174	साहू राठौर चेतना समिति	लखनऊ	500000
175	श्री प्रकाश गुप्ता	लखनऊ	25000
176	श्री आनन्द कुमार साहू	लखनऊ	11000
177	श्रीमती माधवी गुप्ता	लखनऊ	50000
178	डॉ.आर.सी.गुप्ता	लखनऊ	2500
179	श्री योगेन्द्र कुमार	लखनऊ	11000
180	श्री शिवमोहन साहू	लखनऊ	5100
181	श्री मनोज कुमार साहू	लखनऊ	5000
182	श्री अनिल कुमार साहू	लखनऊ	500
183	श्री सचिन साहू	लखनऊ	1000
184	श्री अजय कुमार साहू	लखनऊ	500
185	श्री सुजीत कुमार साहू	लखनऊ	500
186	श्री बिनोद कुमार साहू	लखनऊ	1000
187	श्री मुकेश कुमार साहू	लखनऊ	1000
188	श्री लाल जी साहू	लखनऊ	500
189	श्री बनवारी लाल	लखनऊ	5100
190	श्री प्रदीप कुमार साहू	लखनऊ	500
191	श्री मनोज कुमार साहू	लखनऊ	500
192	श्री सुरेश गुप्ता	लखनऊ	500
193	श्री राजेश गुप्ता	लखनऊ	500
194	श्री हरिश चन्द्र साहू	लखनऊ	500
195	श्री सुरेन्द्र गुप्ता	लखनऊ	500
196	श्री बिजेन्द्र सिहं राठौर	लखनऊ	500
197	श्री प्रदीप कुमार साहू	लखनऊ	500
198	श्री आर.एन.साहू	लखनऊ	500
199	श्री किशन साहू	लखनऊ	500
200	श्री अनूप साहू	लखनऊ	500
201	श्री प्रदीप कुमार राठौर	लखनऊ	500
202	श्री उमेश कुमार गुप्ता	लखनऊ	500
203	श्री अवधेश कुमार गुप्ता	लखनऊ	500

सभी समस्याओं का समाधाान सभी विफलताओं का अंत और सभी सफलताओं की कंजी है। भगवान में विश्रांति पाना।

क्र0 सं0	नाम	जनपद	धनराशि
204	श्री गंगासागर साहू	लखनऊ	500
205	श्री रामचन्द्र गुप्ता	लखनऊ	2100
206	श्री विशाल साहू	लखनऊ	500
207	श्री जितेन्द्र माथुर	लखनऊ	25000
208	श्रीमती अर्चना साहू	लखनऊ	25000
209	श्रदूल कुमार साहू	लखनऊ	500
210	श्री प्रकाश वैश्य	लखनऊ	500
211	श्री अभिषेक साहू	लखनऊ	500
212	श्री अश्वनी कुमार साहू	लखनऊ	500
213	श्री अनुज कुमार गुप्ता	लखनऊ	500
214	श्री नन्द किशोर साहू	लखनऊ	500
215	श्री गोविन्द नारायण साहू	लखनऊ	500
216	श्री राजकिशोर	लखनऊ	1101
217	श्रीमती अनीता साहू	लखनऊ	500
218	श्रीमती किरन साहू	लखनऊ	1000
219	श्री नीरज साहू	लखनऊ	500
220	श्री राजेन्द्र कुमार साहू	लखनऊ	500
221	श्री शिवचन्द्र साहू	लखनऊ	500
222	श्री रंजीत साहू	लखनऊ	500
223	श्रीमती शैलजा साहू	लखनऊ	500
224	श्री प्रभुदयाल साहू	लखनऊ	1100
225	श्री मनोज कुमार साहू	लखनऊ	1100
226	श्री सुभाष चन्द्र साहू	लखनऊ	1100
227	श्री होलीराम साहू	लखनऊ	1100
228	श्री अवनीन्द्र शुक्ला	लखनऊ	1100
229	श्रीमती सुनीता साहू	लखनऊ	500
230	श्री श्याम किशोर साहू	लखनऊ	500
231	श्री ज्ञान प्रकाश साहू	लखनऊ	500
232	श्री अमित साहू	लखनऊ	500

क्रमशः अगले अंक मे-

महात्मा गांधी जी जय हो जय हो! जय हो!

दे ही हमे आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने महात्मा गांधी की जन्मतिथि 2 अक्टूबर को 'अहिंसा दिवस' घोषित कर बहुत ही उच्च सम्मान दिया है। हम सभी भारतीयों तथा गांधी, मोढ़, मोदी, साहू स्वजातीयों के लिये यह अत्यंत ही गर्व की बात है। विश्व का सबसे शक्तिशाली भवन व्हाईट हाउस के सामने के उन्नतम मार्ग को भी महात्मा गांधी मार्ग बना दिया है। तथा प्रमुख चौराहे पर उनका पुतला स्थापित कर दिया गया है। लंदन में भी यह उच्च सम्मान प्राप्त है।

भारतवर्ष में प्रायः हर नगर, शहर गांव के प्रमुख चौराहे पर महात्मा गांधी का पुतला है तथा प्रमुख मार्ग का नाम महात्मा गांधी मार्ग रखा गया है। यहां तक कि भारत सरकार के 5 से लेकर 2000 तक के नोटों में महात्मा गांधी की तस्वीर है शिक्षा शास्त्र में गांधी शिक्षा व दर्शन को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास में उनका योगदान अमूल्य है तथा उनका वक्तव्य प्रेरणा स्पद है। उनकी सूक्तियां आज भी उदधृत की जाती है। सच्चे देश सेवक व हिन्दी प्रचारक उनके प्रभाव से आज भी ओत-प्रोत हैं, उर्जावान हैं।

उनकी इतनी बड़ी ख्याति से हमे, हमारे समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए। आहिंसा दिवस को लोकप्रिय बनाने हेतु साहू वैश्य समाज को आगे आना चाहिये।

20.01.1946 को महात्मा गांधी ने स्वयं कहा था- मै तेलधानी से संबंध रखनेवाला सब काम तो कर ही लूंगा परंतु मै 15-20 रूपये कमाने वाला तेली नही बनूंगा। मै तो महात्मा तेली बनूंगा। महात्मा मैने विनोद में इस्तेमाल किया है। इसका अर्थ केवल यह है कि अपने तेलीपन में इतनी सिद्धि डालूंगा कि गांव वाले आश्चर्यचकित हो जायेंगे। मै गीता पढ़ने वाला, कुरान-शरीफ पढ़ने वाला लड़कों को शिक्षा देने वाला शक्तिमान तेली बनूंगा। यह मेरी समग्र सेवा की कल्पना है।

-ललित राठौर,
प्रदेश अध्यक्ष, उत्तराखण्ड
मो0 09690455226

कैसी भी परिस्थिति आयें, अपने चित को क्षमता में रखना इसके बराबर कोई शान्ति नहीं है।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha (Reg.)

सम्पर्क कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ-226001
Office : Shubham Building, Cantt. Road, Kaisarbagh, Lucknow-226001

सहयोगी सदस्यता स्वीकृति-पत्र

सेवा में,

राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड

कैसरबाग, लखनऊ-226001

मान्यवर,

मैं साहू राठौर महासभा द्वारा चलाये जा रहे समाजोत्थान कार्यो से प्रभावित हूँ अतः इस महान यज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु विशिष्ट सदस्यता (3वर्ष हेतु) रू0 500/-, आजीवन सदस्यता (15 वर्ष हेतु) रू0 1500/-, संरक्षक सदस्यता (आजीवन) रू0 2100/-में से...सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करें।

नाम श्री/श्रीमती..

पिता/पति का नाम...

जन्म तिथि...वर्तमान व्यवसाय/नौकरी/अन्य सेवा

कार्य... पता (निवास) ....

....कार्यालय :..पिन कोड........................

फोन.............................मोबाइल...ई-मेल (यदि हो तो)..

.... शैक्षिक योग्यता...अभिरूचि..

..................सदस्यता शुल्क विवरण.. ....

....(चेक/मनीआर्डर/डी.डी.) पूरा उल्लेख करे।

स्थान : ....

दिनाँक : ....

सदस्य के हस्ताक्षर

(नोटः सदस्यता पूर्ण विवरण हेतु फार्म के पीछे अवश्य पढ़े।)

आदरणीय स्वजातीय बन्धु सादर नमस्कार !

मुझे इस सत्यता का भरपूर आभास है कि आप सभी के हृदय में समाजोत्थान की एक ललक व मन में पीड़ादायक एक टीस अवश्य समाई हुई है जिसके कारण आप समाज कार्यों में सहभागी बनकर अपने कर्त्तव्य के प्रति सचेष्ट हैं। आपके सामने एक कल्पना है, एक सपना है, एक योजना है ताकि सामाजिक उन्नति के बल पर आप अपने बच्चों का सर्वागीण विकास सुनिश्चित कर सकें ताकि भावी पीढ़ी को उत्तरोत्तर उन्नति करने का सुअवसर प्राप्त हो सके।

यह सुखद संयोग है कि 'उ0प्र0 साहू राठौर चेतना समिति जोकि भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा' की संस्थापक प्रान्तीय इकाई है, का कार्य विगत 1989 से सतत् रूप से चल रहा है। समिति के कार्य की यह निरन्तरता विशेष महत्वपूर्ण है। यह मेरी अपनी अवधारणा है कि सामाजिक संगठन किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। समाज की उन्नति में तो सभी की सहभागिता, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता का उपयोग व सहयोग होना चाहिए। हम इस समाज के अभिन्न अंग हैं अतः इस गुरूतर दायित्व के लिए हमें ही आगे आना होगा।

परन्तु यह सत्यता भी निर्विवादित है कि संगठन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए आर्थिक तंत्र को सबल रखना भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक कदम पर धन की आवश्यकता होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये सामाजिक बन्धुओं के मध्य सदस्यता अभियान प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ है।

सदस्यता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी

(1) विशिष्ट सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 500/-(पाँच सौ मात्र निर्धारित की गई है)। प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के समय विशिष्ट सदस्य को वोट देने का अधिकार होगा। रसीद कटने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक यह मान्य रहेगी। समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(2) आजीवन सदस्यता - इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 1500/- (एक हजार पाँच सौ मात्र) निर्धारित की गई है। रसीद कटने की तिथि से आगामी 15 वर्षों तक सदस्यता मान्य रहेगी। ऐसे आदरणीय सदस्य को समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(3) संरक्षक सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि रू0 2100/- (दो हजार एक सौ मात्र) सम्पूर्ण जीवन काल के लिए निर्धारित की गई है। सम्पूर्ण जीवन काल के लिए ऐसे आदरणीय सदस्य का समाजहित में सहयोग चिर स्मरणीय रहेगा। समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका स्वाभाविक रूप से आजीवन निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

अन्त में इसी दृढ़ विश्वास के साथ यह अनुरोध पत्र भेजा जा रहा है कि समाजोत्थान के इस यज्ञ में आपकी आर्थिक सहभागिता अवश्य प्राप्त होगी।

विशेष : इस पत्र के साथ सदस्यता स्वीकृति पत्र प्रेषित है।

सादर,

भवदीय

(गांधी रामनरायन साहू)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

हिन्दुस्तान 18
लखनऊ • रविवार • 25 दिसम्बर 2016

राजकाज

देश को आर्थिक महाशक्ति बनाएंगे : राजनाथ

जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, रविवार, 2 अक्टूबर, 2016

गांधी जयंती पर गोष्ठी आज

...गुप्ता, जयकिशन साहू, सीएल साहू, तीर्थ लाल गुप्ता, चुन्नीलाल साहू, राजेन्द्र साहू, मुन्ना लाल गुप्ता, दिलीप साहू, केशव राम राठौर, मुन्ना लाल गुप्ता, डा. राजेश गुप्ता, विजय लक्ष्मी, प्रदेश महिला महामंत्री अर्चना साहू, कैलाशराम साहू, शम्भिका प्रसाद साहू, मोहन लाल गुप्ता, उमाशंकर साहू, कमलेश राठौर, संतोष साहू, बिन्देश्वरी साहू और डा. शिव साहू ने सम्बोधित करेंगे। गोष्ठी का संचालन प्रदेश संगठन मंत्री रमाशंकर गुप्ता करेंगे।

कांग्रेस ले रही दागियों और भगोड़ों का सहारा : रामनारायण

...भगोड़ों का सहारा रह गया है। प्रदेश अध्यक्ष सिने अभिनेता रहे राजबब्बर के बारे में कहा कि राजबब्बर भीड़ तो बढ़ा सकते है लेकिन भीड़ कभी वोट में तब्दील नही होती। प्रदेश की जनता ने लोकसभा चुनाव में ही कांग्रेस और अन्य दलों को इस बात का आभास करा दिया था कि देश में मोदी से बेहतर नेतृत्व और कोई नही दे सकता। कांग्रेस ने जो नई टीम बनाई है वह नई बोतल में पुरानी शराब के अलावा कुछ नही। उन्होंने कहा कि युवाओं और कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर कांग्रेस अब अपनी बेहतरी का ख्वाब छोड़ दें। श्री साहू ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रह... आयु का औसत 18 से 25 है ऐसे में 78 साल की मुख्यमंत्री प्रत्याशी की घोषणा कर कांग्रेस ने युवा वर्ग की उपेक्षा की है। सौ करोड़ के टेंकर घोटाले एवं इनकी सरकार के दौरान हुए कॉमनवेल्थ घोटाले को लेकर जनता के चुभते सवालों का सामना भी कांग्रेस को करना पड़ेगा।

इसके अलावा कांग्रेस से रुठे 1988 में जनतादल और फिर 1999 में भाजपा का दामन थामने वाले संजय सिंह का इतिहास भी कांग्रेस को देखना चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसा न हो कि इस चुनाव में इन नेता की टीम के चलते कांग्रेस का यूपी से नामों निशान खत्म हो जाए।

प्रभात
लखनऊ, बुधवार, 21 दिसम्बर 2016

साहू समाज का नाम रोशन करेगी आरती : रामनारायण

लखनऊ। प्रभात

भारतीय तैलिक साहू, राठौर महासभा ने आज अमेठी में जन्मी बीबीडी कालेज बीटेक की छात्रा आरती साहू को प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए रानी लक्ष्मी बाई पुरस्कार के बाद समाज की तरफ से सम्मानित किया। गत 19 दिसम्बर को प्रदेश सरकार ने आरती साहू को एक लाख का चेक, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया था। आरती को यह पुरस्कार विश्व स्वास्थ्य संगठन बाल विकास परियोजना में विशेष कार्य के लिए मिला है। भारतीय तैलिक साहू, राठौर महासभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि आज भारतीय तैलिक साहू, राठौर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद रामनारायण साहू ने आरती के सम्मान से पूर्व कहा कि हमारे समाज में प्रतिभाओं की कमी नही है। बस जरूरत इस बात की है कि उन पर हमें नजर डालनी होगी। उन्होंने कहा कि यह केवल आरती या उनके परिवार का सम्मान नही बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है।

हिन्दुस्तान
लखनऊ • शुक्रवार • 28 अक्टूबर 2016

तैलिक महासभा का सम्मेलन मैसूर में

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा का अगला राष्ट्रीय सम्मेलन मैसूर में होगा। यह फैसला गुरुवार को शुभम सिनेमा थियेटर में आयोजित महासभा की कोर कमेटी ने लिया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम नारायण साहू ने कहा कि सम्मेलन में हर प्रान्त से 100-100 प्रतिनिधि बुलाए गए हैं।

हिन्दुस्तान
सोमवार • 25 जुलाई 2016

जागरूकता के लिए निकालेंगे रथयात्रा

लखनऊ। समाज को जागरूक करने के लिये भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा जल्द प्रदेशभर में रथयात्रा निकालेगी। यह जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण साहू ने दी। वह रविवार को गांधी प्रेक्षागृह में महासभा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि राजधानी में बनाये जाने वाले साहू भवन के लिये 32 लाख कीमत से जमीन खरीद कर ली गई है। इस भूमि पर पूजन के बाद आधुनिक सुविधायुक्त भवन का शीघ्र निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिये स्वजातीय बंधुओं से बायोडाटा देने की अपील की। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डीसी गुप्ता व प्रदेश महामंत्री सेवाराम राठौर सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

हलचल

साहू समाज का सम्मेलन एमपी में

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा कोर कमेटी की बैठक सोमवार को शुभम सिनेमा थियेटर में आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद राम नारायण साहू ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के 17 और 18 दिसम्बर को मध्य प्रदेश की राजधानी में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने तेली समाज का विश्व स्तर पर मान बढ़ाया

मासिक बैठक

समाज के लोग पीएम से सीख लें, भातैसारा महासभा की युवा कार्यकारिणी घोषित

लखनऊ। तैलिक, साहू, राठौर और गुप्ता समाज के लोगों की अन्य समाज के लोगो की राजनैतिक भागीदारी उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है। समाज के लोगों को भारत के यह बात ध्यान रखनी होगी कि आजाद भारत के इतिहास में पहला ऐसा प्रधानमंत्री मिला है जो कर्तव्य परायण है। ऐसे प्रधानमंत्री ने तेली समाज का विश्व स्तर पर मान बढ़ाया है। समाज के लोगों को प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेनी चाहिए, उनसे सीखना चाहिए कि वे चाय बेच कर आज भारत जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के प्रमुख पद पर है। उन्होंने नोट बंदी पर कहा कि इससे सभी को तकलीफ है, लेकिन यह भी याद रखना होगा कि किसी बीमारी से निपटनरे के लिए आपरेशन का सहारा लेना पड़ता है और आपरेशन में पीड़ा होती है। उन्होंने मासिक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आगामी विधानसभा चुनाव में भागीदारी के मुद्दे पर कहा कि आप अगर सक्षम है आपको लगता है कि आप जीत सकते है तो निश्चित ही महासभा आपका हर स्तर पर सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग चुनाव में लड़े। उन्होंने कहा कि समाज की महिलाओं को उच्च शिक्षा दिलाकर हम उन्हें अपने पैरो पर खड़ाकर दो परिवारों का सम्मान बढ़ाते है। इसलिए महिलाओं का सशक्कतीकरण बहुत जरूरी है। उनकी राजनैतिक भागीदारी को भी बढ़ाना होगा। बैठक में उन्होंने भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की युवा कमेटी को उनके नियुक्ति पत्र देकर समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि युवा ही देश के विकास की रीढ़ है।

स्पष्ट आवाज़ 2
शुक्रवार, 19 अगस्त 2016

आतंकवाद पर केन्द्र का निर्णय सराहनीय: साहू

लखनऊ। आतंकवादी बुरहान हानी के मौत के बाद पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल बढ़ रहे आतंकी संगठनों के कर्ताधर्ता बौखला है। इसका जबाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक और निर्णय की सराहना करते हुए पूर्व सांसद और भाजपा कार्य विशेष आमंत्रित सदस्य रामनारायण साहू ने कहा कि पाक के नापाक रवैया पर केन्द्र का निर्णय सार्थक और दूरगामी है। उन्होंने प्रधानमंत्री के पाक सरकार के प्रति अपने दो टूक निर्णय को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि जल्द ही मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पाक को बेनकाब कर देगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए जो कुछ श्री मोदी ने कहा उसका सीधा सा अर्थ था कि वह आम से लेकर खास सभी के बारे में बारीकी से काम कर रहे है। श्री साहू ने कश्मीर में अशांति को पाक प्रायोजित आतंकवाद का परिणाम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद से पूरी सख्ती से निपटेगा और कानून के शासन के प्रति भारत की प्रति... को विरोधी ताकतों को भारत की क... नहीं समझना चाहिए। केन्द्र कश्मीर के... का संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के अ... स्थायी और शांतिपूर्वक हल के लिए प्र... है। इसके लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी द्वारा दिखाये गये मार्ग का अ... किया जा रहा है। आतंकी बुरहान ... मौत के बाद से ही पाक और वहां के... संगठन लगातार कश्मीर को लेकर ब... कर रहे हैं। सईद भारतीय सेना को व... आके वरना उसे पछताने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले महीने आतंकी सईद ने धमकी दी... कश्मीर में चल रहे प्रदर्शन और ज... होंगे और वहां मरने वालों की कुर्बानी नहीं जाएगी। उन्होंने हाफिज के इस बयान को पाक की जनता को बरगल... बयान बताते हुए कहा कि श्री मोदी की सरकार ऐसे तत्वों से निपटने के... तरह तैयार है।

5 लखनऊ, 16 दिसम्बर, 2016 आज

नोटबंदी से देश के जनमानस की तरक्की तय-रामनारायण

भारतीय तैलिक महासभा सम्मेलन मुख्य अतिथि होंगे गृह मंत्री

...एवं जिला महामंत्री भाग लेगें।

लखनऊ। शनिवार • 23 जुलाई • 2016 राष्ट्रीय सहारा

ओबीसी आरक्षण की मांग हुई तेज

साहू-राठौर महासभा का प्रतिनिधिमण्डल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मिलेगा

लखनऊ (एसएनबी)। ओबीसी आरक्षण में जातीय आधार पर वर्गीकरण की मांग तेजी पकड़ने लगी है। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा ने केन्द्र से मांग की है कि ओबीसी आरक्षण में जातीय आधार पर वर्गीकरण किया जाए। इस मांग की पूर्ति के लिए महासभा का प्रतिनिधि मण्डल देश भर के स्वजातीय जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक, एमएलसी) के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात भी करेगा। यह बात राजधानी पहुंचे महाराष्ट्र के पूर्व लोकसभा सांसद और वर्तमान एमएलसी हरिभाऊ राठौड़ ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। पत्रकार वार्ता में मौजूद भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के संस्थापक और अध्यक्ष रामनारायण साहू ने कहा कि ओबीसी आरक्षण में जातिगत आधार पर वर्गीकरण समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ओबीसी के लिए दिये जा रहे आरक्षण का समुचित लाभ पूरे संवर्ग को नहीं मिल पा रहा है खासतौर से इस आरक्षण का लाभ कुछ जाति विशेष के लोग ही उठा रहे है और एक बड़ा तबका इस लाभ से वंचित है। हरिभाऊ राठौड़ ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग के चैयरमेन वी. ईश्वरय्या की सिफारिशों को मानकर तत्काल केन्द्र सरकार इसे गजट कराये। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है। इसे वर्गीकृत करते हुए घूमते वर्ग को 9 प्रतिशत, यादव और कुर्मी सहित अन्य वर्ग को 9 प्रतिशत जबकि 9 प्रतिशत में तेली, नाई, कुम्हार, पाल सहित आदि को शामिल किया जाए।

रामनारायण साहू ने बताया कि इस मांग का समर्थन उत्तर प्रदेश में सशक्त तरीके से हो सकती है क्योंकि सूबे से एक दो नही बल्कि पिछड़ा वर्ग से सांसद उमा भारती, साध्वी निरंजन ज्योति, मुकेश राजपूत, हरिनारायण राजभर, राजवीर सिंह, साक्षी महाराज, धर्मेन्द्र कश्यप, नेपाल सिंह सहित पचास से अधिक विधायक और एमएलसी जनप्रतिनिधि है। उन्होंने बताया कि ओबीसी आरक्षण के वर्गीकरण के लिए देश की कुल जनसंख्या लगभग 40 करोड़ लोगों को समुचित लाभ दिलाने के उद्देश्य से केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग वर्ष- 2015 मार्च में अपनी सिफारिश केन्द्र सरकार को सौप चुका है जिन्हें तत्काल लागू कराकर गजट कराया जाना चाहिए।

लखनऊ, 23 जुलाई 2016 दैनिक जागरण 11

आरक्षण की मांग

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासंभा के अध्यक्ष राम नारायण साहू ने ओबीसी के आरक्षण के वर्गीकरण की मांग की है। इसको लेकर प्रतिनिधि मंडल प्रधानमंत्री व गृहमंत्री से मुलाकात करेगा।

हिन्दुस्तान 11
लखनऊ • शनिवार • 23 जुलाई 2016

आरक्षण में वर्गीकरण की मांग

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा ने केन्द्र से मांग की है कि ओबीसी आरक्षण में जातीय आधार पर वर्गीकरण किया जाए। इस मांग के लिए महासभा का प्रतिनिधि मण्डल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेगा। पूर्व सांसद हरिभाऊ और रामनारायण साहू ने कहा कि ओबीसी आरक्षण में जातिगत आधार पर वर्गीकरण समय की आवश्यकता है।

लखनऊ। मंगलवार • 26 जुलाई • 2016
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

साहू-राठौर महासभा निकालेगी रथयात्रा

प्रभात
लखनऊ। शुक्रवार, 19 अगस्त 2016

केन्द्र का फैसला सराहनीय : रामनारायण साहू

लखनऊ। प्रभात

आतंकवादी बुरहान हानी के मौत के बाद पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल बढ़ रहे आतंकी संगठनों के... सार्थक और दूरगामी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पाक सरकार के प्रति अपने दो टूक निर्णय को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि जल्द ही मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पाकिस्तान को बेनकाब कर दे...

हिन्दुस्तान 06

राम औतार प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की प्रान्तीय बैठक गांधी भवन प्रेक्षागृह मे सोमवार को आयोजित की गई। मुख्य अतिथि महसभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम नरायन साहू ने लखीमपुर खीरी निवासी राम औतार साहू को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया।

कानपुर के देवेंद्र साहू को कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस दौरान रामनारायण साहू ने कहा कि किसी भी समाज के विकास की पहली सीढ़ी उसकी एकता है। इस दौरान जितेंद्र माथुर, विजयलक्ष्मी साहू, विनोद राठौर, राजेश साहू, सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता व रमाशंकर तेली ने अपने विचार व्यक्त किए। वसं

अमर उजाला

तैलिक समाज के लोग पीएम से सीख लें : साहू

लखनऊ। पूर्व सांसद रामनारायण साहू ने कहा है कि तैलिक, राठौर और गुप्ता समाज को यह याद रखना होगा कि पहली बार भारत को ऐसा प्रधानमंत्री मिला है जो अपने कर्तव्यों से कभी पीछे नहीं हटता है। नोटबंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारी से निपटने के लिए ऑपरेशन जैसी पीड़ा का सामना तो करना ही पड़ता है। बैठक का संचालन करते हुए एडवोकेट रमाशंकर गुप्ता ने नई युवा टीम की घोषणा की। यह टीम प्रांतीय अध्यक्ष विनोद राठौर के नेतृत्व में कार्य करेगी। इसके अलावा, राकेश राठौर को प्रांतीय महामंत्री, गणेश गांधी उर्फ शनि राठौर को प्रांतीय युवा प्रभारी, राजेश कुमार को प्रांतीय युवा संगठन मंत्री व अशोक कुमार गुप्ता को प्रांतीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। मुकेश साहू, कमलेश साहू, नरेंद्र राठौर को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा, केके साहू, प्रवीन कुमार साहू को प्रांतीय युवा सचिव का पद दिया गया।

नीतीश बड़े नामदार, मैं कामदार : रघुवर

पटना। झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री बड़े नामदार हैं, जबकि मैं कामगार हूं। बिना नाम लिए शराबबंदी पर उन्होंने नीतीश कुमार को निशाने पर लिया। कहा, बिहार को किसने नशेड़ी बनाया, किसने गरीबों-मजदूरों के बीच पाउच बेचा। पहले दस साल जमकर दर्द दिया और अब दवा दे रहे हैं। वे कैसे डाक्टर हैं?

रघुवर दास बिहार तैलिक-साहू समाज द्वारा नवनिर्वाचित विधायकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

...कहा कि सूबे के दो दर्जन से अधिक जनपदों में जनसंख्या अधिक होने के चलते साहू समाज यहां खुद अपने प्रतिनिधियों को चुनाव लड़ाकर जिताने की स्थिति में है।

राष्ट्रीय सहारा

पाक मामले में राजनीति कर रहीं कांग्रेस-बसपा : साहू

लखनऊ (एसएनबी)। भाजपा ट्रेड एंड इण्डस्ट्री प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी और पूर्व सांसद राम नारायण साहू ने...

तैलिक साहू राठौर महासभा का सम्मेलन

घर से महिला सशक्तिकरण शुरू हो, तभी समाज की सार्थकता

भोपाल। नवदुनिया न्यूज

26 सितंबर 2016
सोमवार
अमर उजाला

महिला सशक्तीकरण जरूरी

लखनऊ (ब्यूरो)। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की रविवार को हुई बैठक में साहू समाज में महिला सशक्तीकरण की आवाज उठी। सभा के सदस्यों ने एक स्वर में महिलाओं को पर्दे से निकालकर समाज उत्थान के कार्यक्रमों में भागीदारी देने पर विचार किया। कौल साहब सभागार गांधी भवन में हुई बैठक में दो अक्तूबर को गांधी जयंती व राम नारायण साहू दिवस मनाए जाने और जिलों में साहू सम्मेलन किए जाने पर चर्चा हुई। सभा के राष्ट्रीय प्रभारी जितेंद्र माथुर व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. डीसी गुप्ता ने कहा साहू समाज के नाम पर कई लोग अपनी दुकाने चला रहे हैं।

चेतना विचारधारा
लखनऊ, शुक्रवार 19 अगस्त, 2016 3

केन्द्र सरकार का निर्णय सराहनीय : साहू

विचारधारा समाचार सेवा

लखनऊ 18 अगस्त। आतंकवादी बुरहान हानी के मौत के बाद पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल बढ़ रहे आतंकी संगठनों के कर्तार्ता बौखला गए हैं। इसका जबाब देने के लिए प्राानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अयक्षता में हुई बैठक और निर्णय की सराहना करते हुए पूर्व सांसद रामनारायण साहू ने कहा कि पाक के नापाक रवैया पर केन्द्र का निर्णय सार्थक और दूरगामी है। पूर्व सांसद ने प्राानमंत्री के पाक सरकार के प्रति अपने दो टूक निर्णय को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि जल्द ही मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पाकिस्तान को बेनकाब कर देगी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को सम्बोाित करते हुए जो कुछ प्रधानमंत्री ने कहा उसका सीाा सा अर्थ यह था कि आम से लेकर खास सभी के बारे में वे बारीकी से काम कर रहे हैं।

BRING HOME
HAPPINESS
Carrier
Midea
100% COPPER
HIGH AMBIENT OPERATIONS
RUST RESISTANT
HIGH SAVINGS
ENHANCED PERFORMANCE
Midea: World's leading producer of Consumer Appliances*
Bring home a Midea Air Conditioner and let its elegant design and energy efficient features fill your heart and home with happiness.
0% FINANCE* PROCESSING FEE VERIFICATION CHARGES
1+4 YEARS WARRANTY*
3 FREE SERVICES*
HIGH EER
POWERFUL COOLING
LEAKAGE DETECTOR
SELF CLEAN
HEALTHY AIR FILTERS
*Terms & conditions apply
*Euromonitor International Consumer Appliances Trade Statistics Database, 2011
*Models with Parallel Flow Technology also available
Carrier Midea India Pvt. Ltd. 1st Floor, Pearl Tower, Plot No. 51, Institutional Area, Sector 32, Gurgaon - 122001, Haryana, Ph: - 0124 6144300
Carrier Midea India Pvt. Ltd. CIN: U74140HR2011FTC044006 Factory Address: Plot No.10A, Sector 5, GC-Bawal, Rewari - 123501, Haryana, Ph:- 0128 4266300
www.carriermideaindia.com
Service Helpline 1800 3000 00 11
www.facebook.com/mideaindia
Linkedin: Carrier Midea India
mideacare@carriermidea.com

Carrier
Midea
MWMFL080VIX
• Capacity: 8 kg
• iAdd
• Super Size Door
• Smart Spray
• Hot Air Dryer
• Inverter Motor with 10 Year Warranty
Full 5 Year Warranty
on all fully automatic
Washing Machines
MWMTL070MWO
MWMTL065MWO
• Capacity: 7 kg | 6.5 kg
• Water Magic Cube
• One Touch Smart Wash
• LED Display
• Smart Sensors
• Magic Filter
MWMFL070CPR
MWMFL060CPR
• Capacity: 7 kg | 6 kg
• Super Scrub Drum
• Jumbo LED Display
• Speed Wash
• Add Garment
• My Cycle
Midea
MWMSA082Z1T
• Capacity: 8.2 kg
• Dual Layer Durable
• 3D Aqua Storm
• Magic Filter
• Transparent Lid
• Spin 10
MWMSA082015
• Capacity: 8.2 kg
• Dual Layer Durable
• 3D Aqua Storm
• Magic Filter
• Opaque Lid
• Spin 5
MAKE YOURSELF
AT HOME
POPULAR MODELS IN OUR WIDE RANG
OF MIDEA WASHING MACHINES
MWMTL105VIW
• Capacity: 10.5 kg
• iADD
• One Touch Smart Wash
• Water Magic Cube
• Drum Light
• Touch Controls
• Inverter Motor with 10 Year Warranty
MWMSA078Z1T
• Capacity: 7.8 kg
• Dual Layer Durable
• Magic Filter
• Transparent Lid
• Spin 10
MWMSA078015
• Capacity: 7.8 kg
• Dual Layer Durable
• Magic Filter
• Opaque Lid
• Spin 5
SAHU
M/s Shree Narain Sons 1/327, Vikrant Khand, Gomti Nagar Lucknow
For Enquiries Contact : 9235500218, 9235500221, 7570002343

Proposed-
SAHU RATHORE BHAWAN
Kanpur Road, Lucknow
विज्ञापन सहयोग- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा द्वारा।